राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

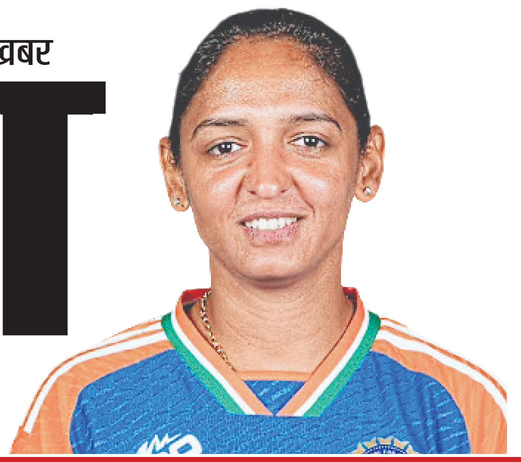

03 आम आदमी पार्टी देश भर में वोट .....

हरमनप्रीत ने दिया झटका छोड़ी तीनों..... 11

वर्ष : 17 | अंक : 166 | नई दिल्ली, बुधवार, 07 अक्टूबर, 2026 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 41.0°C

न्यूनतम तापमान 32.3°C

राजधानी पटना व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	50%
नहीं	20%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	1,51,000
चांदी	2,52,652
सेंसेक्स	74,845.01
निफ्टी	24,001.65

संक्षिप्त खबरें

नीति आयोग के उपाध्यक्ष अशोक लाहिड़ी ने किए महाप्रभु जगन्नाथ के दर्शन

पुरी। नीति आयोग के उपाध्यक्ष अशोक लाहिड़ी ने मंगलवार को पुरी स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर पहुंचे और भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने मंदिर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और महाप्रभु के दर्शन कर संतोष व्यक्त किया। मंदिर परिसर में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने अपने पिछले अनुभव को भी साझा किया। लाहिड़ी ने कहा, ह्लमहाप्रभु के पास पिछली दफा भी आए थे। मुझे आधा घंटा लेट हो गया था। तो बड़े-बड़े लोग का जो होता है, उन्होंने बोला दर्शन नहीं देंगे। मैं निराश होकर चला गया था। इस बार मैं डर के साथ आया था कि पता नहीं फिर कहेंगे कि दर्शन नहीं होंगे लेकिन आज बहुत बढ़िया दर्शन हुआ। मेरा परम सौभाग्य है। उन्होंने कहा, ह्लजगन्नाथ के दर्शन ही काफी हैं, मुझे बहुत संतुष्टि मिली। जगन्नाथ पुरी मेरा एक सबसे प्रिय तीर्थ है। इधर आ पाए यही मेरा भाग्य है।ह्व मंदिर की व्यवस्थाओं की तारीफ करते हुए उपाध्यक्ष ने कहा कि इस बार की व्यवस्था बहुत अच्छी थी। उन्होंने बताया कि वह अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ तीन दिन से ओडिशा में हैं और आज वापस लौट रहे हैं। उन्होंने ओडिशा के विकास को लेकर भी सकारात्मक टिप्पणी की। उन्होंने कहा, ह्लओडिशा आगे बढ़ रहा है, काफी तेज रफ्तार से आगे बढ़ रहा है और मेरी आशा है कि ओडिशा और आगे बढ़ेगा। इधर लोगों की तरक्की होगी।ह्व उन्होंने कहा कि ओडिशा मेरा पसंदीदा राज्य है, इसलिए मैं ओडिशा के लिए बस शुभकामनाएं ही दे सकता हूं। इस दौरान मंदिर प्रशासन की ओर से अशोक लाहिड़ी का स्वागत किया गया। उन्हें पीला पटका और प्रसाद भेंट किया गया। उनके साथ नीति आयोग के अन्य अधिकारी और स्थानीय प्रशासन के लोग भी मौजूद रहे। वहीं, इससे पहले पतितपावन की मंगला आरती के दौरान मंदिर में अनोखा आध्यात्मिक माहौल देखने को मिला। सुबह-सुबह बड़ी संख्या में भक्त दर्शन के लिए एकत्र हुए और भक्ति-भाव में लीन होकर आरती का अलौकिक अनुभव किया।

उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री ने कई स्वास्थ्य सेवाओं का किया शुभारंभ, आशा कार्यकर्ता का मानदेय हुआ छह हजार रुपये

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आशा सम्मेलन में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी कई पहलों की शुरूआत के साथ-साथ आशा कार्यकर्ता का मासिक मानदेय 3,000 से बढ़ाकर 6,000 किया गया है। उन्होंने अनमोल योजना का विस्तार, जीबी पंत अस्पताल में सोट्टो सेंटर और नर्सिंग होम मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल का शुभारंभ किया। यह कार्यक्रम त्यागराज स्टेडियम में आयोजित किया गया। इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह भी मौजूद रहे। उपराज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समावेशी विकसित भारत के विजन के अनुरूप आज दिल्ली में स्वास्थ्य सेवा से जुड़ी अहम पहलों की शुरूआत की गई। उन्होंने कहा कि हमारी फ्रंटलाइन आशा कार्यकर्तों की अहम भूमिका को देखते हुए उनके मासिक मानदेय को 3,000 से बढ़ाकर 6,000 रुपये कर दिया गया है। साथ ही नवजात शिशुओं की एडवांस्ड स्क्रीनिंग के लिए अनमोल योजना का विस्तार किया गया है। इसके साथ-साथ

जीबी पंत अस्पताल में एक समर्पित सोट्टो सेंटर और नर्सिंग होम मैनेजमेंट के लिए एक पारदर्शी पोर्टल को भी शुभारंभ किया गया है। उपराज्यपाल ने कहा कि टेक्नोलॉजी, मजबूत स्वास्थ्य सेवाएं और संवेदनशीलता के साथ एक स्वस्थ विकसित दिल्ली की दिशा में आगे बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आशा कार्यकर्ता के लिए प्रोत्साहन राशि 3,000 से बढ़ाकर 6,000 रुपये की गई है। इससे दिल्ली की 6,690 आशा कार्यकर्ता को आर्थिक संबल मिलेगा और घर-घर स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि जीबी पंत अस्पताल में सोट्टो सेंटर शुरू होने से अब अंगदान और प्रत्यारोपण की पूरी प्रक्रिया में बेहतर समन्वय होगा और जरूरतमंद मरीजों तक समय पर सहायता पहुंच सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनमोल योजना का विस्तार किया गया है। इसके तहत दिल्ली में नवजात शिशुओं की 56 स्वास्थ्य स्थितियों की जांच बिल्कुल निःशुल्क की जा रही है, जिससे बीमारियों की समय पर पहचान और उपचार संभव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि नर्सिंग होम मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल शुरू किया गया है जिससे नर्सिंग होम से जुड़ी प्रक्रियाएं अधिक सरल, पारदर्शी और जवाबदेह बनेंगी।

एसआईआर के खिलाफ इंडी गठबंधन का प्रदर्शन विपक्ष ने ईसीई के इस्तीफे की मांग की निर्वाचन आयोग तक मार्च

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया (एसआईआर) और मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ इंडी गठबंधन ब्लॉक के सांसदों ने मंगलवार को संसद से भारत निर्वाचन आयोग के कार्यालय तक विरोध मार्च निकाला। मार्च में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, वाम दलों समेत विपक्षी गठबंधन के कई सांसद शामिल हुए। विपक्षी नेताओं ने एसआईआर प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल उठाते हुए इसे लोकतांत्रिक अधिकारों और मतदाताओं के हितों के खिलाफ बताया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने विरोध प्रदर्शन के दौरान कहा कि यह एक लड़ाई है और विपक्ष लोकतंत्र की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष करता रहेगा। उन्होंने

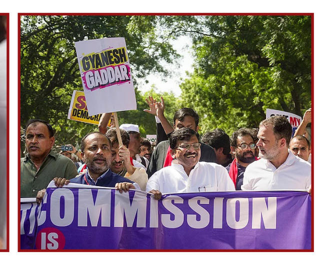

आरोप लगाया कि लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने वाली ताकतों के खिलाफ विपक्ष मजबूती से खड़ा है। कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा ने कहा कि यह विरोध प्रदर्शन केवल शुरूआत है और मामला आगे भी जारी रहेगा। भाजपा सांसद संबित पात्रा की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि अब उनके समय की समाप्ति हो चुकी है और विपक्ष उनके बयानों पर ध्यान नहीं देना चाहता। कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा ने कहा, ह्लउन्हें हमें रोकने दीजिए। आप इस देश को कब तक रोकेंगे? विपक्ष के जरिए पूरा देश सड़कों पर है। आप इस देश को रोक नहीं सकते। अंग्रेजों ने कोशिश की थी, लेकिन वे चले गए। जो आज कोशिश कर रहे हैं, वे भी चले जाएंगे। हम ज्ञानेश गुप्ता पर आरोप लगा रहे हैं लेकिन जवाब भाजपा दे रही है। दोनों के बीच क्या रिश्ता है?ह्व समाजवादी पार्टी के सांसद और पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग पर पहले भी चुनावों में अनियमितताओं के आरोप लग चुके हैं। अखिलेश यादव ने 2017, 2019, 2022 और 2024 के चुनावों का उल्लेख करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में भी चुनाव आयोग की भूमिका को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। उन्होंने चंडीगढ़ मेयर चुनाव से जुड़े विवाद का भी जिक्र किया और कहा कि उसे भुलाया नहीं जा सकता। कांग्रेस सांसद रंजीत रंजन ने विपक्ष की प्रमुख मांगों को स्पष्ट करते हुए कहा कि तीन मांगें हैं। पहली, मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दें। दूसरी, एसआईआर प्रक्रिया को रद्द किया जाए और तीसरी, चुनाव बैलेट पेपर के माध्यम से कराए जाएं। कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने एसआईआर प्रक्रिया को लेकर कानूनी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया असंवैधानिक और अधिकार क्षेत्र से बाहर है।

ईडी के संयुक्त निदेशक स्वपन बोस का निधन

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के संयुक्त निदेशक स्वपन बोस का मंगलवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वे 33 वर्षों से ईडी में सेवाएं दे रहे थे। ईडी ने उनके निधन को संगठन और सार्वजनिक सेवा क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। ईडी ने अपने शोक संदेश में कहा है कि स्वपन बोस ने अपने लंबे कार्यकाल के दौरान कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालीं और पेशेवर दक्षता, संस्थागत प्रतिबद्धता तथा ईमानदारी के साथ उनका निर्वहन किया। विभाग ने उन्हें विशिष्ट क्षमता,

कर्तव्यनिष्ठ आचरण और अटूट समर्पण वाला अधिकारी बताया। ईडी निदेशक समेत मुख्यालय और सभी क्षेत्रीय एवं उप-क्षेत्रीय कार्यालयों के अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने स्वपन बोस के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उनके परिवार, रिश्तेदारों और सहयोगियों के प्रति गहरी संवेदना जताई।

इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने दिया धरना, राहुल गांधी बोले-कोई भी बचने वाला नहीं

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की अगुवाई में इंडिया गठबंधन के सांसदों ने आकाशवाणी भवन परिसर में भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के दफ़्तर से कुछ मीटर की दूरी पर धरना दिया। राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा, पवन खेड़ा और इमरान प्रतापगढ़ी आकाशवाणी भवन परिसर में एक पेड़ के नीचे बैठे दिखे। विपक्षी नेताओं ने चुनाव आयोग मुख्यालय (जो 300 मीटर दूर है) तक पहुंचने की कोशिश में संस्थान के गेट धकेलकर खोले थे। सूत्रों के अनुसार, आकाशवाणी भवन से एक पीसीआआर कॉल की गई, जिसमें कहा गया कि राहुल गांधी जबरदस्ती परिसर में घुस आए हैं। वहीं, मीडिया से बातचीत में राहुल गांधी ने कहा, ह्ल300 सांसदों को यहां रोका गया और उसके बाद, उन्होंने हमें यहां बिठा दिया है। चुनाव आयोग यहां से 50 गज की दूरी पर है। वे हमें वहां जाने नहीं दे रहे हैं। मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या समस्या है। चुनाव आयोग का काम ठीक से चुनाव कराना है। 300 सांसद ज्ञानेश कुमार से मिलना चाहते हैं और ज्ञानेश कुमार डरे हुए हैं। इसलिए, मुझे नहीं पता कि देश में क्या हो रहा है। अगर प्रतिनिधि चुनाव आयोग से नहीं मिल सकते, तो लोकतंत्र का क्या मतलब है राहुल गांधी ने कहा, ह्लहमारे देश के साथ जो किया गया है उसे देशद्रोह कहा जाता है और कोई भी बचने वाला नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, मोहन भागवत और ज्ञानेश कुमार ने देश से लोकतंत्र खत्म कर दिया है। इन लोगों ने ह्यवोट चोरीह्न कर देश को हाईजैक कर लिया है। इनसे कोई नहीं बचेगा, सब पर कार्रवाई होगी। मीडिया से बात करते हुए पवन खेड़ा ने कहा, ह्लचुनाव आयोग हमारे ठीक बगल में है और लोकसभा में विपक्ष के नेता को चुनाव आयोग जाने नहीं दिया जा रहा है, उन्हें रोक दिया गया है। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, वेणुगोपाल, चन्नी, इमरान प्रतापगढ़ी और हम सभी यहां आकाशवाणी भवन के अंदर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ह्लचुनाव आयोग का दफ्तर यहां से बस 100 मीटर दूर है और जब विपक्ष के नेता वहां जाकर ज्ञापन सौंपना चाहते हैं, तो उन्हें रोका जा रहा है। सभी को बहुत सख्ती से रोका जा रहा है। देश की राजधानी में लोकतंत्र का यही हाल है।ह्व हाथों में तिरंगा और ह्यलोकतंत्र बचाओह्न लिखे बैनर लिए इंडिया गठबंधन के सांसदों ने चुनाव आयोग मुख्यालय की ओर मार्च करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त, भाजपा और आरएसएस के खिलाफ नारे लगाए। विरोध प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों को अलर्ट पर रखा गया था।

नौसेना में शामिल हो रहा है पहले फ्लीट सपोर्ट पोत, युद्धपोतों की करेगा मदद

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में शीर्ष नौसैनिक कमांडर्स से संवाद किया है। वह यहां आज भारतीय नौसेना के बेड़े में पहले फ्लीट सपोर्ट पोत को शामिल करेंगे। यह विशाल पोत करीब 43,500 टन वजनी है और समुद्र में तैनात युद्धपोतों को जरूरी ईंधन और अन्य सामान की आपूर्ति करेगा। इससे नौसेना समुद्र में लंबे समय तक निर्बाध रूप से अपने अभियान चला सकेगी। फ्लीट सपोर्ट पोत की मौजूदगी के कारण भारतीय युद्धपोतों को बार-बार तट पर लौटने की जरूरत नहीं होगी। इसका लाभ यह होगा कि भारतीय युद्धपोत हिंद महासागर क्षेत्र में लंबे समय तक और ज्यादा दूर तक अभियान जारी रख सकेंगे। मंगलवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह विशाखापत्तनम में इस पोत के जलावतरण के दौरान मौजूद रहेंगे। हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड

द्वारा निर्मित यह पहला फ्लीट सपोर्ट पोत है। राजनाथ सिंह आंध्र प्रदेश से ही पांचवें फ्लीट सपोर्ट पोत की आधारशिला भी रखेंगे। यह आयोजन भारत की स्वदेशी युद्धपोत निर्माण क्षमता के बढ़ते सामर्थ्य को दशार्ता है। शिपयार्ड की बढ़ती सुविधाओं व इसके विस्तार से अब बड़े और जटिल समुद्री पोतों के निर्माण की क्षमता में महत्वपूर्ण बाढ़ोतरी हो रही है। गौरतलब है कि फ्लीट सपोर्ट पोतों का महत्व इसलिए भी ज्यादा है क्योंकि ये समुद्र में मौजूद युद्धपोतों के लिए एक तरह से चलता-फिरता रसद केंद्र बनकर काम करते हैं। इनके जरिए नौसेना के अग्रिम मोर्चे पर तैनात जहाजों की अभियान क्षमता को लंबे समय तक बनाए रखने में मदद मिलेगी। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू व नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे। इस बीच छत्तीसगढ़ और ओडिशा सब एरिया के कमांडर ब्रिगेडियर आर. शंकर ने रायपुर स्थित लोक भवन में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका से मुलाकात की। वहीं, पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल संजय वत्सायन ने 5 अक्टूबर को बेंगलुरु में कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार से मुलाकात की। इस दौरान कारवार नौसैनिक अड्डे के विकास और रक्षा उद्योग व नवाचार क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा हुई। साथ ही, राज्य में नागरिक-सैन्य समन्वय मजबूत करने के अवसरों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

इंडी गठबंधन का चुनाव आयोग पर आरोप, कहा-चुनाव आयोग भाजपा के लिए काम करता दिख रहा

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग के खिलाफ इंडी गठबंधन के सांसदों के प्रस्तावित विरोध मार्च से पहले समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव दिल्ली पहुंचे। उन्होंने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि आयोग निष्पक्ष तरीके से काम नहीं कर रहा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पत्रकारों से कहा, ह्लचुनाव आयोग और उसके कामकाज के तरीके को लेकर शिकायतें और आपत्तियां पहली बार नहीं उठाई जा रही हैं। ऐसा लगता है कि चुनाव आयोग का मानना है कि सिर्फ भाजपा के सदस्य ही भारतीय नागरिक हैं। कई मौकों पर ऐसा भी लगता है कि आयोग मानता है कि सिर्फ भाजपा के सदस्य ही वोट देने के हकदार हैं। उन्होंने भाजपा पर चुनावी प्रक्रिया में धनबल और संसाधनों के इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए कहा कि लोग लंबे समय से भाजपा को ह्लइलेक्शन मशीनह्व के रूप में देखते रहे हैं। पार्टी केवल चुनावी प्रक्रिया के जरिए चुनाव नहीं जीतती बल्कि उसके पास बड़ी मात्रा में पैसा और संसाधन हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव आयोग को लेकर शिकायतें और आपत्तियां कोई नई बात नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सत्ता में आने के बाद चुनाव आयोग के कामकाज में बदलाव आया है और आयोग भाजपा के लिए काम करता हुआ दिखाई देता है। उन्होंने पश्चिम बंगाल में बूथ कब्जाने का आरोप लगाते हुए कहा कि वहां फोर्स के जरिए बूथों पर कब्जा किए जाने की घटनाएं देखी गई हैं। ऐसी घटनाएं सिर्फ पश्चिम बंगाल तक सीमित नहीं थीं, बल्कि इससे पहले उत्तर प्रदेश में भी ऐसी स्थिति देखने को मिली थी। अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के कुंदरकी और मीरापुर विधानसभा चुनावों में भी कथित धांधली का आरोप लगाया। उन्होंने अयोध्या और अंबेडकर नगर के उपचुनावों को लेकर भी सवाल उठाए। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव आयोग को संविधान के मुताबिक निष्पक्ष तरीके से काम करना चाहिए।

सीईसी ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दें, नहीं तो पूरा देश बनेगा जंतर-मंतर: अभिजीत दिपके

छत्रपति संभाजीनगर । कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके ने 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन को लेकर कहा है कि उन्हें गिरफ्तार किए जाने की आशंका है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी गिरफ्तारी के बावजूद आंदोलन नहीं रुकेगा। छत्रपति संभाजीनगर में प्रेस वार्ता के दौरान अभिजीत दिपके ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि अगर दिल्ली पुलिस उन्हें रोकने की कोशिश करे तो वे महात्मा गांधी को याद करें और जहां पुलिस उन्हें रोके, वहीं उस जगह को जंतर-मंतर बना दें। उन्होंने प्रदर्शनकारियों से ह्यरघुपति राघव राजा रामह्न का जाप करते हुए शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन जारी रखने की अपील की। उन्होंने दावा किया कि 10 अक्टूबर के प्रस्तावित प्रदर्शन से सरकार डर गई है लेकिन जेल का डर दिखाकर आंदोलनकारियों को चुप नहीं कराया जा सकता। उन्होंने कहा कि मुझे गिरफ्तार कर लो, एनएसए लगा दो लेकिन हम लड़ते रहेंगे। दिपके ने दिल्ली पुलिस पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि अगर ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा नहीं हुआ तो पूरा देश जंतर-मंतर बन जाएगा। अभिजीत दिपके ने कहा कि आंदोलन की तीन प्रमुख मांगें हैंः ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग और उनके खिलाफ आपराधिक मामला चलना चाहिए, एसआईआर की प्रक्रिया को फ्रीज की जानी चाहिए और चुनाव आयोग में सुधार और नियुक्तियों की प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं तटस्थ बनाया जाना चाहिए। प्रेस वार्ता के दौरान दिपके ने दावा किया कि महाराष्ट्र से अब तक दो लोगों को नोटिस मिल चुके हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान में भी उनके एक वॉलंटियर मुकेश को नोटिस मिला है और आने वाले दिनों में अन्य लोगों को भी नोटिस दिए जा सकते हैं। सरकार 10 अक्टूबर को दिल्ली में होने वाले मार्च से डर रही है।

लगातार चुनावों में अपनी हार से परेशान कांग्रेस परिवार पूरे देश को भ्रमित कर रहा : सुधांशु त्रिवेदी

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने नई दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए कांग्रेस और विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, ह्ललगातार चुनावों में अपनी हार से परेशान होकर निराधार, अनर्गल बातों और मिथ्या वचनों से पूरे देश को भ्रमित करने में संलिप्त हमारे मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के प्रथम परिवार, जिसने पिछली चार पीढ़ियों से लोकतंत्र का गला पकड़कर राजतंत्र का शासन चला रखा है, आज आकाशवाणी में घुसपैठ करने का प्रयास किया। मैं आज लोगों से अनुरोध करूंगा कि आकाशवाणी में बैठे हुए कुंडाधिपति, ईर्ष्याधिपति राहुल गांधी स्वयं और उनके नेताओं की वाणी पर गौर फरमाएं। अब मेरा कांग्रेस से सीधा सवाल है कि ये सारे वक्तव्य आपके नेताओं के हैं या नहीं? विभिन्न अवसरों पर पिछले कुछ वर्षों में स्वयं राहुल गांधी और उनके वरिष्ठ नेताओं द्वारा कहा गया है कि अनेक जगहों पर वोटर डुप्लीकेशन है। तो हम उनसे पूछना चाहते हैं कि आप 2016, 2018, 2020 और 2021 में सही थे या आज सही हैं? हकीकत तो यह है कि कांग्रेस कल भी झूठ बोल रही थी, आज भी झूठ बोल रही है। सुधांशु त्रिवेदी ने एसआईआर प्रक्रिया के दौरान 13 करोड़ मतदाताओं के नाम काटने के आरोप पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और विपक्ष एसआईआर प्रक्रिया के दौरान जिन 13 करोड़ वोटर्स की बात कर रहे हैं, उनमें से 2.8 करोड़ लोग मृतक, 6.3 करोड़ लोग स्थानांतरित, 1 करोड़ लोग डुप्लीकेट और 3 करोड़ लोग अनुपस्थित हैं। इनमें से भी अगर किसी के पास आधार है, तो वह कागज दिखाकर आ सकता है। मैं कांग्रेस और राहुल गांधी से पूछना चाहता हूं कि जब आप 13 करोड़ कहते हैं, तो मृत और डुप्लीकेट वोटर्स को मताधिकार के साथ कैसे जोड़ रहे हैं?

डॉक्टरों ने पारंपरिक कुर्ता-पायजामा और टोपी पहनकर अपनी डिग्री ली।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने एम्स बिलासपुर के पहले दीक्षांत समारोह में 92 डॉक्टरों को दी डिग्री

प्रात : किरण, एजेंसी

बिलासपुर/मनाली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के पहले दीक्षांत समारोह में 2020 बैच के 92 डॉक्टरों को सम्मानित किया। डॉक्टरों ने पारंपरिक कुर्ता-पायजामा और टोपी पहनकर अपनी डिग्री ली। राष्ट्रपति ने अपनी-अपनी कैटेगरी में टॉप करने वाले पांच छात्रों को गोल्ड मेडल दिए और बाकी स्नातक डॉक्टरों को डिग्री बांटी। समारोह की शुरूआत स्नातक बैच के ग्रुप फोटो से हुई। एम्स प्रशासन ने दीक्षांत समारोह के लिए पुरुष और महिला दोनों स्नातकों के लिए ड्रेस कोड तय किया था। राष्ट्रपति मुर्मु मंगलवार सुबह 10.35 बजे एम्स बिलासपुर हेलीपैड पर पहुंचीं और सीधे दीक्षांत स्थल पर गईं।

इस मौके पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल और मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। समारोह के दौरान एम्स प्रशासन ने राष्ट्रपति मुर्मु को स्मृति चिह्न के रूप में पारंपरिक रणसिंघा भेंट किया। उन्हें बाबा बालक नाथ और श्री नैना देवी की मूर्तियां भी उपहार के रूप में दी गईं। यह दीक्षांत समारोह संस्थान और एमबीबीएस के पहले बैच के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। बिलासपुर कार्यक्रम के बाद राष्ट्रपति मनाली के लिए रवाना होंगी। 7 अक्टूबर को वह हिडिंबा मंदिर और लाहौल-स्पीति जिले में रोहतांग स्थित अटल टनल का दौरा करेंगी। राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार टनल का दौरा उनके आधिकारिक कार्यक्रम का हिस्सा है। राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए मंगलवार रात 8 बजे से बुधवार दोपहर 12 बजे तक पलचान से अटल टनल रोहतांग की तरफ आम वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। इस दौरान तय रास्ते पर किसी भी तरह के वाहन को जाने की अनुमति नहीं होगी। प्रशासन ने स्थानीय लोगों और पर्यटकों से अपनी यात्रा की योजना उसी हिसाब से बनाने और वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल करने की अपील की है। सुरक्षा और ट्रैफिक के कड़े इंतजाम किए गए हैं। बता दें कि अटल टनल मनाली और लाहौल घाटी के बीच हर मौसम में संपर्क बनाए रखती है। अप्रैल में खराब मौसम के कारण राष्ट्रपति का टनल दौरा रद्द हो गया था।

युद्धपोतों के लिए ब्रह्मोस लॉन्चर व फायर कंट्रोल सिस्टम की डील, 661 करोड़ रुपए होगी लागत

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने ब्रह्मोस के फायर कंट्रोल सिस्टम व लॉन्चर की खरीद के लिए मंगलवार को एक बड़ा करार किया है। ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड के साथ 661.50 करोड़ रुपए में यह डील की गई है। यह भारतीय नौसेना की समुद्री मारक क्षमता को और मजबूत करने की दिशा में उठाया गया एक अहम कदम है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक यह समझौता भारतीय खरीद, भारतीय रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मितह्व श्रेणी के तहत किया गया है। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में इस समझौते पर हस्ताक्षर

किए गए। इस परियोजना के जरिए नौसेना के अग्रिम पंक्ति के युद्धपोतों पर तैनात ब्रह्मोस प्रणाली को और सक्षम बनाने पर फोकस किया जा रहा है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार इस परियोजना की खास बात यह है कि इसमें कम से कम 68 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल होगा। इससे देश में रक्षा उपकरणों के निर्माण को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ भारतीय उद्योगों की भागीदारी भी बढ़ेगी। परियोजना में कई सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के शामिल होने की भी उम्मीद है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में यह कदम इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि उन्नत सैन्य तकनीक से जुड़े उपकरणों के निर्माण में घरेलू उद्योगों की भूमिका लगातार बढ़ रही है। मंत्रालय के अनुसार, यह परियोजना अगले तीन वर्षों की अवधि में रोजगार के अवसर भी पैदा करेगी। गौरतलब है कि ब्रह्मोस प्रणाली भारतीय नौसेना के प्रमुख सतह से सतह पर मार करने वाले प्रक्षेपास्त्र तंत्र के रूप में विभिन्न अग्रिम पंक्ति के युद्धपोतों पर तैनात है। इसकी सबसे बड़ी ताकत इसकी अत्यधिक तेज गति और सटीक निशाना लगाने की क्षमता है

संदिग्ध परिस्थितियों में जवान की मौत

रायवाला, एजेंसी। बसंती मंदिर के पास जंगल में सेना के जवान का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटका हुआ मिला। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए एम्स ऋषिकेश भिजवाया।कोतवाली प्रभारी उपनिरीक्षक मोहन सिंह ने बताया कि रायवाला छावनी सूचना मिली कि रायवाला छावनी में के एक जवान का शव बसंती माता मंदिर के पास जंगल में पेड़ से लटका हुआ है। मृतक की पहचान अशोक कुमार चौहान(34) पुत्र पूर्ण लाल चौहान निवासी ग्राम वोडा थाना ब्रिज जिला बालाघाट मध्य प्रदेश के रूप में हुई है। अशोक अपने परिवार के साथ खरोला प्लाट में किराये पर रहता था। पुलिस के अनुसार अशोक एक अक्तूबर को ड्यूटी पर नही पहुंचा सेना के अन्य जवानों ने उसकी तलाश की। काफी खोजबीन करने के बाद अशोक का शव बृहस्पतिवार की शाम वासंती मंदिर के पास पेड़ से लटका हुआ मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल जवान की मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

ग्लेशियरों में अर्ली वार्निंग सिस्टम लगाने को वैज्ञानिकों की टीम रवाना, हिमखंडों को लेकर बढ़ी सतर्कता

ज्योतिर्मठ (चमोली) एजेंसी। नीती घाटी के ग्लेशियर और हिमखंड प्रभावित क्षेत्रों में अर्ली वार्निंग सिस्टम लगाने के लिए बृहस्पतिवार को वैज्ञानिकों की टीम रवाना हो गई। टीम प्रशासन से इनर लाइन की अनुमति लेने के बाद सीमांत क्षेत्र के लिए रवाना हुई है। पिछले माह नेपाल में आई आपदा के बाद भारत में भी खतरा बने ग्लेशियरों और हिमखंडों को लेकर सतर्कता बढ़ाई गई है। इसी के तहत दुर्घटना संभावित क्षेत्रों को चिह्नित कर वहां अर्ली वार्निंग सिस्टम स्थापित किए जा रहे हैं। एसडीएम चंद्रशेखर वशिष्ठ ने बताया कि वैज्ञानिकों का दल नीती घाटी में सिस्टम स्थापित करेगा। टीम के साथ अन्य विभागों के कर्मचारी और अधिकारी भी शामिल हैं।

बारिश और तेज हवाओं से धान की फसल बिछी

रुड़की, एजेंसी। तीन दिनों तक लगातार हुई बारिश और तेज हवाओं से धान की फसल को नुकसान पहुंचा है। क्षेत्र में कई स्थानों पर खेतों में पक कर तैयार हो रही धान की फसल खेतों में गिर गई है। इससे किसानों को उत्पादन प्रभावित होने की चिंता सता रही है। बीते सप्ताह शनिवार से आरंभ हुआ बारिश का सिलसिला सोमवार तक लगातार जारी रहा। लगातार बारिश और तेज हवाओं से कई खेतों में धान की फसल खेत में बिछ गई। किसान राकेश कुमार, रविंद्र कुमार, कृष्णा, बबलू ने बताया कि, इस समय धान की फसल पकने की अवस्था में है। इस समय फसल को बारिश की आवश्यकता कम है। लंबे समय तक खेतों में पानी रहने से कटाई में परेशानी के साथ ही दाने की गुणवत्ता प्रभावित होने की आशंका रहती है। इससे कटाई की लागत बढ़ेगी। किसानों ने बताया कि जो धान बारिश या हवा में गिर जाता है, उसका दाना भी काला पड़ जाता है और उस फसल को चूहे भी नुकसान पहुंचाते हैं। इसका सीधा प्रभाव उत्पादन पर पड़ेगा। क्षेत्र में कई गांवों में सैंकड़ों बीघा फसल को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। वहीं, सहायक कृषि अधिकारी शेरपाल सिंह ने बताया कि बारिश से फसल को नुकसान का सर्वे कराया जाएगा। सर्वे में सही जानकारी मिल सकेगी।

दो साल में जर्जर हुई वाटर टेस्टिंग लैब, निर्माण गुणवत्ता पर सवाल

ऋषिकेश, एजेंसी। सोमेश्वर नगर पानी की टंकी परिसर में जल संस्थान देहरादून की ओर से वर्ष 2024 में बनाई गई वाटर टेस्टिंग लैब की निर्माण गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। करीब दो साल में ही लैब के दरवाजे-खिड़कियां टूटने लगी हैं और बरामदे का गेट भी खराब हो गया है। कर्मचारियों की शिकायत के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। जल संस्थान के अधिशासी अभियंता ने निर्माण गुणवत्ता की जांच कराने की बात कही है। पुराना भवन तोड़कर बनाई गई लैब में एक हॉल, दो कमरे, शौचालय और बाथरूम हैं। कर्मचारियों के अनुसार निर्माण के एक साल बाद ही दरवाजों में दरारें आने लगी थीं। इसकी सूचना जलकल अभियंता और जल संस्थान देहरादून के अधिशासी अभियंता को दी गई, लेकिन टूटे दरवाजों की सुध नहीं ली गई। नक्शे में स्टोर बनाया गया, लेकिन केमिकल और जांच में इस्तेमाल होने वाली दवाइयां रखने के लिए लोहे का रैक नहीं लगाया गया। लिहाजा केमिकल जमीन पर रखने पड़ रहे हैं। लैब में पद सृजित नहीं किए गए हैं। वर्तमान में दो लैब टेक्नीशियन, एक असिस्टेंट और एक फील्ड वर्कर समेत पांच कर्मचारी तैनात हैं। सफाई के लिए एक भी कर्मचारी नहीं है। यहां रोजाना 20 से 25 पानी के सैंपल जांचे जाते हैं और दवाइयों व केमिकल्स का करीब एक साल का स्टॉक एक साथ भेजा जाता है।

अपर जौलीग्रांट में सड़क चौड़ीकरण के नाम पर हरे पेड़ों पर चली जेसीबी

जौलीग्रांट, एजेंसी। अपर जौलीग्रांट राठौड़ मोहल्ले में मार्ग बनाने के लिए एक दर्जन से अधिक हरे पेड़ों पर आरियां चला दी गई। सूचना पाकर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मौजूद लकड़ियों को अपने कब्जे में लिया। अपर जौलीग्रांट वार्ड संख्या पांच में एक कच्चे रास्ते को पक्का करने के लिए खेत की बाड़ में खड़े, चंदन, सेमल, आम, रोहिणी और कई दूसरी प्रजातियों के खड़े हरे पेड़ों पर जेसीबी चला दी गई। इसके बाद जेसीबी से गिराए गए पेड़ों को आरियों की मदद से काटकर हटाने का काम शुरू किया गया। बताया जा रहा है जिन हरे पेड़ों पर जेसीबी चलाई गई हैं। उनमें करीब तीन चंदन की प्रजाति के, एक सेमल, दो आम और कई दूसरी प्रजाति के पेड़ शामिल हैं। प्लॉटिंग काटने के उद्देश्य से मार्ग को जबरन चौड़ा किया जा रहा है। इस क्षेत्र में कुछ समय पहले तस्करों ने चंदन प्रजाति के पेड़ काटे गए थे। सूचना पाकर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मौके पर मौजूद लकड़ियों को अपने कब्जे में लिया। जौलीग्रांट और आसपास के क्षेत्र में लंबे समय से प्लॉटिंग के लिए हरे पेड़ पर आरियां चलाई जा रही हैं। वन विभाग ने कहा कि जिन पेड़ों को चंदन का बताया जा रहा है वो पेड़ चंदन की दूसरी प्रजाति के हैं जो छूट में शामिल हैं। सेमल और आम के पेड़ों पर चलाई गई जेसीबी पर उनकी तरफ से कार्रवाई की जा रही है।

यूपी से उत्तराखंड के पहाड़ तक फैले नशा तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़

सद्दाम हुसैन के 'व्हाट्सऐप चैट' से पकड़े 6 स्मगलर

रुद्रपुर, एजेंसी। उधम सिंह नगर पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पहाड़ी जिलों तक फैले ड्रग सप्लाई नेटवर्क का खुलासा किया है. एसएसपी अजय गणपति के नेतृत्व में पुलिस ने बरेली से लेकर पिथौरागढ़ के झूलाघाट तक फैली कथित सप्लाई चेन से जुड़े छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है.

यूपी से उत्तराखंड के पहाड़ तक फैले नशे के नेटवर्क का भंडाफोड़: पुलिस के मुताबिक, आरोपियों के तार बहेड़ी से जुड़े हैं. इनमें से कुछ आरोपी पूर्व में भी एनडीपीएस एक्ट के मामलों में जेल जा चुके हैं. कार्रवाई की शुरुआत पुलभट्टा थाना क्षेत्र में एक आरोपी से नशीले इंजेक्शन बरामद होने के बाद हुई. मोबाइल फोन की कथित व्हाट्सऐप चैट और कॉल डिटेल के आधार पर पुलिस ने आगे की कड़ियां खंगालीं और अल्मोड़ा, नैनीताल तथा पिथौरागढ़ तक कार्रवाई पहुंचाई. ड्रग सप्लाई नेटवर्क के 6 लोग गिरफ्तारः उत्तराखंड को नशा मुक्त बनाने के अभियान के तहत उधम सिंह नगर पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई का दावा किया है. एसएसपी अजय गणपति के नेतृत्व में पुलिस ने बरेली के बहेड़ी से लेकर पहाड़ के अल्मोड़ा, नैनीताल और पिथौरागढ़ जिलों तक फैले कथित ड्रग सप्लाई नेटवर्क के छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है. पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है और इनमें से कुछ का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास सामने आया है.

सद्दाम हुसैन था नशा तस्करी गैंग का सरगनाः पुलिस के मुताबिक कार्रवाई की शुरुआत 30 सितंबर को पुलभट्टा थाना क्षेत्र में हुई. संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की चेकिंग के दौरान बहेड़ी और उधम सिंह नगर सीमा पर एक स्विफ्ट डिजायर कार को रोककर उसमें सवार सद्दाम हुसैन को पकड़ा गया. सद्दाम हुसैन हिस्ट्रीशीटर हैः पुलिस ने इस मामले में एनडीपीएस एक्ट की धारा के तहत मुकदमा दर्ज किया. जांच के दौरान पुलिस के अनुसार सद्दाम हुसैन का संबंध बहेड़ी क्षेत्र में नशा तस्करी से जुड़ा पाया गया और उसके खिलाफ बरेली तथा उधम सिंह नगर में पहले भी एनडीपीएस एक्ट समेत अन्य धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं. पुलिस के अनुसार वह बहेड़ी थाने का हिस्ट्रीशीटर भी है.

व्हाट्सऐप चैट और कॉल डिटेल ने खोल दिए नशा तस्करी नेटवर्क के धागेः एसएसपी अजय गणपति ने मामले को गंभीरता से लेते हुए बरामद नशीले इंजेक्शनों और स्मैक की कथित सप्लाई चेन के संबंध में पूछताछ कराई. पुलिस का दावा है कि आरोपी के मोबाइल फोन की जांच में नशीले पदार्थों से संबंधित कुछ व्हाट्सऐप चैट और कॉल डिटेल मिलीं, जिनसे नैनीताल, अल्मोड़ा और पिथौरागढ़ में सक्रिय कथित सप्लायरों के बारे में जानकारी मिली.

एशियन गेम्स के कांस्य विजेता बॉक्सर कपिल पोखरिया ने सीएम धामी से की मुलाकात, मुख्यमंत्री ने दी बधाई

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय बॉक्सर कपिल पोखरिया ने सोमवार को कालापुल, नगला तराई स्थित मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निजी आवास पर भेंट की। मुख्यमंत्री ने कपिल को एशियन गेम्स में कांस्य पदक जीतने पर बधाई दी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से सोमवार को कालापुल, नगला तराई स्थित उनके निजी आवास पर अंतरराष्ट्रीय बॉक्सर कपिल पोखरिया ने भेंट की। मुख्यमंत्री ने कपिल को एशियन गेम्स में कांस्य पदक जीतने की बधाई दी।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि कपिल की सफलता ने उत्तराखंड के साथ ही पूरे देश को गौरवांवित किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं की ओर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्राप्त की जा रही उपलब्धियां नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं।

मुख्यमंत्री ने कपिल के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वह आगे भी अपनी प्रतिभा और परिश्रम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश और उत्तराखंड का नाम रोशन करते रहेंगे। मालूम हो कि कपिल पोखरिया ने जापान में आयोजित एशियन गेम्स-2026 की पुरुष वर्ग 90 किग्रा बॉक्सिंग स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार प्रदर्शन कर कांस्य पदक अपने नाम किया है।

विवाद में बुजुर्ग पर डंडे से हमला कर घायल किया

लस्कर, एजेंसी। विवाद के चलते सेलर संचालक ने दूसरे सेलर संचालक की पिटाई कर दी। डंडे से वार करने पर बुजुर्ग घायल हो गए। पुलिस ने आरोपी के अभिषेक निवासी इस्माइलपुर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस के अनुसार, कोतवाली क्षेत्र के इस्माइलपुर गांव निवासी सागर सैनी ने तहरीर में बताया कि उनके दादा ने गांव में धान कुटाई के लिए सेलर लगाया है। गांव के ही अभिषेक का भी सेलर है। 28 सितंबर की रात करीब 10 बजे उनके दादा सेलर पर थे। इस दौरान आरोपी ने गाली–गलौज करते हुए उनकी पिटाई की। पिटाई के दौरान आरोपी ने डंडे से उन पर वार किए इसमें उनके दादा की आंख पर गंभीर चोट आई। जान बचाकर वह घर आए तो आरोपी बाइक से पीछा करते हुए उनके घर पहुंचा और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है।

लावारिस कुत्तों के झुंड ने महिला को नोचा, बमुश्किल बची जान

पिथौरागढ़, एजेंसी। नगर में लावारिस कुत्तों ने आम नागरिकों का जीना मुहाल कर दिया है। आए दिन राहगीरों पर होने वाले हमलों से लोगों में दहशत है। नगर के धर्मशाला लाइन क्षेत्र में लावारिस कुत्तों के एक आक्रामक झुंड ने सड़क से गुजर रही एक महिला पर अचानक हमला कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह उर्दू मीडियम स्कूल के पास निवास करने वाली 52 वर्षीय फातिमा बेगम नई बाजार में एक बच्चे की मालिश करने के लिए जा रही थीं। जैसे ही वह धर्मशाला लाइन में जिला सैनिक कल्याण कार्यालय के समीप पहुंचीं, वहां पहले से मौजूद चार से अधिक लावारिस कुत्तों ने उन पर हमला बोल दिया। अचानक हुए इस हमले से महिला सड़क पर गिर पड़ीं जिसके बाद कुत्तों ने उन्हें बुरी तरह नोचना शुरू कर दिया। अपनी जान बचाने के लिए महिला ने किसी तरह हिम्मत जुटाई और उठकर भागने लगीं लेकिन खूंखार कुत्तों ने उनका पीछा करना नहीं छोड़ा। अंततः फातिमा बेगम ने सूझबूझ दिखाते हुए पास पड़े पत्थरों से कुत्तों पर हमला किया और उन्हें खदेड़कर अपनी जान बचाई। इस हमले में कुत्तों ने उनके पैर और शरीर पर कई गहरे घाव कर दिए।

घटना के तुरंत बाद वह लहूलुहान अवस्था में जिला अस्पताल पहुंचीं जहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। अस्पताल के ईएमओ डॉ. राहुल और नर्सिंग ऑफिसर रवि ने बताया कि महिला के शरीर पर कई गहरे घाव आए हैं जिनका समय पर उचित इलाज किया गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर के हर गली-मोहल्ले और मुख्य सड़कों पर लावारिस कुत्तों ने डेरा डाल रखा है जो लगातार राहगीरों को अपना शिकार बना रहे हैं। इससे कुछ ही दिन पहले लिन्ठूड़ा क्षेत्र में भी आवारा कुत्तों ने दो मासूम बच्चों पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया था जिन्हें कई दिनों तक अस्पताल में भर्ती रखना पड़ा था। लगातार बढ़ रही इन घटनाओं और प्रशासन की लाचारी के चलते नगरवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक जिले के अस्पतालों में रोजाना 80 से अधिक लोग एंटी रैबीज वैक्सीन लगाने पहुंच रहे हैं। अप्रैल 2026 में जिले में एंटी रैबीज वैक्सीन का संकट गहराने पर स्वास्थ्य विभाग को स्थानीय स्तर पर खुले बाजार से करीब 50 हजार रुपये की वैक्सीन खरीदनी पड़ी थी। जिला अस्पताल में ही रोजाना लावारिस कुत्तों के हमले में घायल 15 से अधिक लोग इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। बीते 27 सितंबर को भदेलवाड़ा निवासी 12 वर्षी गौरव सिंह पर खेलने समय कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया था। बच्चे की चीख सुनकर आस-पास के लोग मौके पर दौड़े और कुत्तों के झुंड को खदेड़कर भगाया। तब जाकर बच्चे की जान बच सकी। बच्चे का इलाज जिला अस्पताल में किया गया।

रुड़की में शुरू हुई अग्निवीर भर्तीः उत्साह के साथ दौड़े युवा, रोजाना एक हजार से ज्यादा अभ्यर्थी होंगे शामिल

रुड़की, एजेंसी। 5 से 23 अक्तूबर तक रुड़की में अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया का आयोजन किया जा रहा है। सोमवार को भर्ती प्रक्रिया के पहले दिन पवेलियन ग्राउंड में आयोजित दौड़ को ज्वाइंट मजिस्ट्रेट दीपक रामचंद्र सेठ ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

बंगाल इंजीनियर ग्रुप एंड सेंटर, रुड़की में सोमवार से अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया शुरू हो गई। युवाओं के लिए आयोजित भर्ती में विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में अभ्यर्थी पहुंचे। पहले दिन सेना के अधिकारियों ने अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की जांच के बाद शारीरिक दक्षता परीक्षा शुरू कराई। युवाओं में खासा उत्साह दिखाई दिया।

5 से 23 अक्तूबर तक रुड़की में अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया का आयोजन किया जा रहा है। सोमवार को भर्ती प्रक्रिया के पहले दिन पवेलियन ग्राउंड में आयोजित दौड़ को ज्वाइंट मजिस्ट्रेट दीपक रामचंद्र सेठ ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अभ्यर्थियों को अलग-अलग समूहों में बांटकर दौड़ कराई गई। एक समूह में करीब 50 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया। भर्ती प्रक्रिया के दौरान अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता के साथ-साथ आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। दौड़ पूरी करने में लगे समय के आधार पर अभ्यर्थियों का आकलन किया गया। इसके बाद चयन प्रक्रिया के तहत अन्य शारीरिक दक्षता परीक्षण भी कराए गए। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने बताया कि प्रतिदिन करीब एक हजार से अधिक युवा भर्ती प्रक्रिया में शामिल होंगे। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए प्रशासन की ओर से ठहरने, पेयजल समेत अन्य व्यवस्थाएं की हैं। आवागमन के लिए अतिरिक्त बसों की व्यवस्था भी है। उन्होंने बताया कि युवाओं को कम दर पर भोजन उपलब्ध कराने के लिए स्वयंसेवी संस्थाओं का सहयोग लिया गया है। भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए सेना अधिकारियों ने विभिन्न टीमों का गठन किया है। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने युवाओं से अनुशासन और पूरे उत्साह के साथ भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने की अपील की।

अजय टम्टा ने किया एसएसबी पंचम वाहिनी का भ्रमण

चंपावत, एजेंसी। केंद्रीय सड़क व परिवहन राज्य मंत्री अजय टम्टा ने सशस्त्र सीमा बल की पंचम वाहिनी का भ्रमण किया। वाहिनी मुख्यालय पहुंचने पर कमांडेंट सुरेंद्र विक्रम ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया और स्मृति चिह्न प्रदान किया। इस दौरान जवानों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसके बाद राज्य मंत्री अजय टम्टा ने वाहिनी परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया। यहां डॉ. विशाल बरनवाल, आशीष कुमार पांडेय, करन चौहान, सुदेश कुमार, नवीन कुमार आदि थे। संवाद

चंपावत। सेवा संकल्प अभियान के तहत शनिवार को विकासखंड बाराकोट के आंगनबाड़ी केंद्र मल्ला बापरू में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्रीय सड़क व परिवहन राज्य मंत्री अजय टम्टा ने किया। इस दौरान पात्र लाभार्थियों को महालक्ष्मी किट वितरित की गई और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं की गोद भराई और नवजात शिशुओं का जन्मोत्सव भी मनाया गया। अजय टम्टा ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी, सहायिका और आशा कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया।

धान बेचने को पांच हजार किसानों ने किया ऑनलाइन आवेदन, खरीदने वाले मिलर्स शून्य

रुद्रपुर, एजेंसी। ऊधमसिंह नगर में धान बेचने से पहले किसानों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य कर दिया गया है। जिलेभर से अब तक करीब पांच हजार किसानों ने धान बेचने के लिए ऑनलाइन आवेदन कर दिया है लेकिन हैरानी की बात यह है कि उनका धान खरीदने के लिए एक भी मिलर आगे नहीं आया है।

जिले के करीब 300 राइस मिलर्स 500 करोड़ रुपये के बकाया भुगतान के लिए हड़ताल पर हैं। मिलर्स ने साफ कर दिया है कि जब तक पिछला बकाया नहीं मिलेगा, तब तक वे नया धान नहीं खरीदेंगे। सरकार ने एक अक्तूबर से जिले में धान खरीद शुरू होने का एलान कर दिया है। कागजों में खरीद शुरू हो चुकी है लेकिन रुद्रपुर अनाज मंडी में अभी तक एक भी दाना धान की खरीद नहीं हुई है। इधर, विभाग इस असमंजस में हैं कि पंजीकरण के बाद किसान अगर धान लेकर आया तो उनका धान कौन खरीदेगा। धान खरीद के लिए मिलर्स की जमानत राशि बढ़ा दी गई है। पिछले वर्ष में 20-50 लाख जमानत राशि मिलर्स को जमा करनी पड़ती थी जो इस बार बढ़कर 2.50 करोड़ हो चुकी है। किच्छा की कृषि उत्पादन मंडी समिति में आरएफसी के तीन धान क्रय केंद्र एक अक्तूबर को खोल दिए गए लेकिन तीन दिन बाद भी खरीद प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकी है। पोर्टल बंद होने से किसानों का पंजीकरण अटका हुआ है। शनिवार को बड़ी संख्या में किसान क्रय केंद्रों पर पहुंच गए और अव्यवस्थाओं पर नाराजगी जताई।

किसानों का कहना है कि प्रशासन ने एक अक्तूबर से पहले पंजीकरण शुरू कराने का दावा किया था लेकिन निर्धारित तिथि निकलने के बाद भी व्यवस्था पटरी पर नहीं आ सकी है। पोर्टल बंद होने से किसान पंजीकरण नहीं करा पा रहे हैं। इस कारण फसल मंडी तक पहुंचाने के बावजूद सरकारी खरीद का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

किसानों ने कहा कि मशीन से कटे धान को अधिक समय तक रोकना मुश्किल है। मजबूरी में किसानों को करीब 1800 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान बेचने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि सोमवार तक धान खरीद शुरू नहीं हुई तो मंडी गेट पर तालाबंदी कर धरना दिया जाएगा। वहां त्रिलोक सिंह, प्रभजोत सिंह संधू, करमजीत सिंह, जगरूप सिंह गिल, जगजीत सिंह, बहादुर सिंह, अमरेंद्र सिंह ढिल्लों, बुद्ध सेन, सिकंदर सिंह, नरेंद्र, हीरा लाल, सतपाल सिंह आदि थे। जसपुर। भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष प्रेम सिंह सहोता एवं ब्लॉक अध्यक्ष अमनप्रीत सिंह के नेतृत्व में शनिवार को एसडीएम कार्यालय में किसानों की एसडीएम राहुल शाह, एसएमआई रवि राज सिंह और मंडी सचिव शैलेंद्र मेहरा के साथ बैठक हुई। इसमें धान खरीद से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की गई।

बिहार के बाद अब हरिद्वार में भी होगी मखाने की खेती 120 बीघा में पायलट प्रोजेक्ट, 40 प्रतिशत अनुदान

हरिद्वार, एजेंसी। हरिद्वार के किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए पारंपरिक फसलों से इतर खेती के नए विकल्प तैयार किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में मखाने की खेती को आजमाने की तैयारी है, जिसके लिए किसानों को प्रशिक्षण के साथ आर्थिक मदद भी दी जाएगी। बिहार के बाद अब हरिद्वार में भी मखाने की खेती की जाएगी। पायलट प्रोजेक्ट के रूप में सौ बीघा जमीन से ऊपर पर किसानों को मखाने की खेती कराई जाएगी। जिसके लिए किसानों को 40 फीसदी का अनुदान भी दिया जाएगा।

जनपद में किसानों की ओर से गन्ना, धान और गेहूं की खेती पर ही अधिक जोर दिया जा रहा है। इस वजह से किसानों की आय भी नहीं बढ़ पा रही है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन की ओर से नई-नई फसलों का उत्पादन करने के प्रयास किए जा रहे हैं, किसानों को आधुनिक खेती के लिए प्रेरित करने के लिए प्रोत्साहित भी किया जा रहा है। इसी क्रम में किसानों की आय बढ़ाने के लिए मखाने की खेती की तैयारी भी की जा रही है। उद्यान विभाग की ओर से शुरूआत में 120 बीघा जमीन पर मखाने पैदा करने का लक्ष्य लिया गया है। एक हेक्टयेटर जमीन पर खेती करने के लिए 01.31 लाख रुपये का खर्चा आएगा। जिसमें 40 प्रतिशत अनुदान के हिसाब से 52 हजार 400 रुपये का अनुदान खेती के लिए दिया जाएगा।

एक किसान अधिकतम एक हेक्टेयर खेती के लिए योजना का लाभ ले सकेंगे। किसानों की ओर से तालाब और खेतों को भी तालाबनुमा बनाकर मखाने उगाए जा सकेंगे। किसानों को मखाने की खेती करने के लिए एक दौर का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इसमें किसानों को बिहार के सहरसा स्थित क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान अगवानपुर में तीन दिवसीय प्रशिक्षण के भेजा गया था।

आम आदमी पार्टी देश भर में वोट चोरी के खिलाफ चल रहे आंदोलन के साथ: केजरीवाल

पूरा देश एकजुट होकर ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा मांग रहा है, ज्ञानेश कुमार को जाना होगा : केजरीवाल

● मोदी जी एसआईआर के जरिए असली वोट कटवाकर और फर्जी वोट जुड़वाकर चुनाव जीत रहे : केजरीवाल

● पिछले कुछ सालों से इन लोगों ने देश के लोकतंत्र का मजाक बना दिया है : केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल स्पष्ट कर दिया है कि वोट चोरी के खिलाफ देश भर में चल रहे आंदोलन का आम आदमी पार्टी समर्थन करती है। बुधवार को तीन दिवसीय गोवा दौरे पर आए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज पूरा देश एकजुट होकर ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा मांग रहा है। पिछले कुछ सालों से मोदी जी एसआईआर के जरिए असली वोट कटवाकर और फर्जी वोट जुड़वाकर चुनाव जीतते आए हैं। इन लोगों ने लोकतंत्र का मजाक बना दिया है। मैं देश में वोट चोरी के खिलाफ चल रहे आंदोलन का समर्थन करता हूं। ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा दे देना चाहिए। मीडिया से बातचीत के दौरान आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं अभी अगले तीन दिन के लिए गोवा में हूं और अलग-अलग लोगों से तथा पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मेरी कई बैठकें हैं। लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि जिस तरह से राष्ट्रीय स्तर पर ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा मांगा जा रहा है, उसके लिए अब पूरा देश इकट्ठा हो रहा है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पिछले कुछ सालों में मोदी जी जो भी चुनाव जीते हैं, अब यह निकलकर सामने आ रहा है कि वे चुनाव केवल और केवल एसआईआर के जरिए वोटर लिस्ट से असली वोट कटवाकर और फर्जी वोट जुड़वाकर जीते गए हैं। यह बिल्कुल गलत है और जनतंत्र के खिलाफ है। इन्होंने एक तरह से लोकतंत्र का मजाक बना दिया है। इसलिए, हम इस मांग का समर्थन करते हैं और ज्ञानेश कुमार को तुरंत इस्तीफा देना चाहिए।

शाहदरा में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, पांच चोरी के दोपहिया बरामद, 5000 क्वार्टर अवैध शराब पकड़ी

प्रात: किरण : मनोज जैन

शाहदरा। जिले में अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने कई मामलों में कार्रवाई की। एएटीएस ने वाहन चोर को गिरफ्तार कर पांच चोरी के दोपहिया बरामद किए। वहीं मादक पदार्थ निरोधक कार्यबल ने 5000 क्वार्टर अवैध शराब के साथ एक तस्कर को पकड़ा। अन्य थाना क्षेत्रों में भी चोरी, झपटमारी, अवैध हथियार और हत्या के प्रयास के मामलों में गिरफ्तारी हुई। डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा ने जानकारी दी कि अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। एएटीएस टीम ने जीटीबी अस्पताल के सामने सर्विस रोड से अंकित (28) को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से चोरी की हीरो मोटरसाइकिल मिली। पूछताछ के बाद उसकी निशानदेही पर चार और चोरी के दोपहिया बरामद किए गए। जांच में पांचों वाहन शाहदरा, पूर्वी और उत्तर-पूर्वी जिले के अलग-अलग थानों में दर्ज वाहन चोरी के मामलों से जुड़े मिले। पुलिस के अनुसार अंकित पहले भी वाहन चोरी के दो मामलों में शामिल रहा है और हाल में जमानत पर बाहर आया था। उधर, मादक पदार्थ निरोधक कार्यबल ने विवेक विहार के ज्वाला नगर रेलवे लाइन के पास कुलदीप उर्फ बंटी (31) को पकड़ा। उसके पास से 2500 क्वार्टर देसी संतरा और 2500 क्वार्टर रैस-7 मेट्रो शराब बरामद हुई। कुल 5000 क्वार्टर यानी 100 पेटी शराब मिली। साथ में एक चैंपियन वाहन और एक स्कूटी भी बरामद हुई। डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा के अनुसार शराब की आपूर्ति के स्रोत और नेटवर्क का पता लगाने के लिए आगे की कार्रवाई की जा रही है। विवेक विहार पुलिस ने अवैध हथियार और चोरी के मामलों में दो आरोपितों को पकड़ा। सीमापुरी पुलिस ने चोरी, झपटमारी, अवैध शराब और चाकू बरामदगी के मामलों में चार आरोपितों को गिरफ्तार किया। फर्श बाजार पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में दो लोगों को पकड़ा, जबकि जीटीबी एन्क्लेव पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया। डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा ने कहा कि जिले में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस का अभियान लगातार जारी रहेगा।

संक्षिप्त खबरें

पुलिसकर्मियों के लिए बॉडी-कैमरा पहनना हो अनिवार्य, हाई कोर्ट में आई जनहित याचिका

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर व अन्य कई इलाकों में बीते कई महीनों से हो रहे राजनीतिक विरोध-प्रदर्शनों के बीच दिल्ली हाई कोर्ट में एक खास जनहित याचिका (PIL) दायर की गई है। जिसमें मांग की गई है कि विरोध-प्रदर्शनों के दौरान भीड़ को काबू करने के लिए सड़क पर तैनात दिल्ली पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स (RAF) के जवानों के लिए बॉडी-वॉर्न कैमरा (शरीर पर पहने जाने वाले कैमरे) पहनना अनिवार्य करने का निर्देश दिया जाए। याचिका में ऐसे नियम, कानून या स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (SOP) बनाने का निर्देश देने की मांग की गई है, जिसके तहत भीड़ को काबू करने के लिए तैनात पुलिस और फ्अक्र्जवानों के लिए ह्यबॉडी कैमरा पहनना जरूरी हो। साथ ही, इन कैमरों से रिकॉर्ड किए गए फुटेज को स्टोर करने, उसकी प्रमाणिकता बनाए रखने, उसे सुरक्षित रखने और सबूत के तौर पर इस्तेमाल करने के लिए एक सिस्टम बनाने की मांग भी की गई है। इस जनहित याचिका का समय इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह ढक्छ शनिवार को जंतर-मंतर पर हुए एक विरोध-प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) विवेक भगत पर एक महिला पत्रकार के साथ कथित रूप से यौन दुर्व्यवहार करने का आरोप लगने के बाद आई है।

सम्राट हेमू की जयंती एवं विजयोत्सव पर सात अक्टूबर को भव्य समारोह

नई दिल्ली। रौनियार शिरोमणि सम्राट हेमचंद्र विक्रमादित्य हेमू की जयंती एवं विजय दिवस के उपलक्ष्य में रौनियार वैश्य सभा, दिल्ली (रजि.) की ओर से आगामी सात अक्टूबर को भव्य समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह नई दिल्ली स्थित हिमाचल भवन में दोपहर 3:30 बजे से आयोजित होगा। रौनियार वैश्य सभा के राष्ट्रीय संयोजक एवं मीडिया प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि सम्राट हेमचंद्र विक्रमादित्य हेमू की जयंती और विजयोत्सव के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में उनके शौर्य, वीरता और राष्ट्र के प्रति योगदान को स्मरण किया जाएगा। समारोह में समाज के लोगों के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े प्रतिनिधियों, प्रबुद्धजनों और अन्य गणमान्य लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य सम्राट हेमू के ऐतिहासिक जीवन और उनके संघर्षों को स्मरण करने के साथ समाज में उनके योगदान और वीरता की जानकारी को व्यापक स्तर तक पहुंचाना है। आयोजकों ने कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को देश के इतिहास और वीर योद्धाओं के योगदान से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जामिया के छात्रों ने पढ़ा साइबर ठगी से बचने का पाठ

नई दिल्ली। जामिया मिल्लिया इस्लामिया के साइबर क्लब की ओर से बियॉन्ड द स्क्रीन : साइबर फ्रॉड, डिजिटल हैरेसमेंट एंड डीपफेक्स इन द एआई एरा विषय पर साइबर सुरक्षा और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन डीन, छात्र कल्याण कार्यालय के तहत किया गया।दिल्ली पुलिस के दक्षिणी रेंज के संयुक्त पुलिस आयुक्त विजय कुमार मुख्य अतिथि रहे। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. नीलोफर अफजल ने साइबर सुरक्षा के लिए ह्यक्लिक करने से पहले रुकें, विश्वास करने से पहले सत्यापन करें और कुछ गलत होने पर आवाज उठाएं का संदेश दिया।वक्ताओं ने साइबर ठगी, डिजिटल उत्पीड़न, डीपफेक, डिजिटल अरेस्ट, पहचान की चोरी, साइबर बुलिंग और पासवर्ड हैकिंग जैसे खतरों से सावधान रहने की सलाह दी। एसीपी मनोज कुमार ने साइबर ठगी के मामलों में साक्ष्य सुरक्षित रखने और तत्काल 1930 पर शिकायत करने की जानकारी दी। उन्होंने संदिग्ध वेबसाइटों और एपीके फाइल डाउनलोड करने से बचने की सलाह दी।

दिल्ली में 10 अक्टूबर के विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगे वामपंथी छात्र संगठन

नई दिल्ली। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को वापस लेने की मांग को लेकर पांच वामपंथी छात्र संगठन 10 अक्टूबर को यहां जंतर-मंतर पर होने वाले विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगे। यह जानकारी मंगलवार को जारी एक संयुक्त बयान में दी गई। बयान में स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई), ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन (एआईएसएफ), ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एआईएसए), प्रोग्रेसिव स्टूडेंट्स यूनियन (पीएसयू) और ऑल इंडिया स्टूडेंट्स ब्लॉक (एआईएसबी) ने कहा कि वे बड़ी संख्या में इस विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगे। बयान में कहा गया, ह्यह्यसामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और राजनीतिक संबद्धता से परे हजारों लोग उन लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए एकजुट हुए हैं, जिनके आधार पर आधुनिक भारत की परिकल्पना की गई थी। छात्र संगठनों ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग और उसके कामकाज के खिलाफ हो रहे प्रदर्शनों पर दिल्ली पुलिस बल का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया, ह्यह्यप्रदर्शनकारियों के साथ दिल्ली पुलिस दुर्व्यवहार कर रही है, उन पर लाठीचार्ज कर रही है, उन्हें घसीट रही है, मारपीट कर रही है और उनके साथ बदसलूकी कर रही है। पत्रकारों को भी नहीं बख्शा जा रहा है। छात्र संगठनों ने कहा कि वे व्यापक आंदोलन खड़ा करने के लिए एकजुट हो रहे हैं। उन्होंने लोकतांत्रिक संगठनों तथा संविधान के मूल्यों में विश्वास रखने वाले लोगों से 10 अक्टूबर के विरोध प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारी मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और उनके खिलाफ मुकदमा चलाने, एसआईआर प्रक्रिया रद्द करने तथा निर्वाचन आयोग में सुधार की मांग कर रहे हैं।

निशु आजाद के पिता के साथ मारपीट मामले में स्वतंत्र भारद्वाज को मिली नियमित जमानत

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान जंतर-मंतर पर निशु आजाद के पिता के साथ हुई मारपीट के मामले में पटियाला हाउस कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज को नियमित जमानत दे दी है। बताया जा रहा है कि जमानत की शर्तों का जिक्र करते हुए विस्तृत आदेश बाद में जारी किया जाएगा। इसके पहले 15 सितंबर को पटियाला हाउस कोर्ट ने स्वतंत्र भारद्वाज को शर्तों के साथ तीन हफ्ते की अंतरिम जमानत दी थी। कोर्ट ने कहा था कि अंतरिम जमानत के दौरान उसका व्यवहार देखा जाएगा और फिर नियमित जमानत पर विचार किया जाएगा। पुलिस के अनुसार, स्वतंत्र भारद्वाज को दिल्ली पुलिस ने 4 सितंबर को बुलंदशहर से गिरफ्तार किया था। भारद्वाज पर जुलाई में जंतर-मंतर पर सीजेपी के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन के दौरान निशु आजाद प्रदर्शनकारी के पिता संजय कुमार पर हमला करने का आरोप है। दिल्ली पुलिस ने पहले कहा था कि संजय कुमार को लगी चोटें मामूली थीं और स्टील के कंगन से लगी थीं। हालांकि, बाद में पुलिस ने कथित हमले के संबंध में दर्ज एफआईआर में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम और आपराधिक धमकी की धाराएं भी जोड़ दीं। नाबालिग कार्यकर्ता की शिकायत पर भारद्वाज के खिलाफ यौन अपराधों से बाल संरक्षण (पीओसीएसओ) अधिनियम के तहत एक नई एफआईआर भी दर्ज की गई, जिसमें कार्यकर्ता ने ऑनलाइन धमकियों और उत्पीड़न का आरोप लगाया है। यह विवाद एक कथित वायरल वीडियो के बाद शुरू हुआ, जिसमें भारद्वाज ने कथित तौर पर दावा किया था कि उसने जंतर-मंतर प्रदर्शन के दौरान नाबालिग कार्यकर्ता निशु आजाद के पिता पर शारीरिक हमला किया था और कथित तौर पर शेखी बघारी थी कि उसे अपने ह्लराजनीतिक संबंधोंह्व के कारण छोड़ दिया गया था। वहीं, सितंबर महीने की शुरूआत में हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने और सांप्रदायिक नफरत फैलाने के आरोप में संजय आजाद और उनकी नाबालिग बेटी निशु आजाद के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर एडवोकेट अमिता सचदेवा ने दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में अर्जी दाखिल की थी।

दिल्ली पुलिस अधिकारी का फर्जी अश्लील एआई पोस्टर वायरल करने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एक पुलिस अधिकारी की छवि धूमिल करने के उद्देश्य से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की मदद से तैयार किया गया फर्जी और आपत्तिजनक पोस्टर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित करने के आरोप में 24 वर्षीय नसीम को गिरफ्तार किया है। आरोपित ने इस डिजिटल रूप से तैयार पोस्टर में पुलिस अधिकारी को एक महिला का यौन उत्पीड़न करते हुए दशार्या था। गिरफ्तारी के बाद आरोपित को स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहां से पुलिस ने पूछताछ और विस्तृत जांच के लिए उसे रिमांड पर ले लिया है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त मंजीत ने प्रेस वार्ता में मामले का खुलासा करते हुए बताया कि आरोपित नसीम 10वीं फेल है, लेकिन खुद को सोशल मीडिया पर स्वतंत्र पत्रकार के रूप में पेश करता था। उसने इसी वर्ष अप्रैल में इंस्टाग्राम पर एक चैनल शुरू किया था, जिस पर करीब 24 हजार फॉलोअर्स और 1,226 पोस्ट मौजूद हैं। पुलिस उसके मोबाइल फोन को जब्त कर उसके सोशल मीडिया हैंडल, पोस्ट और संदेशों की तकनीकी जांच कर रही है। जांच अधिकारियों के अनुसार नसीम ने आधुनिक एआई टूल्स का दुरुपयोग कर यह आपत्तिजनक ग्राफिक पोस्टर तैयार किया था। पुलिस ने स्पष्ट किया कि यह किसी वास्तविक घटना का चित्रण नहीं था बल्कि एक सोची-समझी डिजिटल जालसाजी थी। इसका उद्देश्य पुलिस अधिकारी की छवि को जनता के बीच गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाना और भ्रामक धारणा फैलाना था। यह घटनाक्रम उस पृष्ठभूमि में सामने आया है, जब मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दिल्ली में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान एक सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) पर महिला पत्रकार से कथित दुर्व्यवहार का आरोप लगा था। उसी दौरान इंटरनेट मीडिया पर संबंधित अधिकारी को निशाना बनाकर कई आपत्तिजनक और भ्रामक सामग्रियां प्रसारित की गई थीं। पुलिस अब इस बिंदु पर जांच कर रही है कि फर्जी पोस्टर तैयार करने और उसे वायरल कराने के पीछे क्या कोई संगठित समूह या बड़ी साजिश शामिल थी।

छह घंटे में लूट की गुत्थी सुलझी, तीन आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। डीबीजी रोड थाना पुलिस ने लूट के एक मामले को छह घंटे के भीतर सुलझाते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान करोलबाग निवासी तुलसी (31), दीपक उर्फ चंपक (19) और उत्तर प्रदेश के बरेली निवासी छोटू उर्फ डोरेमोन (24) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से लूटा गया मोबाइल फोन बरामद कर लिया है, जबकि चार हजार रुपये की बरामदगी के प्रयास जारी हैं। पुलिस के अनुसार, तीन अक्टूबर की रात करीब 10:15 बजे पीड़ित घर लौट रहा था। वह कलकादास चौक के पास पहुंचा, तभी तीन युवकों ने उसे घेर लिया। एक आरोपित ने उसके हाथ पकड़ लिए, जबकि दूसरे ने उसकी पैंट की जेब से मोबाइल फोन निकाल लिया। तीसरे आरोपित ने उसकी शर्ट की जेब से चार हजार रुपये निकाल लिए। वारदात के बाद तीनों आरोपित मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर डीबीजी रोड थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को एक आरोपित के नाम तुलसी के बारे में जानकारी मिली। पुलिस टीम उसके झुग्गी स्थित ठिकाने पर पहुंची, लेकिन वह वहां नहीं मिला। इसके बाद पुलिस ने इलाके में उसके संभावित ठिकानों और आवाजाही वाली जगहों पर निगरानी बढ़ाई। लगातार प्रयास और स्थानीय स्तर पर जुटाई गई जानकारी के आधार पर पुलिस टीम ने चार अक्टूबर को करोलबाग इलाके से तीनों आरोपितों को उनके संभावित ठिकानों से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में तीनों ने लूट की वारदात में शामिल होने की बात स्वीकार की। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपितों ने इसके अलावा अन्य कितनी वारदातों को अंजाम दिया है। पुलिस के मुताबिक, तुलसी पहले भी डीबीजी रोड थाने में आर्म्स एक्ट के मामले में गिरफ्तार हो चुका है। उसके खिलाफ वर्ष 2023 में आर्म्स एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। वहीं, दीपक उर्फ चंपक के खिलाफ वर्ष 2024 में डीबीजी रोड थाने में झपटमारी और चोरी से संबंधित मामला दर्ज है। छोटू उर्फ डोरेमोन का फिलहाल कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड सामने नहीं आया है। मामले में एफआईआर नंबर 361/2026 के तहत बीएनएस की धारा 309(4)/3(5) में केस दर्ज किया गया है। पुलिस टीम में एसआई सुरेंद्र शर्मा, हेड कांस्टेबल सुजीत तथा कांस्टेबल नीरज, प्रतीक और रवि शामिल रहे। पुलिस अब लूटे गए चार हजार रुपये बरामद करने के साथ आरोपितों के अन्य आपराधिक मामलों में शामिल होने की जानकारी जुटा रही है।

नुक्कड़ नाटक के जरिए ट्रैफिक पुलिस ने 300 छात्रों को दिया सड़क सुरक्षा का पाठ

नई दिल्ली। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की उत्तरी रेंज ने मंगलवार को सड़क हादसों पर अंकुश लगाने और विद्यार्थियों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से बख्तावरपुर स्थित मदर खजानी स्कूल में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। नरेला ट्रैफिक सर्कल के तहत आयोजित कार्यक्रम में करीब 300 छात्रों ने हिस्सा लिया। सड़क सुरक्षा प्रकोष्ठ के सहयोग से हुए इस कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से छात्रों को सड़क पर जिम्मेदारी के साथ व्यवहार करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम डीसीपी ट्रैफिक उत्तरी रेंज डॉ. सचिन कुमार सिंघल के निर्देशन और निगरानी में आयोजित किया गया। नुक्कड़ नाटक के जरिए छात्रों को यातायात नियमों की अनदेखी से होने वाले सड़क हादसों और उनके गंभीर परिणामों के बारे में रोचक एवं सरल तरीके से समझाया गया। कलाकारों ने अभिनय के माध्यम से यह संदेश दिया कि सड़क पर छोटी-सी लापरवाही भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। ट्रैफिक पुलिस ने छात्रों को दोपहिया वाहन पर सफर करते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने और कार में सीट बेल्ट लगाने की सलाह दी। पुलिसकर्मियों ने कहा कि वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल दुर्घटना का बड़ा कारण बन सकता है, इसलिए ड्राइविंग के दौरान मोबाइल से पूरी तरह दूरी बनाए रखना जरूरी है। इसके साथ ही शराब पीकर वाहन नहीं चलाने और यातायात संकेतों का पालन करने के लिए भी छात्रों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को लेन अनुशासन का पालन करने और सड़क पार करते समय जेब्रा क्रॉसिंग का इस्तेमाल करने की जानकारी भी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने छात्रों को समझाया कि यातायात नियम केवल चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि अपनी और दूसरों की जिंदगी सुरक्षित रखने के लिए बनाए गए हैं। स्कूल प्रशासन ने दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की इस पहल की सराहना की। अधिकारियों ने कहा कि बच्चों और युवाओं के बीच सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाना बेहद जरूरी है। जागरूक छात्र न केवल स्वयं यातायात नियमों का पालन कर सकते हैं, बल्कि अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। उत्तरी रेंज ट्रैफिक पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि सड़क सुरक्षा को लेकर भविष्य में भी स्कूलों और अन्य संस्थानों में इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

जंतर-मंतर प्रदर्शन में गिरफ्तार 17 छात्रों को पटियाला हाउस कोर्ट से मिली जमानत

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार किए गए 17 लोगों को पटियाला हाउस कोर्ट ने जमानत दे दी है। यह मामला संसद मार्ग थाने में दर्ज एफआईआर से जुड़ा है। गिरफ्तार लोगों में छात्र और स्वतंत्र पत्रकार शामिल हैं। इंडियन यूथ कांग्रेस (आईवाईसी) के मुताबिक, ये लोग कथित ह्यवोट चोरीह्व के मुद्दे को लेकर प्रदर्शन और उसकी कवरेज कर रहे थे। पुलिस ने अदालत के समक्ष सभी आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजने की मांग की थी। आरोपियों की ओर से पेश वकीलों ने पुलिस की इस मांग का विरोध किया। बचाव पक्ष ने अदालत में दलील दी कि आरोपियों के खिलाफ लगाए गए अपराधों में अधिकतम सजा सात साल से कम है। साथ ही, गिरफ्तारी के आधार में किसी भी आरोपी की व्यक्तिगत भूमिका स्पष्ट रूप से नहीं बताई गई है। बचाव पक्ष के वकीलों ने अदालत को यह भी बताया कि प्रदर्शन के दौरान कुछ आरोपियों को चोटें आई थीं। वकीलों का कहना है कि चोट लगने के बावजूद उन्हें तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई। अदालत के समक्ष यह भी आरोप लगाया गया कि दो आरोपियों ने थाने में हिरासत के दौरान उनके साथ मारपीट किए जाने की शिकायत की है। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने सभी 17 आरोपियों को 15-15 हजार रुपये के जमानती बॉन्ड पर जमानत देने का आदेश दिया। इनमें चार महिला आरोपियों को व्यक्तिगत मुचलके पर तत्काल रिहा करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, अन्य 13 आरोपियों की रिहाई जमानतदार पेश किए जाने के बाद होगी। अदालत ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से भी रिपोर्ट तलब की है। कोर्ट ने डीसीपी, नई दिल्ली से मामले में रिपोर्ट पेश करने को कहा है। इसके अलावा थाना संसद मार्ग क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को सुरक्षित रखने का निर्देश दिया गया है, ताकि प्रदर्शन और गिरफ्तारी से जुड़ी घटनाओं की जांच में इनका इस्तेमाल किया जा सके। अदालत ने उन आरोपियों को आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया है, जिन्होंने प्रदर्शन के दौरान चोट लगने की बात कही है। कोर्ट के निर्देश के बाद अब मामले में पुलिस की कार्रवाई और आरोपियों की ओर से लगाए गए हिरासत में मारपीट के आरोपों पर भी नजर रहेगी। इस बीच, 17 आरोपियों को जमानत मिलने के बाद प्रदर्शन से जुड़े मामले में राजनीतिक हलचल भी तेज हो सकती है। आईवाईसी ने गिरफ्तार लोगों को छात्र और स्वतंत्र पत्रकार बताते हुए उनकी गिरफ्तारी पर सवाल उठाए हैं। वहीं, पुलिस की ओर से दर्ज मामले में लगाए गए आरोपों और जांच की दिशा आने वाले दिनों में स्पष्ट होगी।

दिल्ली हाईकोर्ट ने नेहरू प्लेस डिस्ट्रिक्ट सेंटर को नो-हॉकिंग, नो-वेंडिंग जोन घोषित किया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने नेहरू प्लेस डिस्ट्रिक्ट सेंटर के एक खास हिस्से को छोड़कर बाकी पूरे इलाके को नो-हॉकिंग जोन और नो-वेंडिंग जोन घोषित कर दिया है। कोर्ट ने 90 पहचाने गए वेंडर्स को तब तक किसी दूसरी जगह से काम करने की इजाजत दी है, जब तक कि टाउन वेंडिंग कमेटी-क्क उनके वेंडिंग अधिकारों पर कोई फैसला नहीं ले लेती। जस्टिस प्रतिभा एम. सिंह और जस्टिस दिनेश भट्ट की डिवीजन बेंच ने नेहरू प्लेस इलाके में हॉकिंग और वेंडिंग गतिविधियों से जुड़ी कई याचिकाओं और अवमानना के मामले पर सुनवाई करते हुए यह निर्देश दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि याचिकाकताओं और प्रतिवादियों द्वारा रिकॉर्ड पर रखी गई 26 सितंबर की तस्वीरों से कोई शक नहीं रह जाता कि नेहरू प्लेस डिस्ट्रिक्ट सेंटर को नो-हॉकिंग और नो-वेंडिंग जोन घोषित करने के फैसले की पुष्टि की जानी चाहिए। इस फैसले में स्ट्रीट वेंडर्स अधिनियम 2014 के तहत कुछ वेंडरों को मिलने वाले संरक्षण और सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले का भी ध्यान रखा गया। साथ ही, नो-वेंडिंग जोन से हटाए गए वेंडरों को काम करने लायक विकल्प देने की जरूरत पर जोर दिया गया। हाईकोर्ट ने कहा कि ऊपर बताए गए फैसले के अनुसार, अगर स्ट्रीट वेंडर नो-वेंडिंग जोन में वेंडिंग कर रहे हैं, तो एमसीडी या संबंधित अथॉरिटी का यह कर्तव्य है कि वे उन्हें नो-वेंडिंग जोन से वेंडिंग जोन में जाने में मदद करें, ताकि स्ट्रीट वेंडरों को काम करने लायक विकल्प मिल सके और वे अपनी आजीविका कमा सकें। दिल्ली हाईकोर्ट सुप्रीम कोर्ट के 9 अप्रैल, 2026 के फैसले का जिक्र कर रहा था, जिसमें कहा गया था कि वेंडरों को हटाने का काम सावधानी, निष्पक्षता और जिम्मेदारी के साथ किया जाना चाहिए और अधिकारियों को उन्हें तय वेंडिंग जोन में शिफ्ट होने में सक्रिय रूप से मदद करनी चाहिए। बेंच ने पाया कि नेहरू प्लेस डिस्ट्रिक्ट सेंटर में अभी 400 से ज्यादा वेंडर वेंडिंग कर रहे हैं। जिनमें से ज्यादातर स्पष्ट रूप से अनधिकृत हैं। बेंच ने संबंधित कार्यवाही में 90 वेंडरों की पहचान की, जिन्हें जरूरी संरक्षण या मान्यता प्राप्त है। जस्टिस सिंह की अगुवाई वाली बेंच ने कहा कि जहां तक नेहरू प्लेस डिस्ट्रिक्ट सेंटर इलाके की बात है, तो ऊपर एक्स के तौर पर चिह्नित हिस्से को छोड़कर, पूरे नेहरू प्लेस डिस्ट्रिक्ट सेंटर को ह्यनो-हॉकिंग जोन और नो-वेंडिंग जोन घोषित किया जाता है। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि 12 अक्टूबर के बाद दिल्ली नगर निगम इलाके से सभी अनधिकृत वेंडरों को हटाने के लिए स्वतंत्र होगा। कोर्ट ने दिल्ली फायर सर्विस को भी निर्देश दिया कि अनधिकृत वेंडरों को हटाए जाने के बाद वे नेहरू प्लेस डिस्ट्रिक्ट सेंटर का निरीक्षण करें और अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करें। दिल्ली पुलिस को भी निर्देश दिया गया है कि वे फैसले का पालन सुनिश्चित करने के लिए एमसीडी और डीडीए का सहयोग करें। दिल्ली फायर सर्विस की अनुपालन रिपोर्ट पर विचार करने के लिए यह मामला 30 नवंबर को लिस्ट किया जाएगा।

हेडकांस्टेबल पर नौकरी लगाने का झांसा दे पांच से ठगी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस में हेडकांस्टेबल पद पर भर्ती का झांसा देकर जालसाजों ने पांच युवाओं से 25 लाख रुपये ठग लिए। मामले में पुलिस ने सोमवार को एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की। जानकारी के अनुसार, सिंघोला गांव निवासी वैभव गौतम ने वर्ष 2018 में हेडकांस्टेबल की भर्ती के लिए आवेदन किया था। वैभव ने बताया कि चाचा नरेंद्र कुमार के ऑफिस पर उसकी मुलाकात मिथिलेश कुमार से हुई थी।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

उप. मुख्य विद्युत अभियंता/गति शक्ति इकाई/दिल्ली, डीआरएम कार्यालय, नई दिल्ली-110055 निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करती है:

कार्य और स्थान का नाम	"अमृत भारत योजना के अंतर्गत DLI मंडल के SZM, NUR, GHNA, BVH, PTRD, FDN एवं अन्य रेलवे स्टेशनों हेतु प्रकाश एवं विद्युत आपूर्ति व्यवस्था के शेष विद्युत कार्य।"
निविदा सूचना संख्या	31-R-DYCEE-GSU-DLI-26-27
बयाना राशि (ऑनलाइन जमा की जाएगी)	अनुमानित लागत
₹5,75,900.00/-	₹2,87,93,633.31/-

ई-निविदा जमा करने और निविदा खोलने की तिथि और समय

दिनांक **05.10.2026** को आईआरईपीएस वेबसाइट अर्थात. **www.ireps.gov.in** पर निविदाएं अपलोड की है। निविदादाता ई-निविदा में भाग ले सकते हैं, यह निविदा **02.11.2026. 11:30 बजे** खोली जाएगी।

विस्तृत निविदा सूचना एवं निविदा दस्तावेज: विस्तृत ई-निविदा सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट यानी **www.nr.indianrailways.gov.in** पर उपलब्ध है और निविदा दस्तावेज **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

उपरोक्त निविदा दस्तावेज आईआरईपीएस वेबसाइट यानी **www.ireps.gov.in** पर **19.10.2026 to 02.11.2026, को 11:30** बजे तक प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए उपलब्ध रहेगा।

उपरोक्त निविदाओं के संबंध में अन्य सभी नियम और शर्तें निविदा दस्तावेज में दी गई हैं।

विस्तृत निविदा सूचना उपरोक्त कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी देखी जा सकती है।

No. 31-R-DyCEE-GSU-DLI-26-27 **Dated: 05.10.2026** **3452/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी सूचना

संख्या- **C-12/San/SWM/2026** दिनांक: **05.10.2026**

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/यात्री सेवा, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल, नई दिल्ली द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर अनुबंध लॉट्स/साइट्स के आवंटन हेतु ई-नीलामी, IREPS पोर्टल (**http://ireps.gov.in/**) पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन हेतु निम्नलिखित 27 नामित रेलवे स्टेशनों/स्थलों पर आमंत्रित की जाती है-

ई-कैटलॉग संख्या	ई-नीलामी की तिथि एवं समय	रेलवे स्टेशन/स्थान/साइट्
SWM-DLIDIV-26-1	दिनांक 21.10.2026 को 15:00 बजे	दिल्ली मंडल के रेलवे स्टेशनों पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन Solid Waste Management (SWM) दिल्ली मंडल के अंतर्गत 27 नामित बल्क वेस्ट जनरेटर (BWG) रेलवे स्टेशनों पर पृथक्कृत गीले, सूखे पुनर्चक्रण योग्य, स्वच्छता संबंधी, विशेष देखभाल योग्य तथा निष्क्रिय अपशिष्ट के संग्रहण, परिवहन, पुनर्चक्रण एवं वैज्ञानिक प्रसंस्करण हेतु 05 वर्ष की अवधि के लिए ठेका, रेलवे बोर्ड द्वारा जारी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम (SWM), 2026 के लिए SOP के अनुसार प्रदान किया जाना है। उक्त 27 नामित रेलवे स्टेशन/स्थल निम्नलिखित हैं: नई दिल्ली, दिल्ली, हजरत निजामुद्दीन, आनंद विहार टर्मिनल, दिल्ली सराय रोहिल्ला, गाजियाबाद, मेरठ सिटी, मुजफ्फरनगर, दिल्ली कैंट, पापीपत, सोनीपत, रोहतक, गुरूग्राम, फरीदाबाद, करनाल, कुरूक्षेत्र, साहिबाबाद, बहादुरगढ़, पलवल, शकूरबस्ती, सब्जी मंडी, गनौर, नरेला, बल्लभगढ़, दिल्ली सदर बाजार, बादली एवं फरीदाबाद न्यू टाउन रेलवे स्टेशन। कुल: दिल्ली मंडल के 27 रेलवे स्टेशन।
वेबसाइट विवरण जहाँ ई-नीलामी दस्तावेज का पूरा विवरण देखा जा सकता है।		https://ireps.gov.in/
ई-नीलामी में भाग लेने के लिए ठेकेदारों के लिए पूर्वापेक्षाएँ		आईआरईपीएस के ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल के माध्यम से आयोजित ई नीलामी में भाग लेने के इच्छुक सभी ठेकेदारों को अपनी बोलियां जमा करने से पहले निम्नलिखित अनिवार्य आवश्यकताओं को पूरा करना चाहिए: • ई- नीलामी लीजिंग मॉड्यूल के लिए आईआरईपीएस पर पंजीकरण - ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल के लिए सक्रिय आईआरईपीएस उपयोगकर्ता खाता; एक मुश्त पंजीकरण शुल्क का भुगतान; भारतीय स्टेट बैंक में चालू खाता; आईआरईपीएस खाते के साथ एस बी आई बैंक खाते का एकीकरण; फंड का लियन मार्किंग; कारोबार का अद्यतन विवरण; जिन ठेकेदारों के पास आईआरईपीएस के किसी भी मॉड्यूल के लिए आईआरईपीएस खाता नहीं है, वे आई आर ई पी एस होम पेज पर नए विक्रेताओं/ ठेकेदारों (ई-निविदा/ई-नीलामी लीजिंग) लिंक पर क्लिक करके पंजीकरण के लिए अपना ऑन लाइन अनुरोध प्रस्तुत कर सकते हैं। ई-ऑक्शन लीजिंग मॉड्यूल के लिए अब वर्चुअल अकाउंट नंबर (वीएएन) नामक एक नया तंत्र शुरू किया गया है, जिसका उपयोग बोलीदाताओं द्वारा लियन मार्किंग तंत्र के विकल्प के रूप में किया जा सकता है। बोली लगाने हेतु प्रवेश करने से पहले किसी भी समय लियन मार्किंग मैकेनिज्म (यदि सक्रिय हो) और वैन मैकेनिज्म के बीच स्विच करने के लिए स्वतंत्र हैं। VAN तंत्र के लिए बोली लगाने वाले का भारतीय स्टेट बैंक में चालू खाता होना आवश्यक नहीं है। उपयोगकर्ता किसी भी बैंक में अपने किसी भी मौजूदा बैंक खाते से अपने VAN खाते में धन स्थानांतरित करने के लिए स्वतंत्र हैं, जो उन्हें IREPS ई-नीलामी में भाग लेने में सक्षम बनाता है।
सम्बंधित जानकारी हेतु रेलवे प्राधिकारी		वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक/पीएस, डीआरएम कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली 110055 Email: sanitationcell@gmail.com Tel: 011-23743084

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक/यात्री सेवा, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल, नई दिल्ली

3448/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

THIS IS A PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSES ONLY. THIS IS NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT AND DOES NOT CONSTITUTE AN INVITATION OR OFFER TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE TO SECURITIES. THIS PUBLIC ANNOUNCEMENT IS NOT INTENDED FOR PUBLICATION OR DISTRIBUTION, DIRECTLY OR INDIRECTLY OUTSIDE INDIA.

(Please scan this QR Code to view the Prospectus)

BLACKOPAL

▪ THE GROWTH CATALYST ▪

BLACK OPAL CONSULTANTS LIMITED

CIN: U68100DL2020PLC369011

THE EQUITY SHARES OF THE COMPANY WILL GET LISTED ON SME PLATFORM OF BSE LIMITED ("BSE SME")

Our Company was originally incorporated on September 01, 2020 as "Black Opal Consultants Private Limited" under the provisions of the Companies Act, 2013 vide Certificate of Incorporation dated September 06, 2020, bearing Corporate Identification Number U70109DL2020PTC369011 issued by the Registrar of Companies, Central Registration Centre. Subsequently, our Company was converted into a public limited company pursuant to a resolution passed by the Board of Directors of our Company in their meeting held on February 10, 2025 and a Shareholder's resolution passed at the Extra-Ordinary General Meeting of our Company held on February 14, 2025 and consequently, the name of our Company was changed to 'Black Opal Consultants Limited' and a fresh certificate of incorporation dated April 07, 2025, was issued by the Registrar of Companies, Central Processing Centre. The Corporate Identification Number of our Company is U68100DL2020PLC369011.

For further details, please refer to the chapter titled *"Our History and Certain Other Corporate Matters"* beginning on page 220 of the Prospectus.

Registered Office: Shop No. 8, Ground Floor, C.S.C. AGCR Enclave, East Delhi, Delhi– 110092, India; **Corporate Office:** 11th Floor, Office No. 1101, Gulshan One 29, Sector 129, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201304, India. **Tel.:** +91 9999560810;
Email: investors@blackopalgroup.in; **Website:** www.blackopalgroup.in; **Contact Person:** Ms. Anju, Company Secretary and Compliance Officer

OUR PROMOTERS: MR. PRASOON CHAUHAN AND MR. SHEIKH ARFEEN AHMED

Our Company has filed the Prospectus dated October 05, 2026 with ROC and Equity Shares are proposed to be listed on SME Platform of BSE Limited ("BSE SME") on Wednesday, October 07, 2026.

"THE OFFER IS BEING MADE IN ACCORDANCE WITH CHAPTER IX OF THE SEBI ICDR REGULATIONS (IPO OF SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES) AND THE EQUITY SHARES ARE PROPOSED TO BE LISTED ON SME PLATFORM OF BSE LIMITED ("BSE SME")."

BRIEF DESCRIPTION OF THE BUSINESS OF THE COMPANY

Our Company partners with various developers to market and sell their residential and commercial properties. Our Company enters into mandates with the developers, securing exclusive or semi-exclusive rights to sell their inventories in return for brokerage income. To obtain such exclusive mandates, our Company pays an advance to the developer, which is retained as a deposit by such developer and refunded to our Company upon successful completion of the mandate or upon expiry of its tenure. Such arrangement provides our Company with enhanced revenue visibility and business stability.

BASIS OF ALLOTMENT

INITIAL PUBLIC OFFER OF 27,96,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10 EACH ("EQUITY SHARES") OF OUR COMPANY FOR CASH AT A PRICE OF ₹ 197 PER EQUITY SHARE (INCLUDING A SHARE PREMIUM OF ₹ 187 PER EQUITY SHARE) ("OFFER PRICE") AGGREGATING TO ₹ 5,508.12 LAKHS ("OFFER"). THE OFFER COMPRISES A FRESH ISSUE OF 22,38,000 EQUITY SHARES AGGREGATING TO ₹ 4,408.86 LAKHS ("FRESH ISSUE") AND AN OFFER FOR SALE OF 5,58,000 EQUITY SHARES ("OFFERED SHARES") AGGREGATING TO ₹ 1,099.26 LAKHS, BY PRASOON CHAUHAN (PROMOTER SELLING SHAREHOLDER), THE ("OFFER FOR SALE"). THIS OFFER INCLUDES A RESERVATION OF 1,39,800 EQUITY SHARES AGGREGATING TO ₹ 275.41 LAKHS FOR SUBSCRIPTION BY MARKET MAKER ("MARKET MAKER RESERVATION PORTION"). THE OFFER LESS THE MARKET MAKER RESERVATION PORTION IS HEREINAFTER REFERRED TO AS THE "NET OFFER". THE OFFER AND THE NET OFFER SHALL CONSTITUTE 26.43 % AND 25.11 %, RESPECTIVELY, OF THE POST-OFFER PAID-UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY.

**PRICE BAND: ₹ 185/- to ₹ 197/- PER EQUITY SHARE OF FACE VALUE OF ₹ 10/- EACH
THE FLOOR PRICE IS 18.50 TIMES THE FACE VALUE OF THE EQUITY SHARES AND
THE CAP PRICE IS 19.70 TIMES THE FACE VALUE OF THE EQUITY SHARES.
THE PRICE TO EARNING RATIO BASED ON DILUTED EPS FOR FISCAL 2026
AT THE FLOOR PRICE IS 12.63 TIMES AND AT THE CAP PRICE IS 13.45 TIMES.
BIDS CAN BE MADE FOR A MINIMUM OF 600 EQUITY SHARES AND IN MULTIPLES OF 600 EQUITY SHARES THEREAFTER.**

RISK TO INVESTORS

For details refer to section titled *"Risk Factors"* on page 28 of the Prospectus.

a) For the financial year ended March 31, 2026, March 31, 2025 and March 31, 2024, we derived 98.84%, 99.20% and 99.63% respectively, of our revenue from operations, from our top 20 customers. Any deterioration in our commercial relationships with such customers, including but not limited to the loss of business, reduction in order volumes, or unfavourable changes in contract terms, could affect our ability to maintain or grow revenue and may have negative impact our business, financial condition, and results of operations.

b) Our operations are concentrated in Uttar Pradesh and Haryana. For the financial year ended March 31 2026, March 31, 2025 and March 31, 2024, we derived 77.94%, 73.32% and 90.27% respectively, of our revenue from operations, from Uttar Pradesh. Any materially adverse social, political or economic development, civil disruptions, or changes in the policies of the state government or state or local governments in this region could adversely affect our services.

c) A major portion of our revenue is derived from brokerage activities in the real estate sector. For the financial year ended March 31, 2026, March 31, 2025 and March 31, 2024, we derived 99.11%, 93.40% and 99.23% respectively, of our revenue from operations, from Brokerage and Leasing Services. Any slowdown in the real estate market, reduction in leasing activity, or decline in brokerage transactions could adversely affect our revenue, cash flows, and profitability.

d) Our business is significantly concentrated in the residential real estate segment and we have a limited presence in the commercial real estate segment. For the financial year ended March 31, 2026, March 31, 2025 and March 31, 2024, we derived 97.62%, 86.96% and 99.83% respectively, of our revenue from operations, from residential projects. Any downturn or prolonged stagnation in the residential sector, or delays in our ability to diversify meaningfully into other real estate asset classes, could have a material adverse effect on our business, financial condition and results of operations.

e) We do not own our registered office, corporate office and correspondence office. Any breach, alleged non-compliance, dispute, non-renewal, or early termination of the rent agreement may require us to vacate the premises and relocate our offices, which might affect results of operations.

f) Certain legal proceedings are outstanding against our Company, its Directors and Promoters. We can not assure you that any of the outstanding litigation matters will be settled in our favour or that no additional liabilities will arise out of these proceedings.

g) Our business operations in real estate consultancy and development are dependent on obtaining, maintaining and renewing various statutory and regulatory permissions, permits, licenses, registrations and approvals. Our registration with UP RERA as a real estate agent has expired. Any delay in, or inability to, obtain renewal, extension or restoration of such registration may adversely affect our ability to continue, market, sell or otherwise undertake the relevant activities or projects.

h) Our business operates in a competitive environment, with competitors which include real estate developers and various internet-based service providers. Our inability to respond effectively to these competitive pressures, maintain market share, and attract and retain clients could adversely impact on our revenue, profitability, growth prospects, and overall financial condition.

i) Our Company has a relatively short track record in the real estate consultancy and development sector. Any failure in managing the required financing or responding effectively to market dynamics may have a material adverse effect on our Company's business operations, financial performance, cash flows, and overall prospects.

j) Our Company has identified several developers with whom it proposes to undertake such arrangements for underwriting their inventory, however, specific inventory proposed to be underwritten has not yet been identified. The absence of identified inventory exposes our Company to various execution and operational risks, including delays in utilization of the Offer proceeds, inability to secure suitable inventory on commercially acceptable terms, higher acquisition or underwriting costs, misallocation of funds, and lower-than-expected returns from such activity.

- The Book Running Lead Manager associated with the Offer have handled 08 SME Public Issues and 01 Main Board Public Issue in the current and past two (2) financial years, out of which 03 Public Issues closed below the Offer Price on the listing date.

Name of BRLM	Total Issue		Issue closed below IPO Price on Listing Date
	Mainboard	SME	
Khambatta Securities Limited	01	08	03

- The average cost of acquisition of Equity Shares by our Promoters are set forth in the table below:

Sr. No.	Name of the Promoters	No. of Shares held	Average cost of Acquisition (in ₹)*
1.	Prasoon Chauhan	78,53,700	1.85
2.	Sheikh Arfeen Ahmed	83,400	59.95

**The Cost of Acquisition of Equity Shares by the Promoters has been certified by the Statutory Auditor of the Company, J P M G & Associates LLP., Chartered Accountants, vide certificate dated September 16, 2026, bearing UDIN:26532013NANZCG9476.*

- P/E ratio based on the Basic and Diluted EPS, as restated for Financial Year 2025-26 for the Company is 13.45 at cap price.
- Weighted Average Return on Net Worth as derived from the Restated Consolidated Financial for the FY 2026, FY 2025 and FY 2024 is 45.52.
- **Weighted average cost of acquisition, Floor price and Cap price:**

Types of transactions	Weighted average cost of acquisition (₹ per Equity Share)	Floor price* (i.e. ₹ 185)	Cap price* (i.e. ₹ 197)
Weighted average cost of acquisition of primary / new issue (a)	NIL*	N/A	N/A
Weighted average cost of acquisition for secondary sale / acquisition (b)	NIL*	N/A	N/A
Weighted average cost of acquisition of primary issuances / secondary transactions (c)	2.33	79.40	84.55

**While calculation Weighted average cost of acquisition of primary issuances / secondary transactions, the effect of bonus shares and shares transferred by way of gift is not taken.*

BID / OFFER PERIOD

ANCHOR INVESTOR BID / OFFER OPENED AND CLOSED ON: MONDAY, SEPTEMBER 28, 2026

BID / OFFER OPENED ON: TUESDAY, SEPTEMBER 29, 2026

BID / OFFER CLOSED ON: THURSDAY, OCTOBER 01, 2026

This Offer was made through the Book Building Process, in terms of Rule 19(2)(b) of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, as amended (**"SCRR"**) read with Regulation 229 of the SEBI ICDR Regulations and in compliance with Regulation 253 of the SEBI ICDR Regulations wherein not more than 50% of the Net Offer was made available for allocation on a proportionate basis to Qualified Institutional Buyers (**"QIBs"**) (the **"QIB Portion"**), provided that our Company in consultation with the BRLM allocated 60% of the QIB Portion to Anchor Investors on a discretionary basis in accordance with the SEBI ICDR Regulations (the **"Anchor Investor Portion"**). 40% of the Anchor Investor Portion was reserved for allocation in the following manner: (i) 33.33% to domestic Mutual Funds, and (ii) 6.67% to life insurance companies and pension funds. In the event of under-subscription in the portion reserved for life insurance companies and pension funds, the allocation was made to domestic Mutual Funds, subject to valid Bids having been received at or above the Anchor Investor Allocation Price. In the event of under-subscription or non-allocation in the Anchor Investor Portion, the balance Equity Shares could have been added to the QIB Portion (other than the Anchor Investor Portion) (the **"Net QIB Portion"**). Further, 5% of the Net QIB Portion was made available for allocation on a proportionate basis to Mutual Funds only, and the remainder of the Net QIB Portion was made available for allocation on a proportionate basis to all QIB Bidders (other than Anchor Investors), including Mutual Funds, subject to valid Bids having been received at or above the Offer Price. However, if the aggregate demand from Mutual Funds was less than 5% of the Net QIB Portion, the balance Equity Shares available for allocation in the Mutual Fund Portion could have been added to the remaining Net QIB Portion for proportionate allocation to all QIBs. Further, not less than 15% of the Net Offer was made available for allocation on a proportionate basis to Non-Institutional Investors and not less than 35% of the Net Offer was made available for allocation to individual investors who applied for minimum application size in accordance with the SEBI ICDR Regulations, subject to valid Bids having been received from them at or above the Offer Price. All Bidders, other than the Anchor Investors, were mandatorily required to participate in the Offer only through an Application Supported by Blocked Amount (**"ASBA"**) process, providing details of their respective bank accounts (including UPI ID for UPI Bidders using UPI Mechanism) in which the Bid amount were blocked by the Self Certified Syndicate Banks (**"SCSBs"**) or the Sponsor Bank. The Anchor Investors were not permitted to participate in the Anchor Investor Portion through the ASBA process. For further details, please refer to the chapter titled *"Offer Procedure"* beginning on page 325 of the Prospectus.

SUBSCRIPTION DETAILS

The Offer (including Anchor Investors Portion) received 59,736 Applications for 13,87,14,000 Equity Shares (prior to rejections) resulting in 49.61 times subscription (including reserved portion of market maker). The details of the Applications received in the Offer from various categories are as under:

Details of the Applications Received from various categories including market maker are as under:

Sr. No.	Category	No. of Applications Received	No. of Equity Shares applied	No. of Equity Shares Reserved as per Prospectus	No. of times Subscribed	Amount (in ₹)
1	**Qualified Institutional Buyers (excluding Anchor Investors)**	41	3,17,29,200	5,31,000	59.75	6,25,06,52,400.00
2	**Non-Institutional Investors-More than 2 Lakhs up to 10 Lakhs**	5,815	1,11,00,600	1,33,200	83.34	2,18,67,94,800.00
3	**Non-Institutional Investors-Above 10 Lakhs**	7,104	3,87,30,000	2,65,800	145.71	7,62,97,88,400.00
4	**Individual Investors**	46,768	5,61,21,600	9,30,000	60.35	11,05,50,08,400.00
5	**Anchor Investors**	7	8,92,800	7,96,200	1.12	17,58,81,600.00
6	**Market Maker**	1	1,39,800	1,39,800	1.00	2,75,40,600.00
	Total	59,736	13,87,14,000	27,96,000	49.61	27,32,56,66,200.00

Final Demand

A summary of the final demand (prior to any rejections) as per BSE as on the Bid/Offer Closing Date at different Bid Prices is as under:

Sr. No.	Price	Bids	No. of Equity Shares	% of Total	Cumulative Share Total	Cumulative % of Total
1	185.00	57	69,000	0.050	69,000	0.050
2	186.00	1	1,200	0.001	70,200	0.051
3	188.00	1	1,200	0.001	71,400	0.052
4	190.00	4	4,800	0.003	76,200	0.055
5	191.00	1	1,200	0.001	77,400	0.056
6	192.00	4	4,800	0.003	82,200	0.060
7	193.00	2	6,600	0.005	88,800	0.064
8	194.00	5	6,000	0.004	94,800	0.069
9	195.00	5	6,000	0.004	1,00,800	0.073
10	196.00	15	18,600	0.013	1,19,400	0.087
11	197.00	59,634	13,77,01,800	99.913	13,78,21,200	100.000
	Total	**59,729**	**13,78,21,200**	**100.000**		

The Basis of Allotment was finalized in consultation with the Designated Stock Exchange – BSE on October 05, 2026

1) **Allotment to Individual Investors (After Technical Rejections & Withdrawal):** The Basis of Allotment to the Individual Investors, who have bid at cut-off Price or at or above the Offer Price of ₹ 197 per Equity Share, was finalized in consultation with SME Platform of BSE Limited. The category was subscribed by 59.54 times i.e., for 5,53,69,200 Equity Shares. The total number of Equity Shares allotted in this category is 9,30,000 Equity Shares to 775 successful applicants.

Continued on next page...

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

गुरुग्राम/फरीदाबाद

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, बुधवार, 07 अक्टूबर, 2026

संक्षिप्त खबरें

प्रसाधन दुकान में लगी आग से बाइक समेत सामान जला

सोहना।गांव दौला मेंप्रसाधन (कॉस्मेटिक) दुकान में आग लगने से बाइक समेत कीमती सामान जलकर राख हो गया। मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ी ने करीब 40 मिनट में आग को काबू किया। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है।सोहना के गांव दौला में सोमवार रात स्थानीय निवासी सुभाष की बंद प्रसाधन सामग्री की दुकान में आग लग गई। दुकान के साथ में ही सुभाष का मकान है।उन्होंने बताया कि रात करीब साढ़े 11 बजे दुकान से धुंआ बाहर निकलता दिखा।उसने मकान से बाहरर निकलकर देखा तो आग दुकान के अंदर लगी हुई थी।उसने आग को काबू करने के लिए ग्रामीणों को मदद के लिए शोर मचाकर बुलाया।दुकान पर लगा लकड़ी के दरवाजे को खोला तो अंदर रख सामान आग में चल रहा था।

गोल्फ नेशनल कैंप में शॉट से लेकर रणनीति तक की ट्रेनिंग

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। सैंटियागो में अगले वर्ष होने वाले स्पेशल ओलंपिक्स वर्ल्ड गेम्स की तैयारियों को लेकर गुरुग्राम में चल रहे गोल्फ राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए तैयार किया जा रहा है। 10 अक्टूबर तक चल रहे इस शिविर में छह राज्यों के 20 स्पेशल खिलाड़ी लेवल-1 और लेवल-3 की श्रेणियों में प्रशिक्षण ले रहे हैं। डीएलएफ गोल्फ कोर्स में खिलाड़ियों के खेल की तकनीक को निखारने के साथ-साथ उन्हें प्रतियोगिता के दौरान सही रणनीति बनाने और दबाव में बेहतर प्रदर्शन करने का अभ्यास कराया जा रहा है। खिलाड़ियों का प्रशिक्षण शिविर में गुरुग्राम के रणवीर सैनी, दीपेंद्र खुल्लर के साथ हिसार के मोहित शामिल हैं। खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए गुरुग्राम के कोच राजेश भी राष्ट्रीय शिविर में प्रशिक्षण दे रहे हैं। इनके अलावा मध्य प्रदेश से इजान वाली, दिल्ली से कशिश, अनाहिता और श्रेया, उत्तर प्रदेश से कुशिका, गुजरात से देवांशी और पंजाब से सोनिया समेत अन्य खिलाड़ी शामिल हैं। खिलाड़ियों के साथ प्रशिक्षक भी उनके खेल का बारीकी से आकलन कर रहे हैं और व्यक्तिगत स्तर पर कमियों को दूर करने पर काम किया जा रहा है। महत्वपूर्ण शिविर स्पेशल ओलंपिक्स हरियाणा के एरिया इंचार्ज वीरेंद्र कुमार ने बताया कि गुरुग्राम में आयोजित राष्ट्रीय शिविर खिलाड़ियों के लिए काफी महत्वपूर्ण है। छह राज्यों के खिलाड़ी एक साथ प्रशिक्षण ले रहे हैं, जिससे उन्हें अलग-अलग खिलाड़ियों के साथ खेलने और अपनी तकनीक को परखने का अवसर मिल रहा है। खिलाड़ियों को केवल शॉट खेलने की तकनीक नहीं, बल्कि कोर्स को पढ़ना, सही क्लब का चयन करना, दूरी का अनुमान लगाना और परिस्थिति के अनुसार रणनीति बनाना सिखाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिविर के बाद भी खिलाड़ियों की तैयारी को लगातार आगे बढ़ाया जाएगा, ताकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के दौरान वे आत्मविश्वास के साथ प्रदर्शन कर सकें। गोल्फ कौशल प्रशिक्षण प्रशिक्षण के दौरान खिलाड़ियों को गोल्फ के मूल कौशल से लेकर प्रतियोगिता स्तर की तकनीक तक का अभ्यास कराया जा रहा है। गेंद पर नियंत्रण, शॉट की दिशा और सटीकता, दूरी का आकलन, क्लब का सही चयन और गेंद को लक्ष्य के करीब पहुंचाने की तकनीक पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके साथ ही खिलाड़ियों को पूरे गोल्फ कोर्स को समझने, परिस्थितियों के अनुसार शॉट खेलने और उपलब्ध अवसर के हिसाब से रणनीति बदलने का अभ्यास कराया जा रहा है। लेवल-1 और लेवल-3 के खिलाड़ियों के लिए प्रशिक्षण उनकी खेल क्षमता के अनुसार अलग-अलग तरीके से किया जा रहा है। अभ्यास के दौरान खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखा जा रहा है और उसी आधार पर उनकी तकनीक में सुधार कराया जा रहा है।

हनीट्रैप का शिकार हुआ गुरुग्राम का व्यक्ति, तीन साल में महिला ने ऐंठ लिए 90 लाख रुपये

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम।गुरुग्राम में ऑनलाइन प्यार धोखा निकला। सुशांत लोक में रहने वाली कोलकाता की एक एमबीए पास युवती ने तीन साल तक ब्लैकमेल कर एक युवक से 90 लाख रुपये ऐंठ लिए। आरोपी युवती ने पहले प्यार का झांसा देकर कई बार में लाखों रुपये लिए और जब युवक ने पैसे देने से मना कर दिया तो झूठे रेप केस में फंसाने की धमकी देकर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। पीड़ित ने पुलिस में की शिकायत पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दी, जिसके बाद पुलिस ने जाल बिछाकर उसे गिरफ्तार कर लिया। पीड़ित युवक गुरुग्राम का रहने वाला है और सेक्टर-40 स्थित एक कंपनी में काम करता है और वह शादीशुदा है। पुलिस को दी शिकायत में उसने बताया कि उसकी दोस्ती करीब तीन साल पहले सीकिंग एप पर सूर्यदिता दास नाम की युवती से हुई थी। युवती ने एसजीटी से एमबीए किया है और चार साल से सुशांत लोक में रहती थी। झूठे केस में फंसाने की धमकी पुलिस जांच में सामने आया कि शुरूआत में युवती ने युवक से ऐसे ही जरूरत बताकर कई बार में लाखों रुपये ले लिए। युवक प्यार के चलते पैसे देता रहा। दोनों कई जगह घूमने भी गए। जब रकम बढ़ती गई और युवक ने पैसे देने से मना कर दिया, तो युवती ने अपना असली रंग दिखाया। उसने युवक को दुष्कर्म के झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। इसी धमकी के बल पर उसने कुल मिलाकर 90 लाख रुपये नकद और अकाउंट में ट्रांसफर करा लिए।

...continued from previous page.

The category wise details of the Basis of Allotment are as under:

Sr. No.	No. of Shares applied for (Category wise)	Number of applications received	% of total	Total No. of Shares applied in each category	% of total	Proportionate shares available	Allocation per Applicant		Ratio of allottees to applicants		Serial Number of Qualifying applicants	Number of successful applicants (after rounding off)	% of total	Total No. of shares allocated/allotted	% of total	Surplus/Deficit (14)-(7)
							Before Rounding off	After Rounding off								
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)		(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
1	1,200	46,141	100.00	5,53,69,200	100.00	9,30,000	20	1,200	775	46,141	-	775	100.00	9,30,000	100.00	0
	Total	**46,141**	**100.00**	**5,53,69,200**	**100.00**	**9,30,000**	**20**	**1,200**				**775**	**100.00**	**9,30,000**	**100.00**	**0**

2) **Allotment to Non-Institutional Investors (More than ₹ 2 lakhs up to ₹10 lakhs) (After Technical Rejections & Withdrawal):**

The Basis of Allotment to Non-Institutional Investors, who have bid at cut-off Price or at or above the Offer Price of ₹ 197 per Equity Share, was finalized in consultation with SME Platform of BSE Limited. The category was subscribed by 82.55 times i.e., for 1,09,96,200 Equity Shares. The total number of Equity Shares allotted in this category is 1,33,200 Equity Shares to 74 successful applicants.

The category wise details of the Basis of Allotment are as under:

Sr. No.	No. of Shares applied for (Category wise)	Number of applications received	% of total	Total No. of Shares applied in each Non-Institutional Investors	% of total	Proportionate shares available	Allocation per Applicant		Ratio of allottees to applicants		Number of successful applicants (after rounding off)	% of total	Total No. of shares allocated/allotted	% of total	Surplus/Deficit (13)-(7)
							Before Rounding off	After Rounding off							
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)		(11)	(12)	(13)	(14)	(15)
1	1,800	5,272	91.46	94,89,600	86.30	1,21,830.40	23.11	1,800	17	1,318	68	91.89	1,22,400	91.89	569.60
2	2,400	286	4.96	6,86,400	6.24	6,609.16	23.11	1,800	2	143	4	5.41	7,200	5.41	590.84
3	3,000	50	0.87	1,50,000	1.36	1,155.45	23.11	1,800	1	50	1	1.35	1,800	1.35	644.55
4	3,600	49	0.85	1,76,400	1.60	1,132.34	23.11	1,800	0	49	0	0.00	0	0.00	(1,132.34)
5	4,200	33	0.57	1,38,600	1.26	762.60	23.11	1,800	0	33	0	0.00	0	0.00	(762.60)
6	4,800	74	1.28	3,55,200	3.23	1,710.06	23.11	1,800	1	74	1	1.35	1,800	1.35	89.94
	Total	**5,764**	**100.00**	**1,09,96,200**	**100.00**	**1,33,200**					**74**	**100.00**	**1,33,200**	**100.00**	**0**

3) **Allotment to Non-Institutional Investors (More than ₹ 10 lakhs) (After Technical Rejections & Withdrawal):**

The Basis of Allotment to Non-Institutional Investors, who have bid at cut-off Price or at or above the Offer Price of ₹ 197 per Equity Share, was finalized in consultation with SME Platform of BSE Limited. The category was subscribed by 145.17 times i.e., for 3,85,87,200 Equity Shares. The total number of Equity Shares allotted in this category is 2,65,800 Equity Shares to 147 successful applicants.

The category wise details of the Basis of Allotment are as under:

Sr. No.	No. of Shares applied for (Category wise)	Number of applications received	% of total	Total No. of Shares applied in each Non-Institutional Investors	% of total	Proportionate shares available	Allocation per Applicant		Ratio of allottees to applicants		Number of successful applicants (after rounding off)	% of total	Total No. of shares allocated/allotted	% of total	Surplus/Deficit (13)-(7)
							Before Rounding off	After Rounding off							
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)		(11)	(12)	(13)	(14)	(15)
1	5,400	6,970	98.45	3,76,38,000	97.54	2,61,670.34	37.54	1,800	29	1,394	145	98.64	2,61,000	98.19	(670.34)
	5,400	0	0.00	0	0.00	0	0	600	1	145	0	0.00	600	0.23	600
2	6,000	72	1.02	4,32,000	1.12	2,703.05	37.54	1,800	1	36	2	1.36	3,600	1.35	896.95
	6,000	0	0.00	0	0.00	0	0	600	1	2	0	0.00	600	0.23	600
3	6,600	8	0.11	52,800	0.14	300.34	37.54	1,800	0	8	0	0.00	0	0.00	(300.34)
4	7,200	6	0.08	43,200	0.11	225.25	37.54	1,800	0	6	0	0.00	0	0.00	(225.25)
5	7,800	2	0.03	15,600	0.04	75.08	37.54	1,800	0	2	0	0.00	0	0.00	(75.08)
6	9,000	1	0.01	9,000	0.02	37.54	37.54	1,800	0	1	0	0.00	0	0.00	(37.54)
7	9,600	2	0.03	19,200	0.05	75.08	37.54	1,800	0	2	0	0.00	0	0.00	(75.08)
8	10,200	1	0.01	10,200	0.03	37.54	37.54	1,800	0	1	0	0.00	0	0.00	(37.54)
9	10,800	4	0.06	43,200	0.11	150.17	37.54	1,800	0	4	0	0.00	0	0.00	(150.17)
10	11,400	1	0.01	11,400	0.03	37.54	37.54	1,800	0	1	0	0.00	0	0.00	(37.54)
11	12,000	6	0.08	72,000	0.19	225.25	37.54	1,800	0	6	0	0.00	0	0.00	(225.25)
12	12,600	1	0.01	12,600	0.03	37.54	37.54	1,800	0	1	0	0.00	0	0.00	(37.54)
13	13,200	1	0.01	13,200	0.03	37.54	37.54	1,800	0	1	0	0.00	0	0.00	(37.54)
14	16,200	2	0.03	32,400	0.08	75.08	37.54	1,800	0	2	0	0.00	0	0.00	(75.08)
15	25,200	1	0.01	25,200	0.07	37.54	37.54	1,800	0	1	0	0.00	0	0.00	(37.54)
16	30,000	1	0.01	30,000	0.08	37.54	37.54	1,800	0	1	0	0.00	0	0.00	(37.54)
17	1,27,200	1	0.01	1,27,200	0.33	37.54	37.54	1,800	0	1	0	0.00	0	0.00	(37.54)
	Total	**7,080**	**100.00**	**3,85,87,200**	**100.00**	**2,65,800**					**147**	**100.00**	**2,65,800**	**100.00**	**0**

4) **Allocation to Anchor Investors:**

The Company in consultation with BRLM has allocated 7,96,200 Equity Shares to 7 Anchor Investors at the Anchor Investor Offer Price of ₹ 197 per Equity Shares in accordance with the SEBI (ICDR) Regulations.

The category wise details of the Basis of Allotment are as under:

CATEGORY	FIS/BANKS	MF'S	IC'S	NBFC'S	AIF	FPI/FPC	OTHERS	TOTAL
ANCHOR	0	0	0	0	2,60,400	5,35,800	0	7,96,200

5) **Allotment to Qualified Institutional Buyers (excluding Anchor Investors) (After Technical Rejections & Withdrawal):**

The Basis of Allotment to Qualified Institutional Buyers, who have bid at the Offer Price of ₹ 197 per Equity Share, was finalized in consultation with SME Platform of BSE Limited. The category was subscribed by 59.75 times i.e., for 3,17,29,200 Equity Shares. The total number of shares allotted in this category is 5,31,000 Equity Shares to 39 successful applicants.

The category wise details of the Basis of Allotment are as under:

CATEGORY	FIS/BANKS	MF'S	IC'S	NBFC'S	AIF	FPI/FPC	OTHERS	TOTAL
QIB	0	0	0	81,600	2,76,000	94,200	79,200	5,31,000

6) **Allocation to Market Maker:**

The Basis of Allotment to Market Maker, who have bid at the Offer Price of ₹ 197 per Equity Share, was finalized in consultation with SME Platform of BSE Limited. The category was subscribed by 1.00 times i.e., for 1,39,800 Equity Shares. The total number of shares allotted in this category is 1,39,800 Equity Shares to 1 successful applicant.

Sr. No.	No. of Shares applied for (Category wise)	Number of applications received	% of total	Total No. of Shares applied in each category	% of total	Proportionate shares available	Allocation per Applicant		Ratio of allottees to applicants		Serial Number of Qualifying applicants	Number of successful applicants (after rounding off)	% of total	Total No. of shares allocated/allotted	% of total	Surplus/Deficit (14)-(7)
							Before Rounding off	After Rounding off								
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)		(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
1	1,39,800	1	100.00	1,39,800	100.00	1,39,800	1,39,800	1,39,800	1	1	-	1	100.00	1,39,800	100.00	0
	Total	**1**	**100.00**	**1,39,800**	**100.00**	**1,39,800**	**1,39,800**	**1,39,800**				**1**	**100.00**	**1,39,800**	**100.00**	**0**

The Board of Directors of the Company at its meeting held on Monday, October 05, 2026 has taken on record the Basis of Allotment of Equity Shares as approved by the Designated Stock Exchange, being BSE Limited and has allotted the Equity Shares to various successful applicants. The CAN-cum-allotment advices and/or notices have been dispatched to the email ID's and address of the investors as registered with the depositories. Further, the instructions to Self-Certified Syndicate Banks ("SCSBs") have been issued for unblocking the funds and transfer to the Public Offer Account on or prior to October 05, 2026 and the payments to non-syndicate brokers have been issued on October 06, 2026. In case the same is not received within ten days, investors may contact the Registrar to the Offer at the address given below. The Equity Shares allotted to the successful allottees have been uploaded on October 06, 2026 for credit into the respective beneficiary accounts subject to validation of the account details with the depositories concerned. The Company is in process of obtaining the listing approval from SME Platform of BSE Limited and the trading of the Equity Shares is expected to commence on or about October 07, 2026.

Note: All capitalized terms used and not defined herein shall have the respective meanings assigned to them in the Prospectus dated October 05, 2026 ("Prospectus") filed with Registrar of Companies Delhi-I.

INVESTORS PLEASE NOTE

The details of the allotment made would also be hosted on the website of the Registrar to the Offer, Skyline Financial Services Private Limited at www.skylinerta.com.

All future correspondence in this regard may kindly be addressed to the Registrar to the Offer quoting full name of the First/ Sole applicant, Serial number of the Bid cum Application Form, number of Equity Shares applied for, Bidders DP ID, Client ID, PAN, date of submission of the Bid cum Application Form, address of the Bidder, the name and address of the Designated Intermediary where the Bid cum Application Form was submitted by the Bidder and copy of the Acknowledgement Slip received from the Designated Intermediary and payment details at the address of the Registrar given below:

REGISTRAR TO THE OFFER

Skyline Financial Services Pvt. Ltd. Towards Excellence

SKYLINE FINANCIAL SERVICES PRIVATE LIMITED
D-153/ A, First Floor, Okhla Industrial Area, Phase - I, New Delhi – 110020, India
Tel: 011-40450193-97; **Email:** ipo@skylinerta.com; **Investor Grievance E-mail:** grievances@skylinerta.com; **Website:** www.skylinerta.com
Contact Person: Mr. Anuj Rana
SEBI Registration No.: INR000003241

For **Black Opal Consultants Limited**
Sd/-
Prasoon Chauhan
Managing Director

Date: October 06, 2026
Place: Noida, Uttar Pradesh

THE LEVEL OF SUBSCRIPTION SHOULD NOT BE TAKEN TO BE INDICATIVE OF EITHER THE MARKET PRICE OF THE EQUITY SHARES ON LISTING OR THE BUSINESS PROSPECTS OF BLACK OPAL CONSULTANTS LIMITED.

Disclaimer: Black Opal Consultants Limited has filed a Prospectus dated October 05, 2026 with the Registrar of Companies, Delhi-I and thereafter with SEBI and the Stock Exchange. The Prospectus is available on the website of the SEBI at www.sebi.gov.in, as well as on the website of the BSE at www.bseindia.com, and is available on the website of the Book Running Lead Manager at www.khambattasecurities.com, and website of our Company at www.blackopalgroup.in.

Investors should note that investment in equity shares involves a high degree of risk. For details, investors should refer to and rely on the Prospectus, including the chapter titled "Risk Factors" beginning on page 28 of the Prospectus, which has been filed with RoC. The Equity Shares have not been and will not be registered under the US Securities Act ("the Securities Act") or any state securities laws in United States and may not be issued or sold within the United States or to, or for the account or benefit of, "U.S, persons" (as defined in Regulation S under the securities Act), except pursuant to an exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the Securities Act of 1933.

म्यांमार से भारत तक फैली नशे की चेन पर सख्त निगरानी जरूरी

मिजोरम में म्यांमार से लगी लंबी खुली सीमा के कारण मादक पदार्थों की तस्करी एक गंभीर चुनौती बनती जा रही है। सीमा से लगे जंगलों और दुर्गम इलाकों का फायदा उठाकर तस्कर हेरोइन और मेथाम्फेटामाइन जैसे मादक पदार्थ भारत में पहुंचाने की कोशिश करते हैं। उपलब्ध जांच और जब्ती के आंकड़े इस समस्या की गंभीरता को सामने रखते हैं। बीते आठ महीनों में 846 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की ड्रग्स जब्त किए जाने और 930 लोगों की गिरफ्तारी से स्पष्ट है कि यह कारोबार किसी छोटे गिरोह तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे संगठित नेटवर्क सक्रिय हैं। म्यांमार से आने वाले मादक पदार्थों के लिए मिजोरम का भौगोलिक क्षेत्र महत्वपूर्ण मार्ग बन गया है। लगभग 510 किलोमीटर लंबी सीमा का बड़ा हिस्सा कठिन भौगोलिक परिस्थितियों वाला है। पहाड़ी इलाकों, जंगलों और सीमावर्ती गांवों के बीच तस्कर ऐसे रास्तों का इस्तेमाल करते हैं, जहां लगातार निगरानी करना सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौतीपूर्ण होता है। यही कारण है कि सीमा सुरक्षा के साथ-साथ सीमा से जुड़े गांवों और अंदरूनी इलाकों में भी निगरानी व्यवस्था मजबूत करना जरूरी है। जांच में सामने आई तस्वीर का दूसरा पहलू भी चिंताजनक है। तस्करी की यह व्यवस्था केवल म्यांमार से भारत में ड्रग्स लाने तक सीमित नहीं बताई जा रही है। भारत से कुछ रासायनिक पदार्थ म्यांमार तक पहुंचाए जाने और वहां अवैध प्रयोगशालाओं में उनका इस्तेमाल कर मादक पदार्थ तैयार किए जाने के आरोप भी जांच में सामने आए हैं। इसके बाद तैयार नशीले पदार्थों को फिर भारत में लाने की कोशिश की जाती है। इस तरह कच्चे माल और तैयार नशीले पदार्थों की आवाजाही वाली दोतरफा आपूर्ति शृंखला तैयार हो जाती है। इस पूरे नेटवर्क को आर्थिक रूप से चलाने के लिए हवाला, म्यूल खातों और सामने से सामान्य दिखाई देने वाली कंपनियों का इस्तेमाल किए जाने की बात भी जांच एजेंसियों के सामने आई है। अलग-अलग लोगों के नाम पर बैंक खाते खोलकर उनमें रकम जमा की जाती और फिर तेजी से दूसरे खातों में स्थानांतरित कर दी जाती है। इससे धन के वास्तविक स्रोत और अंतिम लाभार्थी तक पहुंचना कठिन हो जाता है। कुछ मामलों में बड़ी रकम के लेन-देन के संकेत मिलने से यह भी पता चलता है कि मादक पदार्थों का कारोबार केवल सड़क स्तर के तस्करों तक सीमित नहीं है। म्यांमार के एक आरोपी से जुड़े बैंक खातों में करोड़ों रुपए की संदिग्ध राशि और उसके बाद जांच एजेंसी की कार्रवाई इस आर्थिक नेटवर्क की गंभीरता को दर्शाती है। संपत्ति और बैंक खातों की कुर्की जैसी कार्रवाई का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि मादक पदार्थों के कारोबार पर केवल जब्ती और गिरफ्तारी से पूरी तरह रोक लगाना कठिन है। जब तक इस कारोबार को आर्थिक रूप से कमजोर नहीं किया जाएगा, तब तक नए लोग और नए माध्यम इस अवैध धंधे में शामिल होते रहेंगे। सबसे गंभीर चिंता इसका युवाओं पर पड़ने वाला प्रभाव है। नशीले पदार्थों की उपलब्धता बढ़ने से केवल कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा नहीं होती, बल्कि परिवार, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक वातावरण भी प्रभावित होते हैं। नशे की गिरफ्त में आने वाला युवा अपनी पढ़ाई और काम से दूर हो सकता है तथा उसका भविष्य प्रभावित होता है। इसलिए ड्रग्स के खिलाफ अभियान को केवल सीमा सुरक्षा या पुलिस की कार्रवाई तक सीमित रखने के बजाय सामाजिक जागरूकता और युवाओं की भागीदारी से जोड़ना आवश्यक है। यह सवाल भी महत्वपूर्ण है कि जब सीमा पर सुरक्षा बल और अन्य एजेंसियां लगातार निगरानी करती हैं, तब इतनी बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ सीमा पार करके देश के भीतर कैसे पहुंच जाते हैं। इसका उत्तर केवल सीमा पर तैनात जवानों की संख्या बढ़ाने में नहीं है। तकनीकी निगरानी, संदिग्ध मार्गों की पहचान, खुफिया सूचनाओं का समय पर आदान-प्रदान और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय भी उतना ही जरूरी है। सीमा की संवेदनशीलता को देखते हुए निगरानी व्यवस्था में किसी भी स्तर की लापरवाही तस्करों के लिए अवसर बन सकती है। सीमा सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाले जवानों और अधिकारियों से पूरी सतर्कता, निष्पक्षता और जवाबदेही की अपेक्षा स्वाभाविक है। साथ ही सीमावर्ती क्षेत्रों के स्थानीय लोगों को भी इस लड़ाई का भागीदार बनाया जाना चाहिए। ग्रामीणों को तस्करी के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने के सुरक्षित माध्यम उपलब्ध कराने से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हो सकती है।

सीट नहीं, सियासी जीत की लड़ाई, कांग्रेस-सपा को गठबंधन के भीतर विश्वास की जरूरत

सौरभ वार्ष्णेय

समझ नहीं आता कि राजनीतिक पार्टी हर बार चुनाव से पहले कसमस में क्यों उलझ कर रह जाती है। जहां एक ओर आगामी युवा देश की कमान ऐसे नेता को सौंपना चाहता है जो उनका नेतृत्व कर सकें। वहीं चुनाव पूर्व रणनीति को समझने की जगह जनता के सेंटीमेंट को समझ ही नहीं पा रही ? फिर चुनाव बाद पश्याताप करते दिखाईं हैं जैसे ममता दीदी। उत्तर प्रदेश की राजनीति में चुनावी सरगर्मी बढने के साथ ही समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर जिस तरह की खींचतान सामने आ रही है, उसने विपक्षी एकता के दावों की वास्तविकता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक ओर दोनों दल भारतीय जनता पार्टी के मुकाबले मजबूत राजनीतिक चुनौती पेश करने की तैयारी में जुटे हैं, दूसरी ओर गठबंधन के भीतर सीटों की संख्या, राजनीतिक प्रभाव और नेतृत्व की प्राथमिकताओं को लेकर असहजता लगातार सामने आ रही है। सवाल केवल यह नहीं है कि सपा कितनी सीटें चाहती है और कांग्रेस कितनी सीटों पर दावा कर रही है। असली सवाल यह है कि क्या दोनों दल उस राजनीतिक समझ और परिपक्वता का परिचय दे पाएंगे, जिसकी अपेक्षा एक प्रभावी गठबंधन से की जाती है ? समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव का यह कहना कि ह्लबात सीट की नहीं, जीत की हैह्व इसके मायने अलग हैं वह समझ रहे है कि बिना गंठबंधन के कुछ नहीं हो सकता ? इस पूरे विवाद के बीच महत्वपूर्ण राजनीतिक संदेश है। उन्होंने गठबंधन की जीत को सीटों की संख्या से ऊपर रखते हुए कहा कि मकसद स्पष्ट हो तो साथ मिलकर मंजिल हासिल की जा सकती है। उनका यह संदेश सपा-कांग्रेस के बीच चल रही खींचतान के बीच एक तरह से राजनीतिक संयम की अपील भी है। लेकिन राजनीति में केवल संदेश काफी नहीं होते। संदेश को जमीन पर उतारने की इच्छाशक्ति और संगठनात्मक क्षमता भी चाहिए। यही वह बिंदु है जहां सपा-कांग्रेस गठबंधन की असली परीक्षा शुरू होती है। चुनावी गठबंधन कोई ऐसा समझौता नहीं होता जिसमें केवल सीटों का गणित बैठा दिया जाए। गठबंधन का अर्थ है कि एक-दूसरे के राजनीतिक अस्तित्व का सम्मान, साझा रणनीति, कार्यकताओं के बीच समन्वय और मतदाताओं को एक स्पष्ट संदेश। यदि शीर्ष नेतृत्व मंच पर एकता की बात करे, लेकिन स्थानीय स्तर पर दोनों दलों के नेता एक-दूसरे के खिलाफ बयान दें, तो जनता के बीच गठबंधन की विश्वसनीयता स्वाभाविक रूप से कमजोर होगी। उत्तर प्रदेश में यह खतरा और भी बड़ा है, क्योंकि यहां चुनाव केवल राजनीतिक दलों के बीच नहीं, बल्कि सामाजिक और क्षेत्रीय समीकरणों के बीच भी लड़ा जाता है। प्रत्येक सीट का अपना अलग सामाजिक समीकरण, स्थानीय नेतृत्व और राजनीतिक इतिहास होता है। ऐसे में केवल सीटों की संख्या के आधार पर फामूर्ला तैयार करना पर्याप्त नहीं होगा। यह देखना होगा कि किस क्षेत्र में किस दल का संगठन मजबूत है, किस उम्मीदवार की स्वीकार्यता अधिक है और कौन-सा प्रत्याशी विपक्षी मतों को एकजुट कर सकता है। यही वह व्यावहारिक राजनीति है जिसे समझे बिना गठबंधन का गणित कागज पर तो सुंदर दिखाई दे सकता है, लेकिन चुनावी मैदान में बिखर सकता है। भाजपा ने सपा-कांग्रेस के बीच जारी मतभेदों को अपने राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी का गठबंधन को ह्ललठबंधनह्व कहना इसी रणनीति का हिस्सा है। भाजपा के लिए विपक्षी गठबंधन के भीतर का प्रत्येक मतभेद राजनीतिक अवसर है। विपक्ष जितना अधिक एक-दूसरे के खिलाफ बोलेगा, भाजपा उतना ही यह संदेश देने की कोशिश करेगी कि उसके सामने खड़ा गठबंधन सत्ता का विकल्प बनने से पहले ही आपसी संघर्ष में उलझ गया है। भाजपा के खिलाफ लड़ाई केवल चुनावी भाषणों से नहीं जीती जा सकती। इसके लिए विपक्षी दलों को अपने भीतर की कमजोरियों पर भी विजय हासिल करनी होगी। यह विडंबना है कि जो दल लोकतंत्र, संविधान, सामाजिक न्याय और जनहित के बड़े मुद्दों को लेकर एक मंच पर आने की बात करते हैं, वे स्वयं सीटों के प्रश्न पर सार्वजनिक असहमति का प्रदर्शन करने लगें।

एकता की ताकत से जैविक खेती बनी किसानों की नई आर्थिक पहचान

जहां शुरूआत में एफपीओ का कारोबार लगभग 26 लाख रुपए था, वहीं अब यह बढ़कर करीब 1 करोड़ 39 लाख रुपए तक पहुंच गया है। यह वृद्धि केवल आंकड़ों में हुई बढ़ोतरी नहीं है, बल्कि इसके पीछे किसानों की सोच में आए बदलाव की कहानी भी है। किसानों ने समझा है कि यदि वे अपनी उपज को अलग-अलग बेचने के बजाय सामूहिक रूप से बाजार तक पहुंचाएं, तो बिचौलियों पर निर्भरता कम हो सकती है और उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त किया जा सकता है। जैविक खेती इस बदलाव का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष है। आज रासायनिक खेती से होने वाले संभावित दुष्प्रभावों को लेकर जागरूकता बढ़ रही है। मिट्टी की उर्वरता, पानी की गुणवत्ता और उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जैविक खेती का महत्व लगातार बढ़ रहा है।

कांतिलाल मांडोत
(लेखक)

खेती को केवल परंपरागत रूप से परिवार चलाने का साधन मानने के बजाय यदि उसे संगठित कारोबार का स्वरूप दिया जाए, तो किसान अपनी मेहनत का बेहतर मूल्य प्राप्त कर सकते हैं। मध्यप्रदेश के नरसिंहपुर जिले के करेली क्षेत्र के 49 गांवों के 1,637 किसानों ने सामूहिक प्रयास से इसका प्रभावी उदाहरण प्रस्तुत किया है। किसानों ने पूजा शक्ति फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन के माध्यम से खेती, प्रसंस्करण और विपणन को एक साथ जोड़कर यह साबित किया है कि एकता और संगठन के बल पर कृषि को लाभ का मजबूत माध्यम बनाया जा सकता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस पूरी पहल में जैविक खेती को विशेष स्थान दिया गया है। किसानों के इस संगठन का कारोबार पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ा है। जहां शुरूआत में एफपीओ का कारोबार लगभग 26 लाख रुपए था, वहीं अब यह बढ़कर करीब 1 करोड़ 39 लाख रुपए तक पहुंच गया है। यह वृद्धि केवल आंकड़ों में हुई बढ़ोतरी नहीं है, बल्कि इसके पीछे किसानों की सोच में आए बदलाव की कहानी भी है। किसानों ने समझा है कि यदि वे अपनी उपज को अलग-अलग बेचने के बजाय सामूहिक रूप से बाजार तक पहुंचाएं, तो बिचौलियों पर निर्भरता कम हो सकती है और उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त किया जा सकता है। जैविक खेती इस बदलाव का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष है। आज रासायनिक खेती से होने वाले संभावित दुष्प्रभावों को लेकर जागरूकता बढ़ रही है। मिट्टी की उर्वरता, पानी की गुणवत्ता और उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जैविक खेती का महत्व लगातार बढ़ रहा है। किसान भी अब धीरे-धीरे जैविक खेती की ओर आकर्षित हो रहे हैं। जैविक खेती केवल उत्पादन की पद्धति नहीं, बल्कि कृषि को टिकाऊ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे किसान प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर खेती कर सकते हैं और गुणवत्तापूर्ण कृषि उत्पादों के लिए अलग बाजार तैयार कर सकते हैं। पूजा शक्ति एफपीओ ने जैविक खेती को बढ़ावा देने के साथ किसानों की उपज को बाजार से जोड़ने का काम किया है। संगठन के माध्यम से हाथ चक्की की दाल, जैविक गुड़ तथा रबी और खरीफ की विभिन्न उपज से संबंधित गतिविधियां की जा रही हैं। पिछले दो वर्षों से शासन की ओर से समर्थन मूल्य पर मसूर और सोयाबीन की खरीदी भी की गई है। इससे किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए भटकना नहीं पड़ता और सामूहिक व्यवस्था के माध्यम से उन्हें बेहतर अवसर मिलते हैं। इस पहल की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि किसान अब केवल उपज पैदा करने तक सीमित नहीं रहना चाहते। वे बीज से लेकर प्रसंस्करण और बाजार तक अपनी भागीदारी बढ़ा रहे हैं। यही सोच कृषि क्षेत्र के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। किसान यदि अपनी उपज को प्रसंस्कृत करके बाजार में पहुंचाते हैं, तो कच्ची उपज की तुलना में अधिक मूल्य प्राप्त करने की संभावना बढ़ती है। महिलाओं द्वारा हाथ चक्की से अरहर की दाल तैयार करना इसी दिशा में आत्मनिर्भरता का उदाहरण है। इससे ग्रामीण महिलाओं के लिए भी रोजगार और आय के अवसर पैदा होते हैं। एफपीओ के कारोबार में लगातार हुई वृद्धि यह बताती है कि सामूहिक विपणन किसानों के लिए फायदे का सौदा साबित हो सकता है। अकेला किसान बाजार में सीमित मात्रा की उपज लेकर जाता है तो उसकी सौदेबाजी की क्षमता कम होती है। इसके विपरीत जब सैकड़ों किसान एक संगठन के माध्यम से अपनी उपज बाजार तक पहुंचाते हैं, तो उनकी सामूहिक शक्ति बढ़ती है। खरीदी, बिक्री, प्रसंस्करण और विपणन की बेहतर व्यवस्था से लागत कम करने और मूल्य बढ़ाने के अवसर मिलते हैं। पिछले वर्ष एफपीओ ने पहली बार अपने सदस्य किसानों को लाभांश भी वितरित किया। प्रति सदस्य 500 रुपए की दर से कुल 8 लाख 18 हजार 500 रुपए का लाभांश दिया गया। यह उपलब्धि किसानों के लिए विशेष महत्व रखती है। लाभांश का वितरण केवल आर्थिक लाभ का संकेत नहीं है, बल्कि यह इस बात का प्रमाण है कि किसान संगठन यदि पारदर्शिता और मेहनत के साथ काम करे तो सदस्य किसानों को सीधे आर्थिक लाभ पहुंचा सकता है। छोटे और सीमांत किसानों के लिए यह मॉडल और भी महत्वपूर्ण है। ऐसे किसान अक्सर अपनी उपज को तुरंत बेचने के लिए मजबूर हो जाते हैं और उन्हें बाजार में उचित मूल्य नहीं मिल पाता। सामूहिक संगठन उन्हें बाजार की जानकारी, सामूहिक खरीद और बिक्री तथा प्रसंस्करण जैसी सुविधाओं से जोड़ सकता है। इससे छूटकर खरीद में कम दाम मिलने की समस्या भी घट सकती है। किसानों को अपनी उपज का मूल्य तय करने में अधिक मजबूती मिलती है और उनकी निर्भरता बिचौलियों पर कम होती है। नरसिंहपुर जिले में 18 किसान उत्पादक संगठनों का काम करना इस दिशा में उत्साहजनक संकेत है।

सीमा पार अपराध और आर्थिक नेटवर्क की चुनौती है नेपाल सीमा

सीमा के आर-पार वैध व्यापार, रोजगार, पारिवारिक संपर्क और सामाजिक संबंधों के साथ-साथ कानूनों और सीमा प्रबंधन के प्रावधान भी लागू होते हैं। समस्या तब पैदा होती है जब इसी सहज आवागमन का इस्तेमाल किसी आपराधिक नेटवर्क द्वारा किया जाता है। किसी व्यक्ति का सामान्य आवागमन अपने आप में संदेह का आधार नहीं हो सकता है, लेकिन यदि उसके साथ अवैध धन, मादक पदार्थ, तस्करी, फर्जी दस्तावेज या संगठित अपराध का नेटवर्क जुड़ा हो तो मामला सुरक्षा एजेंसियों के लिए गंभीर हो जाता है। यही कारण है कि नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था का मूल सिद्धांत सामान्य नागरिकों की आवाजाही को बाधित किए बिना संदिग्ध गतिविधियों की पहचान करना है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

भारत और नेपाल के बीच संबंध केवल दो पड़ोसी देशों के राजनयिक संबंधों तक सीमित नहीं हैं। दोनों देशों के बीच सदियों पुराने सामाजिक, सांस्कृतिक, पारिवारिक और आर्थिक रिश्ते हैं। सीमा के दोनों ओर रहने वाले लोगों के बीच आवागमन और संपर्क सामान्य जीवन का हिस्सा रहा है। यही कारण है कि भारत-नेपाल सीमा को दुनिया की विशिष्ट अंतरराष्ट्रीय सीमाओं में गिना जाता है। लेकिन जिस खुली सीमा ने दोनों देशों के लोगों के बीच रिश्तों को सहज बनाया है, उसी व्यवस्था का दुरुपयोग आपराधिक और राष्ट्रविरोधी नेटवर्क करने की कोशिश कर सकते हैं। भारत और नेपाल के बीच लगभग 1,751 किलोमीटर लंबी सीमा है, जो उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और सिक्किम से होकर गुजरती है। गृह मंत्रालय के अनुसार यह भारत की महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय सीमाओं में शामिल है। यह सीमा पारंपरिक अर्थों में पूरी तरह बाड़ से घिरी सीमा जैसी नहीं है। इसलिए इसकी सुरक्षा का स्वरूप भी अलग है। यहां चुनौती केवल घुसपैठ रोकने की नहीं है, बल्कि वैध आवाजाही और अवैध गतिविधियों के बीच अंतर करने की है। यही वजह है कि नेपाल सीमा की संवेदनशीलता को समझने के लिए सुरक्षा के साथ-साथ अर्थव्यवस्था, स्थानीय सामाजिक तंत्र, व्यापार, तस्करी और वित्तीय अपराधों को भी समझना जरूरी है। भारत-नेपाल सीमा की सबसे बड़ी विशेषता इसकी खुली प्रकृति है। दोनों देशों के बीच लोगों की आवाजाही का ऐतिहासिक और संस्थागत आधार है। भारत सरकार के दस्तावेजों में भी भारत-नेपाल सीमा को खुली सीमा के रूप में वर्णित किया गया है। गृह मंत्रालय ने अतीत में स्पष्ट किया है कि इस सीमा की खुली प्रकृति के कारण आतंकवादियों और अपराधियों द्वारा इसके दुरुपयोग को रोकना एक सुरक्षा चुनौती है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि खुली सीमा का अर्थ कानूनविहीन सीमा नहीं है। सीमा के आर-पार वैध व्यापार, रोजगार, पारिवारिक संपर्क और सामाजिक संबंधों के साथ-साथ कानूनों और सीमा प्रबंधन के प्रावधान भी लागू होते हैं। समस्या तब पैदा होती है जब इसी सहज आवागमन का इस्तेमाल किसी आपराधिक नेटवर्क द्वारा किया जाता है। किसी व्यक्ति का सामान्य आवागमन अपने आप में संदेह का आधार नहीं हो सकता है, लेकिन यदि उसके साथ अवैध धन, मादक पदार्थ, तस्करी, फर्जी दस्तावेज या संगठित अपराध का नेटवर्क जुड़ा हो तो मामला सुरक्षा एजेंसियों के लिए गंभीर हो जाता है। यही कारण है कि नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था का मूल सिद्धांत सामान्य नागरिकों की आवाजाही को बाधित किए बिना संदिग्ध गतिविधियों की पहचान करना है। नेपाल सीमा की भौगोलिक प्रकृति भी इसकी सुरक्षा को जटिल बनाती है। यह सीमा पांच राज्यों से जुड़ी है और प्रत्येक क्षेत्र की सामाजिक, आर्थिक तथा भौगोलिक परिस्थितियां अलग हैं। गृह मंत्रालय के अनुसार 1,751 किलोमीटर की सीमा उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और सिक्किम से लगती है। कहीं पहाड़ी क्षेत्र हैं, कहीं मैदानी इलाका है और कहीं घनी आबादी तथा व्यापारिक गतिविधियां सीमा के बेहद करीब हैं। बिहार में तो सीमा के दोनों ओर लंबे समय से सामाजिक और आर्थिक संपर्क कायम है। इस तरह की सीमा पर केवल चौकियां बढ़ा देना पर्याप्त नहीं होता है। सुरक्षा व्यवस्था में स्थानीय जानकारी, तकनीक, खुफिया सूचनाओं, पुलिस-प्रशासन के समन्वय और दोनों देशों की एजेंसियों के बीच सहयोग की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। भारत-नेपाल सीमा की सुरक्षा में सशस्त्र सीमा बल यानि एसएसबी की प्रमुख भूमिका है। एसएसबी को भारत-नेपाल सीमा के लिए लीड इंटेलिजेंस एजेंसी की जिम्मेदारी भी दी गई है। उसके आधिकारिक विवरण के अनुसार बल का दायित्व सीमापार अपराध, अनधिकृत प्रवेश या निकास, तस्करी और अन्य अवैध गतिविधियों को रोकना है। इससे स्पष्ट होता है कि सीमा सुरक्षा केवल हथियारबंद निगरानी तक सीमित नहीं है। एसएसबी को स्थानीय लोगों के साथ संपर्क बनाए रखने, सूचनाएं जुटाने और सीमापार अपराधों को रोकने की जिम्मेदारी भी निभानी होती है। नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि सीमा के दोनों ओर रहने वाले सामान्य लोगों की गतिविधियों और संगठित अपराधियों की गतिविधियों में अंतर किया जाए। खुली सीमा का दुरुपयोग केवल वित्तीय अपराधों तक सीमित नहीं है। तस्करी और मादक पदार्थों की आवाजाही भी सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौती रही है। गृह मंत्रालय के एक आधिकारिक अध्ययन में भारत-नेपाल सीमा की खुली और अपेक्षाकृत पारगम्य प्रकृति को मादक पदार्थों की सीमापार तस्करी के लिए चुनौती बताया गया है। इसमें रुपईडीहा-नेपालगंज जैसे व्यापार एवं आवागमन मार्गों का उल्लेख भी मिलता है। मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध धन का संबंध भी कई मामलों में सामने आता है। किसी संगठित नेटवर्क के लिए केवल सामान को एक देश से दूसरे देश पहुंचाना ही उद्देश्य नहीं होता; उसके पीछे धन का संग्रह, भुगतान, निवेश और धन को वैध दिखाने की प्रक्रिया भी हो सकती है। यहीं से सीमा सुरक्षा और वित्तीय निगरानी एक-दूसरे से जुड़ जाती है। हवाला का मूल उद्देश्य औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से बाहर धन का हस्तांतरण करना होता है। जब इसका इस्तेमाल वैध व्यापार या पारिवारिक जरूरतों के बजाय अपराध से अर्जित धन को एक स्थान से दूसरे स्थान पहुंचाने के लिए किया जाता है, तो यह गंभीर वित्तीय अपराध का रूप ले सकता है। सीमावर्ती क्षेत्रों में बड़ी मात्रा में नकदी का असामान्य आवागमन, संदिग्ध खातों के बीच लेन-देन, ऐसे कारोबार जिनका वास्तविक आर्थिक आधार स्पष्ट नहीं हो और अलग-अलग व्यक्तियों के बीच असामान्य वित्तीय संबंध, ये सभी संकेत जांच एजेंसियों के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं। हालांकि, केवल अचानक किसी व्यक्ति के खाते में बड़ी रकम आने या किसी क्षेत्र में आर्थिक गतिविधि बढ़ने से यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि वह गतिविधि अवैध है। इसके लिए दस्तावेज, लेन-देन का स्रोत, कारोबारी गतिविधि और संबंधित व्यक्तियों के बीच संबंधों की जांच आवश्यक होती है। यही फर्क खुफिया निगरानी और सामान्य धारणा के बीच है। आधुनिक सुरक्षा व्यवस्था में अपराधियों का पीछा केवल सीमा पर नहीं किया जाता है। धन जिस रास्ते से चलता है, उसकी निगरानी भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो गई है। यदि किसी आपराधिक नेटवर्क के पास धन का मजबूत स्रोत है, तो वह परिवहन, संचार, लोगों की भर्ती, तस्करी और दूसरे गैरकानूनी कार्यों को जारी रख सकता है। इसके विपरीत, धन के स्रोत और प्रवाह पर चोट करने से पूरे नेटवर्क की क्षमता प्रभावित हो सकती है। इसी कारण वित्तीय खुफिया जानकारी और बैंकिंग लेन-देन से जुड़ी सूचनाएं सुरक्षा तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी हैं।

वन्यजीव संरक्षण: प्रकृति के साथ भविष्य की सुरक्षा

वन्यजीव संरक्षण का पहला और सबसे स्पष्ट महत्व जैव-विविधता की रक्षा है। प्रत्येक प्रजाति पारिस्थितिक तंत्र में किसी न किसी भूमिका का निर्वहन करती है। किसी प्रजाति का विलुप्त होना केवल एक जीव के समाप्त होने की घटना नहीं होती, बल्कि उसके साथ जुड़ी अनेक जैविक प्रक्रियाएँ भी प्रभावित हो सकती हैं। ग्रेट इंडियन बस्टर्ड जैसी गंभीर रूप से संकटग्रस्त प्रजाति का संरक्षण इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके अस्तित्व के साथ उसके पूरे घासभूमि आवास का संरक्षण जुड़ा हुआ है।

डॉ. सत्यवान सौरभ
(लेखक)

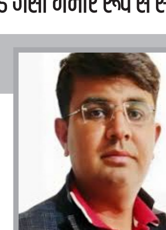

वन्यजीव किसी देश की प्राकृतिक संपदा भर नहीं होते, बल्कि वे उसके पारिस्थितिक तंत्र की जीवंत कड़ियाँ हैं। जंगल, घासभूमि, आर्द्रभूमि, नदियाँ और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र तभी संतुलित रह सकते हैं, जब उनमें रहने वाली विभिन्न प्रजातियाँ सुरक्षित रहें। भारत जैव-विविधता की दृष्टि से दुनिया के महत्वपूर्ण देशों में शामिल है। यहाँ हिमालय से लेकर पश्चिमी घाट, थार के मरुस्थल से लेकर सुंदरबन और अंडमान-निकोबार तक विविध प्रकार के आवास पाए जाते हैं। ऐसे में वन्यजीव संरक्षण केवल कुछ दुर्लभ प्रजातियों को बचाने का प्रयास नहीं, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों और मानव जीवन की सुरक्षा का भी प्रश्न है। राजस्थान में कैद में पाले गए ग्रेट इंडियन बस्टर्ड यानी गोडावण को वैज्ञानिक तरीके से पुनः प्राकृतिक आवास में स्थापित करने के प्रयास इस बात का उदाहरण हैं कि भारत अब संरक्षण में पारंपरिक उपायों के साथ वैज्ञानिक हस्तक्षेपों को भी महत्व दे रहा है। वन्यजीव संरक्षण का पहला और सबसे स्पष्ट महत्व जैव-विविधता की रक्षा है। प्रत्येक प्रजाति पारिस्थितिक तंत्र में किसी न किसी भूमिका का निर्वहन करती है। किसी प्रजाति का विलुप्त होना केवल एक जीव के समाप्त होने की घटना नहीं होती, बल्कि उसके साथ जुड़ी अनेक जैविक प्रक्रियाएँ भी प्रभावित हो सकती हैं। ग्रेट इंडियन बस्टर्ड जैसी गंभीर रूप से संकटग्रस्त प्रजाति का संरक्षण इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके अस्तित्व के साथ उसके पूरे घासभूमि आवास का संरक्षण जुड़ा हुआ है। इसी प्रकार बाघ के संरक्षण ने भारत में बड़े वन क्षेत्रों, शिकार प्रजातियों और संपूर्ण खाद्य-श्रृंखला की सुरक्षा को बढ़ावा दिया है। इसलिए किसी ह्यछत्र प्रजातिह्व का संरक्षण अनेक अन्य प्रजातियों के लिए भी सुरक्षा कवच बन सकता है। वन्यजीव पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिकारी प्रजातियाँ शाकाहारी जीवों की संख्या को नियंत्रित करती हैं, परागणकर्ता पौधों के प्रजनन में सहायता करते हैं और अनेक पक्षी तथा छोटे जीव बीजों के प्रसार में योगदान देते हैं। यदि खाद्य-श्रृंखला की एक महत्वपूर्ण कड़ी कमजोर हो जाए तो उसका प्रभाव पूरे पारिस्थितिक तंत्र पर पड़ सकता है। स्वस्थ वन और घासभूमियाँ जल संरक्षण, मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने और कार्बन को अवशोषित करने में भी योगदान देती हैं। इस प्रकार वन्यजीव संरक्षण जलवायु और पर्यावरणीय सुरक्षा से भी सीधे जुड़ा हुआ है। वन्यजीवों का संरक्षण मानव समाज के लिए अनेक पारिस्थितिकी सेवाएँ भी सुनिश्चित करता है। वनों और आर्द्रभूमियों का संरक्षण जल को संचित करने, भूजल पुनर्भरण, बाढ़ नियंत्रण और तापमान को संतुलित करने में सहायता करता है। मधुमक्खियों, तितलियों और अन्य परागणकर्ताओं का संरक्षण कृषि उत्पादकता से जुड़ा है। इसी प्रकार प्राकृतिक आवास कार्बन भंडारण में योगदान देकर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में सहायता करते हैं। इसलिए प्रकृति की रक्षा को केवल पर्यावरणीय दायित्व समझना पर्याप्त नहीं; यह खाद्य, जल और आजीविका की सुरक्षा का भी आधार है। वन्यजीव संरक्षण का आर्थिक महत्व भी कम नहीं है। राष्ट्रीय उद्यान, अभयारण्य और टाइगर रिजर्व प्रकृति-आधारित पर्यटन को बढ़ावा देते हैं, जिससे स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार और आय के अवसर पैदा होते हैं। यदि पर्यटन का विकास स्थानीय लोगों की भागीदारी और पर्यावरणीय सीमाओं के अनुरूप किया जाए तो संरक्षण और आजीविका एक-दूसरे के पूरक बन सकते हैं। इसके अतिरिक्त वन्यजीव भारत की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत का हिस्सा हैं। आने वाली पीढ़ियों को बाघ, हाथी, गोडावण, गैंडा, सिंह और अनेक पक्षी-प्रजातियाँ उसी प्राकृतिक परिवेश में दिखाई दें, यह हमारी पीढ़ी की जिम्मेदारी है। हालाँकि वन्यजीव संरक्षण के सामने चुनौतियाँ गंभीर हैं। सबसे बड़ी चुनौती आवासों का क्षरण और विखंडन है। बढ़ती आबादी, कृषि विस्तार, खनन, सड़क, रेल, उद्योग और अन्य आधारभूत परियोजनाओं के कारण वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास सिकुड़ रहे हैं। अलग-अलग हिस्सों में बँट चुके जंगल जानवरों की आवाजाही और प्रजनन को प्रभावित करते हैं। विशेष रूप से हाथी, बाघ और तेंदुए जैसी बड़ी प्रजातियों के लिए वन्यजीव गलियारों का सुरक्षित रहना आवश्यक है। आधुनिक आधारभूत ढाँचा विकास के साथ एक नई चुनौती भी सामने आई है। सड़क और रेल दुर्घटनाएँ, विद्युत लाइनों से टकराव तथा ऊर्जा अवसंरचना कई पक्षी और अन्य वन्यजीव प्रजातियों के लिए खतरा बन सकती है। ग्रेट इंडियन बस्टर्ड इसका महत्वपूर्ण उदाहरण है। इसके संरक्षण के लिए केवल पक्षियों की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा; उसके प्राकृतिक आवास में मौजूद खतरों को भी कम करना होगा। इससे स्पष्ट होता है कि संरक्षण नीति को प्रजाति-केंद्रित होने के साथ-साथ लैंडस्केप-केंद्रित भी होना चाहिए। मानव-वन्यजीव संघर्ष भी संरक्षण के सामने बड़ी चुनौती है। जब हाथी खेतों में प्रवेश करते हैं, तेंदुए आबादी के निकट दिखाई देते हैं या जंगली जानवर फसलों को नुकसान पहुँचाते हैं, तो स्थानीय लोगों के सामने वास्तविक आर्थिक और सुरक्षा संबंधी समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। यदि संरक्षण का लाभ स्थानीय समुदायों तक नहीं पहुँचता, तो संरक्षण के प्रति असंतोष पैदा हो सकता है। इसी तरह अवैध शिकार और वन्यजीवों की तस्करी कुछ प्रजातियों के लिए लगातार खतरा बनी हुई है। जलवायु परिवर्तन इस चुनौती को और जटिल बनाता है क्योंकि तापमान और वर्षा के बदलते पैटर्न से कई प्रजातियों के पारंपरिक आवास प्रभावित हो रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

मुरादाबाद में तेंदुआ पिंजरे में कैद, अब तक 25 पकड़े जा चुके

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश में मुरादाबाद जनपद में तहसील ठाकुरद्वारा रेंज के अन्तर्गत ग्राम राजूपुर मिलक में मंगलवार को एक तेंदुआ ट्रैप केज के माध्यम से सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया गया है। जनपद में पिंजरे के माध्यम से रेस्क्यू किया जाने वाला यह 25वाँ तेंदुआ है। जिलाधिकारी अनुज्ञा झा ने बताया कि संवेदनशीलता के दृष्टिकोण से वन विभाग की देखरेख में रेस्क्यू टीम लगातार सक्रिय है। साथ ही प्रशासनिक स्तर से पूरे संवेदनशील क्षेत्र के अंतर्गत ग्रामों में सतर्कता एवं जागरूकता के लिए चौपालें आयोजित की जा रही हैं। वन विभाग की रेस्क्यू टीम को मुरादाबाद के तहसील ठाकुरद्वारा रेंज के अन्तर्गत ग्राम राजूपुर मिलक ठाकुरद्वारा के ग्राम शेरपुर पट्टी में मंगलवार सुबह 11 बजे एक तेंदुआ पिंजरे में कैद हो जाने की सूचना मिली। जिसके बाद वन विभाग की टीम ने पहुंचकर उसे अपने कब्जे में लिया। तेंदुए के पिंजरे में कैद हो जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। अब उसके शारीरिक परीक्षण के बाद घने जंगल में छोड़ा जाएगा, ताकि वह दोबारा गांव की ओर न आ सके।

वाराणसी : वरुणा नदी में उतराता मिला युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

वाराणसी। लोहता थाना क्षेत्र के कोटवां-टडिया गांव के पास मंगलवार सुबह वरुणा नदी में एक अज्ञात व्यक्ति का शव उतराता मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। नदी में शव दिखाई देने पर आसपास के ग्रामीणों की मौके पर भीड़ जुट गई। लोगों ने तत्काल घटना की सूचना लोहता पुलिस को दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शव नदी के पानी में औंधे मुंह पड़ा था। मृतक की उम्र करीब 40 वर्ष बताई जा रही है। सूचना मिलते ही लोहता थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नदी से बाहर निकलवाने की कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने आसपास मौजूद लोगों से शव की पहचान कराने का भी प्रयास किया, लेकिन तत्काल उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के गांवों में भी चर्चा फैल गई। पुलिस ने शव की पहचान कराने के लिए आसपास के थानों से भी संपर्क करने की तैयारी शुरू कर दी है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि व्यक्ति की मौत कैसे और किन परिस्थितियों में हुई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार शव को बाहर निकालने के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस मामले की जांच के साथ मृतक की पहचान कराने में जुटी है।

वाराणसी : आराध्य की तस्वीर को लेकर हंगामा, रनवे से लौटाया विमान, लेट हुई फ्लाइट

वाराणसी। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से दिल्ली जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान में सोमवार सुबह आराध्य की तस्वीर को लेकर विवाद हो गया। विमान में सवार एक यात्री ने केबिन में तस्वीर रखने को लेकर आपत्ति जताई, जिसके बाद हंगामा शुरू हो गया। स्थिति बिगड़ने पर विमान को रनवे से वापस एप्रन पर लाना पड़ा। यात्री को विमान से उतारने के बाद ही उड़ान दिल्ली के लिए रवाना हो सकी। एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान आईएक्स-1253 को वाराणसी से दिल्ली के लिए सुबह करीब 8:20 बजे रवाना होना था। विमान में सवार एक यात्री अपने साथ आराध्य की तस्वीर लेकर आया था। विमान के रनवे पर पहुंचने के बाद कू मेंबर की नजर तस्वीर पर पड़ी। उसने इसे लेकर आपत्ति जताई और तस्वीर को केबिन में रखने के लिए कहा। हालांकि यात्री तस्वीर केबिन में रखने को तैयार नहीं हुआ। इसको लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई। यात्री ने आराध्य की तस्वीर केबिन में रखकर विमान से यात्रा करने से इनकार कर दिया। ऐसे में विमान को रनवे से एप्रन पर लाना पड़ा। यात्री को उतारने के बाद विमान रवाना हो सका।

गंगा का जलस्तर 25 सेंटीमीटर घटा, चेतावनी बिंदु से नीचे आया पानी

कानपुर। गंगा के जलस्तर में मंगलवार को गिरावट दर्ज की गई। कानपुर बैराज के अपस्ट्रीम में पानी का स्तर सोमवार के मुकाबले 25 सेंटीमीटर घटकर 113.980 मीटर पर पहुंच गया। इससे जलस्तर चेतावनी बिंदु 114 मीटर से दो सेंटीमीटर नीचे आ गया है। डाउनस्ट्रीम में भी 24 सेंटीमीटर की गिरावट दर्ज की गई। शुक्लागंज में गंगा का जलस्तर 23 सेंटीमीटर कम हुआ है। हालांकि, गंगा के जलस्तर में गिरावट के बावजूद प्रशासन की ओर से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। अपस्ट्रीम में सोमवार को गंगा का जलस्तर 114.230 मीटर दर्ज किया गया था, जो मंगलवार को घटकर 113.980 मीटर रह गया। सोमवार को पानी चेतावनी बिंदु से 23 सेंटीमीटर ऊपर था, जबकि मंगलवार को यह दो सेंटीमीटर नीचे पहुंच गया। डाउनस्ट्रीम में सोमवार को जलस्तर 113.820 मीटर था, जो मंगलवार को घटकर 113.580 मीटर रह गया। बैराज से पानी का बहाव भी कम हुआ है। सोमवार को 3,62,559 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा था, जबकि मंगलवार को यह घटकर 3,34,710 क्यूसेक रह गया।

आकाश आनंद शादी के पहले ठीक थे, ससुर की वजह से 4 बार बसपा से निकालना पड़ा : मायावती

प्रातः किरण संवाददाता

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने भतीजे आकाश आनंद के संबंध में मीडिया में चल रही खबरों को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि शादी से पहले कभी भी आकाश आनंद को पार्टी से बाहर नहीं किया गया। लेकिन शादी के बाद ससुर अशोक सिद्धार्थ की वजह से उन्हें कई बार पार्टी से बाहर निकालने का ठोस कदम उठाना पड़ा। लेकिन अब उन्होंने एक बार फिर आकाश पर भरोसा जताया है कि वह उनकी उम्मीद पर खरे उतरेंगे। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने मंगलवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि, आकाश आनंद को बसपा में वापस लेकर उन्हें पार्टी का पुनः राष्ट्रीय संयोजक बनाकर उनको पार्टी के कार्यों में लगा दिया गया है। आगे कहा कि आज अधिकांश मीडिया में इस बात को काफी बढ़ा-चढ़ाकर लिखा है कि आकाश आनन्द को चार बार पार्टी से निकाला गया है। लेकिन मैं इस संबंध में अवगत कराना चाहती हूं कि आकाश आनन्द की शादी होने के पहले से ही वे पार्टी में काफी सक्रिय भूमिका निभा रहे थे, जिसकी वजह से इनको पार्टी से कभी भी नहीं निकाला गया है। लेकिन इनका रिश्ता अशोक सिद्धार्थ के साथ होने के बाद से फिर इन्होंने अपने खुद के स्वार्थ में आकाश आनन्द की इमेज को काफी कुछ खराब करने का प्रयास किया है। इसके कारण आकाश आनन्द में सुधार लाने के उद्देश्य से इनको पार्टी से कई बार निकालना भी पड़ा और गलती का एहसास होने के बाद फिर इनको वापस भी लेना पड़ा है। मायावती ने कहा कि उन्हें भरोसा है कि अशोक सिद्धार्थ के संन्यास लेने के बाद से अब ऐसी कोई भी स्थिति पैदा नहीं होनी चाहिये कि पार्टी को फिर से इनको अलग करना पड़े। आगे कहा कि जिस प्रकार से आकाश शादी से पहले पार्टी को कभी भी कोई शिकायत का मौका नहीं दिया है, जिसके कारण इनको कभी भी पार्टी से निकालना नहीं पड़ा है और अब अशोक सिद्धार्थ के संन्यास लेने के बाद तो कोई सवाल ही पैदा नहीं होता है कि इनको अब आगे कभी भी पार्टी से निकालने की जरूरत पड़ेगी और अब वे राजनीति में आगे ही बढ़ेंगे, ऐसी सभी को पूरी-पूरी उम्मीद भी है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में एबीवीपी की चिंतन चौपाल

प्रातः किरण संवाददाता

लखनऊ। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) लखनऊ विश्वविद्यालय इकाई द्वारा मंगलवार को आयोजित ह्रचिंतन चौपालह्व के छठे संवाद का सफल आयोजन किया गया। इस बार संवाद का मुख्य विषय ह्रवैचारिक कार्यप्रणाली एवं सामाजिक क्षतिह्व रहा, जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस वैचारिक गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में राजनीति विज्ञान संकाय के सहायक आचार्य डॉ. जितेन्द्र शुक्ला मौजूद रहे। उन्होंने छात्रों व शोधार्थियों के साथ विचारधारा, वैचारिक कार्यप्रणाली और समाज पर पड़ने वाले उसके विभिन्न प्रभावों पर गहराई से चर्चा की। दिमागी नक्सलवाद और सामाजिक प्रभाव पर विमर्श संवाद के दौरान समाज में पनप रहे दिमागी नक्सलवाद की अवधारणा, उसके वैचारिक आधार और काम करने के तरीकों पर विस्तार से विमर्श किया गया। चर्चा में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि किस प्रकार विचारों के प्रसार की कुछ प्रक्रियाएँ समाज और सार्वजनिक जीवन पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं। डॉ. शुक्ला और उपस्थित छात्रों ने इस बात को रेखांकित किया कि उग्र वैचारिक ध्रुवीकरण, संस्थागत अविश्वास और सामाजिक तनाव किस तरह बड़े पैमाने पर समाज में असहमति, आपसी संघर्ष और अव्यवस्था को जन्म दे सकते हैं। इस बौद्धिक विमर्श को समृद्ध बनाने में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से आए शोधार्थियों और छात्र-छात्राओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने विषय से जुड़े कई तीखे व तार्किक प्रश्न पूछे और अपने दृष्टिकोण साझा किए, जिससे यह संवाद बेहद जीवंत और ज्ञानवर्धक रहा।

यातायात नियम बोझ नहीं, जीवन की सुरक्षा का कवच : अमित कुमार श्रीवास्तव

प्रातः किरण संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश में गोरखपुर जिले के गंगोत्री देवी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं गंगोत्री देवी स्कूल ऑफ नर्सिंग में मंगलवार को यातायात जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक यातायात अमित कुमार श्रीवास्तव ने छात्राओं को यातायात नियमों, सड़क सुरक्षा और जिम्मेदार नागरिक के रूप में उनकी भूमिका के प्रति जागरूक किया। पुलिस अधीक्षक यातायात ने कहा कि यातायात नियम केवल चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि जीवन बचाने के लिए बनाए गए हैं। सड़क पर बरती गई कुछ क्षणों की असावधानी स्वयं के साथ पूरे परिवार के लिए आजीवन पीड़ा का कारण बन सकती है। उन्होंने दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने तथा नशे की अवस्था में वाहन न चलाने की अपील की। उन्होंने छात्राओं से कहा कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करने के साथ अपने परिवार, मित्रों और समाज के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। ह्रसड़क पर अनुशासन ही सुरक्षित घर वापसी की सबसे बड़ी गारंटी है। ह्र उन्होंने कहा कि युवा यदि सड़क सुरक्षा को अपनी आदत और संस्कार का हिस्सा बना लें तो बड़ी संख्या में दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। कार्यक्रम में यातायात उपनिरीक्षक मनोज कुमार राय ने यातायात संकेतों, सड़क पार करने के सुरक्षित तरीकों और दुर्घटना की स्थिति में बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी। यातायात मित्र संजय श्रीवास्तव ने भी छात्राओं को जन-जागरूकता में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय के प्रबंध निदेशक आशुतोष मिश्र ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम का ज्ञान देना नहीं, बल्कि उन्हें जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक बनाना भी है। उन्होंने कहा, ह्रसड़क सुरक्षा किसी एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जीवन के प्रति हमारी सामूहिक जवाबदेही है। एक विद्यार्थी यातायात नियमों के प्रति जागरूक होता है तो उसके माध्यम से पूरा परिवार जागरूक होता है। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. पूनम शुक्ला ने कहा कि यातायात अनुशासन को व्यवहार में उतारना आवश्यक है। उप प्राचार्य डॉ. प्रियंका त्रिपाठी ने छात्राओं से कार्यक्रम में मिली जानकारी को समाज तक पहुंचाने का आह्वान किया। नर्सिंग विभाग के प्रधानाचार्य प्रकाश सिंह चौधरी ने कहा कि नर्सिंग विद्यार्थी स्वास्थ्य और जीवन रक्षा से सीधे जुड़े होते हैं, इसलिए सड़क सुरक्षा के प्रति उनकी जागरूकता का सामाजिक महत्व और भी अधिक है। इस अवसर पर डॉ. सीमा श्रीवास्तव, डॉ. सुषमा मिश्रा, डॉ. रेनू गौर, डॉ. प्रत्या उपाध्याय, डॉ. कुमुद त्रिपाठी, डॉ. संगीता पांडेय, डॉ. युगेश यादव, डॉ. गरिमा सिंह, पूनम साहनी एवं अलका चौधरी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं ने स्वयं यातायात नियमों का पालन करने और अपने आसपास के लोगों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।

वाराणसी: महिला महाविद्यालय में तीन दिवसीय मोती संवर्धन में व्यावहारिक कौशल कार्यशाला का शुभारंभ

प्रातः किरण संवाददाता

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के महिला महाविद्यालय में जंतु विज्ञान विभाग के सभागार में मंगलवार को प्लेसमेंट एवं इंटर्नशिप सेल के तत्वावधान में छात्राओं के लिए ह्रमोती संवर्धन में व्यावहारिक कौशलह्व विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला (6 से 8 अक्टूबर) का शुभारंभ हुआ। आज के दिन संपन्न हुए सत्र में मोती कार्यशाला में भाग लेने वाली छात्राओं ने अपनी पूरी रुचि दिखाई। विषय विशेषज्ञ और प्रशिक्षक अशोक मनवानी ने कहा कि मोती सच्ची और अच्छी दोनों की पहचान करनी कठिन है। मोती संवर्धन में व्यावहारिक कौशल लेकर अपना भविष्य सुरक्षित कर सकते हैं। बहुत आवश्यक है कि विषय को गंभीरता से सुना और समझा जाए। इससे पहले तीन दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में प्राचार्या प्रो. रीता सिंह ने अध्यक्षता किया। कार्यशाला की संयोजक प्रो. सुनीता सिंह ने प्रतिभागियों को कार्यक्रम के उद्देश्यों और इसके महत्व के बारे में जानकारी दी। वहीं, प्रोफेसर -इन-चार्ज प्लेसमेंट एवं इंटर्नशिप सेल, एमएमवी, बीएचयू, प्रो. नीलम श्रीवास्तव तथा समन्वयक प्रो. रिचा रघुवंशी ने प्रतिभागियों को प्रेरित व प्रोत्साहित किया और स्वरोजगार के अवसरों एवं उद्यमिता के विषय में बताया। इस अवसर पर आयोजन सचिव डॉ. उषा कुमारी और डॉ. गणेश कुमार मौर्य भी उपस्थित रहे।

पूर्व चेयरमैन मनोज धामा ने विधायक के बयान पर किया पलटवार, घेरा विकास के मुद्दों पर

प्रातः किरण संवाददाता

लोनी। स्थानीय विधायक नंदकिशोर गुर्जर द्वारा कैराना सांसद इकरा हसन को लेकर दिए गए बयान पर पूर्व चेयरमैन मनोज धामा ने अपनी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने विधायक पर विकास के मुद्दों से ध्यान हटाकर जातिवादी एवं व्यक्तिगत टिप्पणियों की राजनीति करने का आरोप लगाया। मनोज धामा ने कहा कि लोनी की जनता को विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े सवालों पर जवाब चाहिए। उनके अनुसार, विधायक को इन मुद्दों पर अपनी उपलब्धियां बताने के बजाय विवादित बयानबाजी से बचना चाहिए। पूर्व चेयरमैन ने आरोप लगाया कि लोनी के सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक उपकरण, मशीनरी और दवाओं की उपलब्धता को लेकर समस्याएं हैं, जिसके कारण आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने तमाम व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति की समीक्षा और आवश्यक सुधार किए जाने की मांग की। लोनी में महिला डिग्री कॉलेज का मुद्दा उठाते हुए धामा ने कहा कि कॉलेज की स्थापना के बावजूद वहां शिक्षण कार्य शुरू नहीं होने से क्षेत्र की छात्राओं को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने संबंधित विभाग से कॉलेज में जल्द से जल्द शैक्षणिक गतिविधियां शुरू कराने की मांग की। बिजली व्यवस्था को लेकर भी मनोज धामा ने विधायक के दावों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि लोनी में जितने बिजलीघरों का दावा किया जा रहा है, उनकी वास्तविक संख्या और स्थिति सार्वजनिक की जानी चाहिए, ताकि जनता के सामने सच्चाई स्पष्ट हो सके। मनोज धामा ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को व्यक्तिगत टिप्पणियों के बजाय अपने क्षेत्र में हुए विकास कार्यों का लेखा-जोखा जनता के सामने रखना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि विवादित बयानों के माध्यम से जनता का ध्यान स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली और विकास से जुड़े वास्तविक मुद्दों से हटाने का प्रयास किया जा रहा है। इकरा हसन को लेकर विधायक की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए धामा ने कहा कि किसी भी जनप्रतिनिधि के लिए आपसी राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन व्यक्तिगत जीवन और वैवाहिक स्थिति को लेकर टिप्पणी करना सरासर गलत है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में रहने वाले लोगों को एक-दूसरे के प्रति सम्मानजनक भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने विधायक की भाषा और राजनीतिक शैली पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यदि विकास कार्यों को लेकर कोई दावा किया जाता है तो उसे आंकड़ों और सरकारी रिकॉर्ड के साथ जनता के सामने रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोनी की जनता अब आरोप-प्रत्यारोप के बजाय ठोस विकास और बुनियादी सुविधाओं पर जवाब चाहती है। हालांकि, विधायक नंदकिशोर गुर्जर की ओर से सांसद इकरा हसन पर की गई टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह सब संस्कारी नहीं है इसलिए घटिया मानसिकता रखते हुए इस तरह की जातिवादी टिप्पणियों कर लोगों को जातिवाद में उलझाने का प्रयास है।

अस्पताल फार्मेसियों में सार्वजनिक होगी दवाओं की खरीद-बिक्री कीमत

प्रातः किरण संवाददाता

लखनऊ। मरीजों को दवाओं की कीमतों को लेकर अधिक पारदर्शी जानकारी उपलब्ध कराने की दिशा में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश ने एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। विभाग ने सभी रिटेल फार्मेसियों को अपनी पब्लिक वेबसाइट तैयार करने और उस पर फार्मेसी से जुड़ी जरूरी सूचनाएं सार्वजनिक करने के निर्देश दिए हैं। वहीं अस्पताल परिसरों में संचालित फार्मेसियों को मरीजों के हित में दवाओं की खरीद दर और बिक्री दर के आधार पर मूल्य सूची प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए हैं। इस व्यवस्था का पालन 1 नवंबर 2026 से किया जायेगा। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन एवं सचिव डॉ. रोशन जैकब की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है कि पूर्व में जारी कार्यालय आदेश के तहत सभी रिटेल फार्मेसियों को अपनी एक सार्वजनिक वेबसाइट बनाते हुए उस पर लाइसेंस संख्या, नियुक्त फार्मासिस्ट, लाइसेंसी परिसर तथा स्टॉक संबंधी विवरण प्रदर्शित करना होगा। वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी को साप्ताहिक रूप से अपडेट भी करना होगा। अस्पताल फार्मेसियों में मरीजों के हित में मूल्य पारदर्शिता विभाग ने अस्पतालों में संचालित फार्मेसियों को लेकर विशेष निर्देश जारी किए हैं। अस्पताल परिसर में स्थित ऐसी फार्मेसियां जहां मरीजों के पास दवाएं या अन्य चिकित्सा संबंधी उत्पाद खरीदने के लिए व्यावहारिक विकल्प उपलब्ध नहीं होता, वहां मरीजों के हित में दवाओं की वास्तविक खरीद दर और बिक्री दर के आधार पर मूल्य सूची प्रदर्शित करनी होगी। इस कदम का उद्देश्य दवाओं की कीमतों में पारदर्शिता बढ़ाना और मरीजों को यह जानकारी उपलब्ध कराना है कि किसी दवा किस कीमत पर खरीदी गई और किस कीमत पर मरीज को उपलब्ध कराई जा रही है। वेबसाइट पर होगी फार्मेसी की पूरी जानकारी यूपीएफएसडीए के निर्देश के अनुसार रिटेल फार्मेसियों की सार्वजनिक वेबसाइट पर लाइसेंस नंबर, नियुक्त फार्मासिस्ट, लाइसेंसी परिसर और स्टॉक संबंधी विवरण उपलब्ध कराया जाना है।

खेल सुविधाओं के लिए पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति ने खेल मंत्री को सौंपा प्रस्ताव

प्रातः किरण संवाददाता

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं विकसित करने के उद्देश्य से मंगलवार को कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव से मुलाकात कर मांगपत्र सौंपा। खेल मंत्री ने प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए खेल सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण में सहयोग का आश्वासन दिया। कुलपति प्रोफेसर राकेश कुमार सिंह ने विश्वविद्यालय परिसर में आधुनिक सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक की स्थापना तथा एकलव्य स्टेडियम के क्रिकेट मैदान के उच्चीकरण और नवीनीकरण के लिए वित्तीय एवं विभागीय स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध महाविद्यालयों में तीन लाख से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। विश्वविद्यालय ने देश को कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दिए हैं, जिनमें हॉकी खिलाड़ी कोथाजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित राजकुमार पाल और अंतरराष्ट्रीय स्टीपलचेज एथलीट पारुल चौधरी प्रमुख हैं। कुलपति ने कहा कि मानक स्तर के सिंथेटिक ट्रैक के अभाव में खिलाड़ियों को आधुनिक अभ्यास में कठिनाई होती है। ट्रैक बनने से नई खेल प्रतिभाओं को बेहतर प्रशिक्षण देने के साथ अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालयीय एथलेटिक प्रतियोगिताओं के आयोजन में भी सुविधा होगी।

हाईवे किनारे नीम के पेड़ से फंदे पर लटका मिला युवक का शव

कानपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद कानपुर में अरौल थाना क्षेत्र अंतर्गत कानपुर-अलीगढ़ हाईवे किनारे हिंदूपुर मोड़ के पास मंगलवार को एक युवक का शव नीम के पेड़ से फंदे पर लटका मिला। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की पड़ताल में जुट गई है। जांच के दौरान पुलिस को घटनास्थल से एक पर्स, मोबाइल फोन, ट्रेन का टिकट समेत कुछ अन्य दस्तावेज रखे मिले। मोबाइल फोन की जांच के आधार पर मृतक की पहचान कन्नौज के छिबरामऊ क्षेत्र स्थित रतनपुर गांव निवासी राजेश सिंह (42) के रूप में हुई।

बांदा : नीति आयोग की टीम ने आकांक्षी विकासखंड का भ्रमण किया, जैविक ग्राम में खेती देखी

-प्राकृतिक खेती और देशी बीज संरक्षण की पहल को सराहा

प्रातः किरण संवाददाता

बांदा। उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा में नीति आयोग की टीम के भ्रमण कार्यक्रम के तहत राज्य के सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के विशेष सचिव रणविजय यादव ने बिसंडा रोड स्थित जैविक ग्राम में किसान बोधम्म्य किसान उत्पादक कंपनी के कार्यों का मंगलवार को जायजा लिया। उन्होंने किसानों के साथ मिलकर प्राकृतिक खेती, देशी बीजों के संरक्षण, उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली और इनकी सराहना की। भ्रमण की शुरुआत किसान उत्पादक कंपनी के बिक्री केंद्र से हुई। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहित श्रीवास्तव ने स्थानीय स्तर पर तैयार और बेचे जा रहे कृषि उत्पादों की जानकारी दी। इनमें अतर्रा क्षेत्र का प्रसिद्ध महाचिन्नावर चावल, बुंदेलखंड की अरहर दाल, कठिया गेहूं सहित कई पारंपरिक कृषि उत्पाद शामिल रहे। इसके बाद रणविजय यादव ने जैविक खाद तैयार करने की इकाई और देशी धान की विभिन्न प्रजातियों के प्रदर्शन खेतों का निरीक्षण किया। उन्हें बताया गया कि किसान उत्पादक कंपनी किसानों के साथ मिलकर बीज से लेकर उत्पादन और फिर बाजार तक की पूरी व्यवस्था विकसित करने का प्रयास कर रही है। किसानों को देशी और पारंपरिक प्रजातियों के गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराए जाते हैं। किसान इन बीजों से अपने खेतों में फसल तैयार करते हैं और उत्पादन के बाद फसल तथा बीज को दोबारा कंपनी से जोड़ते हैं।

मिष्ठान विक्रेताओं व बेकरी निर्माताओं को खाद्य सुरक्षा मानकों का प्रशिक्षण

76 खाद्य कारोबारियों को स्वच्छता, भंडारण और ह्रयूज बाई तिथि की दी जानकारी

प्रातः किरण संवाददाता

मुरादाबाद। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की ओर से मंगलवार को जनपद के 76 मिष्ठान विक्रेताओं एवं बेकरी निर्माताओं को खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता संबंधी नियमों का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में व्यापार संघ के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। प्रशिक्षण में सहायक आयुक्त (खाद्य)-ऋकराजवंश प्रकाश श्रीवास्तव, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी इन्द्र बहादुर यादव तथा खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने खाद्य कारोबारियों को खाद्य पदार्थों के सुरक्षित निर्माण, भंडारण और बिक्री के संबंध में आवश्यक जानकारी दी। अधिकारियों ने खुली एवं बिना पैक की गई मिठाइयों पर ह्रयूज बाईह्व अथवा उपयोग की सर्वोत्तम तिथि अंकित करने पर विशेष जोर दिया। बताया गया कि मिठाइयों की सुरक्षित उपयोग अवधि उनकी प्रकृति, निर्माण प्रक्रिया, भंडारण एवं स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर निर्धारित की जानी चाहिए, ताकि उपभोक्ताओं को सही जानकारी मिल सके। प्रशिक्षण में बताया गया कि छेना एवं पनीर से बनी मिठाइयां जैसे रसगुल्ला, रसमलाई, चमचम और संदेश अपेक्षाकृत कम अवधि में खराब हो सकती हैं। खोया एवं मावा से बनी मिठाइयों की भी शेल्फ लाइफ सीमित होती है। वहीं बेसन के लड्डू, सोनपपड़ी, काजू कतली और काजू बाइट की उपयोग अवधि निर्माण एवं भंडारण की परिस्थितियों पर निर्भर करती है। खाद्य पदार्थों को निर्धारित तापमान और स्वच्छ परिस्थितियों में रखने की सलाह दी गई। ढोकला, काजू कतली, काजू बाइट, खोया और पनीर के सुरक्षित भंडारण तथा खराब होने के लक्षणों की भी जानकारी दी गई। ढोकले में चिपचिपापन, असामान्य गंध या फफूंदी दिखाई देने पर उसे इस्तेमाल न करने की सलाह दी गई। बेकरी निर्माताओं को हाइजीन, स्टोरेज और ऋक्तह्रक्क (ऋक्त२३ क्लल ऋक्त२३ ड४३) व्यवस्था का पालन करने के निर्देश दिए गए। खाद्य सामग्री को जमीन से ऊपर, सूखी एवं कीटमुक्त जगह पर रखने, पके उत्पादों को सीधे हाथ से न छूने तथा ग्लव्स या फूड-सेफ चिमटे का प्रयोग करने पर जोर दिया गया। नट्स सहित एलर्जन वाली सामग्री को अलग रखने और क्रॉस-कंटामिनेशन रोकने के उपाय भी बताए गए। खाद्य कारोबारियों को निरीक्षण के समय ऋक्तअकलाइसेंस/रजिस्ट्रेशन, कर्मचारियों के मेडिकल फिटनेस प्रमाणपत्र, पेस्ट कंट्रोल रिकॉर्ड, पानी की जांच रिपोर्ट, फूड-ग्रेड पैकेजिंग से संबंधित दस्तावेज और कच्चे माल की खरीद के बिल उपलब्ध रखने की जानकारी दी गई। कर्मचारियों के लिए ग्लव्स, मास्क, एप्रन, हेयरनेट तथा व्यक्तिगत स्वच्छता का पालन आवश्यक बताया गया। मिष्ठान विक्रेताओं को ऋक्तअकलाइसेंस/पंजीकरण प्रदर्शित करने, ऋक्तऋौ२ड ऊद्धल्लल्ली३ का दफकोड लगाने, मिठाइयों की उपयोग अवधि प्रदर्शित करने तथा पैकड खाद्य पदार्थों में लेबलिंग एवं पैकेजिंग नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए। साथ ही नियमित पेस्ट कंट्रोल और साफ-सफाई का रिकॉर्ड रखने को कहा गया।

सेवा संकल्प अभियान में छात्राओं ने उकेरे मोदी कार्यकाल के रंग

नायाब अब्बासी डिग्री कॉलेज में चित्रकला प्रतियोगिता, अनीता प्रथम, इमराना द्वितीय व गीता तृतीय

प्रातः किरण संवाददाता

अमरोहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत मंगलवार को नायाब अब्बासी डिग्री कॉलेज में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। चित्रकला विभागाध्यक्ष डॉ. रेशमा जैदी के संरक्षण में आयोजित प्रतियोगिता में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। छात्राओं ने अपने चित्रों के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल को देश के लिए उपलब्धियों एवं विकास का दौर बताया। प्रतियोगिता से पूर्व आयोजित गोष्ठी में डॉ. सरिता चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कार्यकाल लंबे समय तक याद रखा जाएगा। उनकी सोच देशहित में रही है। उनके कार्यकाल को विकास की दृष्टि से देखने और समझने की आवश्यकता है। कॉलेज के चीफ प्रॉक्टर डॉ. महताब अमरोहवी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने स्टार्टअप के माध्यम से युवाओं का मार्गदर्शन किया और उन्हें स्वावलंबी बनने की प्रेरणा दी। इससे देश के लाखों युवाओं के जीवन में बदलाव आया और युवा वर्ग को आगे बढ़ने का नया रास्ता मिला। वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ. एम. अथर कमाल ने मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों पर चर्चा करते हुए कहा कि सरकार ने आर्थिक मंदी के दौरान सावधानीपूर्वक कदम उठाए, जिसके कारण जीडीपी पर विशेष प्रभाव नहीं पड़ा। गोष्ठी में संयुक्त सचिव कसीम अशरफ, डॉ. महताब आलम, अरमान सिद्दीकी, डॉ. निखत नकवी, डॉ. मुबारक अली, जुनैद आलम, डॉ. नसीम अहमद, डॉ. फराह सिद्दीकी, अजीम अहमद, दुर्दाना फारूकी, शिवानी सागर, अंबर सुल्ताना आदि ने भी विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षीय राजनीतिक यात्रा पर अपने विचार रखे। अंत में चित्रकला प्रतियोगिता के परिणाम घोषित किए गए। अनीता ने प्रथम, इमराना ने द्वितीय तथा गीता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता छात्राओं को 17 अक्टूबर को आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम में प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

वाराणसी : हबीबपुरा में गलियों की मरम्मत के कारण रोका गया रास्ता

वाराणसी । वाराणसी में पितृ पक्ष के समापन से पहले पिशाच मोचन क्षेत्र में भारी भीड़ है, ऐसे में दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों को पिशाच मोचन कुंड मार्ग की ओर नहीं जाने दिया जा रहा है। वाहन चालकों को हबीबपुरा होते हुए लहुराबीर के लिए निकाला जा रहा है। मंगलवार को हबीबपुरा में दुर्गा पूजा पंडाल लग जाने के कारण आसपास की गलियों की मरम्मत कार्य के लिए नगर निगम द्वारा बांस बल्ली लगाकर रास्ता रोक दिया गया। जिसके बाद सकरी गलियों में वाहनों की रफ्तार रुक गई और वाहन चालकों में आक्रोश व्याप्त हो गया। हबीबपुरा की गलियों में बड़ी संख्या में वाहन चालकों के आवागमन के बीच बांस बल्ली लग जाने के कारण भीषण जाम जैसी स्थिति भी बन गई। बांस बल्ली लगने के बाद वहां रहने वाले स्थानीय लोगों में भी गुस्सा फूट पड़ा। स्थानीय निवासी ओम प्रकाश गुप्ता ने कहा कि नगर निगम को प्रातः काल या रात्रि के समय गलियों की मरम्मत का कार्य करना चाहिए। बांस लगा देने से भारी समस्या हो रही है। वाहनों के हॉरन से रहने वाले लोगों का जीना दुश्वार हो गया है। महिला सरिता देवी ने कहा कि शांत गलियों में अचानक से शोर होने लगा, ग्यारह बजे के बाद से बांस बल्ली लगाई गई और जाम जैसी स्थिति गलियों में हो गई। स्थानीय भाजपा पार्षद को फोन कर सूचित किया गया।

आंधी और कम दृश्यता से नहीं हो सकी लैंडिंग, वाराणसी की तीन उड़ानें लखनऊ डायवर्ट

वाराणसी। अचानक बदले मौसम ने सोमवार शाम लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट की हवाई सेवाओं को प्रभावित कर दिया। तेज आंधी और कम दृश्यता के कारण वाराणसी पहुंचने वाली तीन उड़ानों की लैंडिंग नहीं हो सकी। यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए एटीसी के निर्देश पर तीनों विमानों को लखनऊ डायवर्ट कर दिया गया। इनमें बंगलूरू से आने वाली दो और हैदराबाद की एक उड़ान शामिल रही। जानकारी के अनुसार एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान आईएक्स 1540 बंगलूरू से शाम 5:55 बजे वाराणसी हवाई क्षेत्र में पहुंची। इस दौरान मौसम खराब होने के कारण विमान को रनवे पर उतारना संभव नहीं हुआ। एटीसी के निर्देश पर विमान को लखनऊ भेज दिया गया। इसी तरह इंडिगो की उड़ान 6ई 6596 को बंगलूरू से शाम 5:45 बजे वाराणसी पहुंचना था, लेकिन यह करीब 30 मिनट की देरी से 6:15 बजे हवाई क्षेत्र में पहुंची। मौसम की स्थिति अनुकूल नहीं होने के कारण इसकी भी लैंडिंग नहीं हो सकी और विमान को लखनऊ डायवर्ट कर दिया गया। हैदराबाद से वाराणसी पहुंची इंडिगो की उड़ान 6ई 501 भी खराब मौसम की वजह से एयरपोर्ट पर उतर नहीं सकी। सुरक्षा कारणों से इस विमान को भी लखनऊ भेज दिया गया। तीनों उड़ानों के डायवर्ट होने से वाराणसी एयरपोर्ट पर यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। यात्री विमानों के पहुंचने का इंतजार करते रहे और एयरपोर्ट पर उड़ानों की स्थिति की जानकारी लेते रहे। मौसम में सुधार के बाद तीनों विमानों ने रात करीब 8:30 से 9 बजे के बीच लखनऊ से वाराणसी के लिए उड़ान भरी। वाराणसी एयरपोर्ट पर मौसम अनुकूल होने के बाद तीनों विमानों की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई।

त्योहारों में नई परंपरा शुरू न करें, अफवाहों से बचें : जिलाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में दुर्गा पूजा, दशहरा, रामलीला और दीपावली समेत आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय सभागार में पीस कमेटी की बैठक हुई। जिलाधिकारी बृजेश कुमार और पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती की अध्यक्षता में हुई बैठक में धर्मगुरुओं, आयोजन समितियों के पदाधिकारियों, पीस कमेटी सदस्यों और अधिकारियों ने भाग लिया। जिलाधिकारी ने कहा कि आगामी करीब डेढ़ माह तक विभिन्न पर्व और धार्मिक आयोजन होने हैं। सभी त्योहार जिले में परंपरागत रूप से शांति और आपसी भाईचारे के साथ मनाए जाते रहे हैं। उन्होंने लोगों से इस बार भी मिल-जुलकर त्योहार मनाने तथा किसी अफवाह या अपुष्ट सूचना पर विश्वास न करने की अपील की। डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की नई परंपरा या नई गतिविधि शुरू न की जाए। आयोजन पूर्व निर्धारित और पारंपरिक तरीके से ही किए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ऐसी किसी स्थिति की जानकारी मिलने पर संबंधित लोगों से तत्काल संवाद कर समाधान कराया जाए। साथ ही बिना सत्यापन कोई सूचना सोशल मीडिया पर प्रसारित नहीं करने को कहा। रामलीला आयोजनों को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश देते हुए डीएम ने कहा कि रात में होने वाले आयोजनों के दौरान मुख्य मार्गों पर भीड़ एकत्र न हो। प्रवेश और निकास की पर्याप्त व्यवस्था के साथ यातायात सुचारु रखा जाए। एरवा कटरा क्षेत्र में करीब 15 रामलीलाओं को देखते हुए आयोजन स्थलों, यातायात और सुरक्षा व्यवस्था का पूर्व परीक्षण कराने को कहा गया। दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन को लेकर डीएम ने नदियों में सीधे विसर्जन पर रोक लगाने और चिन्हित सुरक्षित स्थानों पर अस्थाई तालाब बनाकर विसर्जन कराने के निर्देश दिए। बच्चों को नदी, तालाब और गहरे पानी के आसपास जाने से रोकने तथा विसर्जन में जिम्मेदार वयस्कों की मौजूदगी सुनिश्चित करने को कहा। मुख्य अग्निशमन अधिकारी तेजवीर सिंह ने पूजा पंडालों और रामलीला स्थलों पर अग्नि सुरक्षा मानकों की जानकारी दी। डीएम ने पर्याप्त प्रवेश-निकास द्वार, आपात रास्ते, सुरक्षित विद्युत व्यवस्था और अग्निशमन उपकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विद्युत विभाग को अस्थाई कनेक्शन और तारों की जांच के निर्देश भी दिए गए। पटाखों की बिक्री केवल अधिकृत विक्रेताओं से कराने, दुकानों का पूर्व निरीक्षण करने तथा अवैध भंडारण या बिना अनुमति बिक्री पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए। धार्मिक जुलूसों के निर्धारित मार्ग और समय का पालन करने तथा पूर्व विवाद वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने को कहा गया। पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती ने थाना प्रभारियों और पुलिस अधिकारियों को लगातार क्षेत्र भ्रमण, निगरानी और सूचनाओं पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी अविनाश चंद्र मौर्य, अपर पुलिस अधीक्षक आलोक मिश्रा समेत प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारी, निकायों के अधिकारी, धर्मगुरु और प्रतिष्ठित नागरिक मौजूद रहे।

बिजनौर में बिना हेलमेट दोपहिया सवारों पर पुलिस का कड़ा प्रहार: दो दिनों में 613 चालान, हड़कंप

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। सड़क हादसों में होने वाली मौतों पर प्रभावी अंकुश लगाने और यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए बिजनौर पुलिस ने जिले भर में वृहद स्तर पर चेकिंग अभियान छेड़ा है। पुलिस अधीक्षक के कड़े निर्देशों के अनुपालन में यातायात पुलिस की टीमों ने सोमवार और मंगलवार को जिले के प्रमुख चौराहों, मुख्य मार्गों और दुर्घटना संभावित ह्वब्लैक स्पॉट्सह्व पर आर-पार की घेराबंदी की। इस दौरान बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वाले चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए दो दिनों के भीतर कुल 613 चालान काटे गए। पुलिस की इस ताबड़तोड़ कार्रवाई से नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों में हड़कंप मचा रहा। सोमवार (05 अक्टूबर) को सघन प्रवर्तन अभियान के तहत चौराहों पर घेराबंदी कर पुलिस ने 243 वाहनों के ई-चालान काटे थे। इसके ठीक अगले दिन, मंगलवार (06 अक्टूबर) को अभियान को और अधिक आक्रामक बनाते हुए जीरो टॉलरेंस नीति के तहत रिकॉर्ड 370 चालान किए गए। यातायात पुलिस अधिकारियों ने साफ किया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य केवल जुर्माना वसूलना या चालान की संख्या बढ़ाना नहीं है, बल्कि वाहन चालकों को सुरक्षा के प्रति सचेत करना है। सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों के अनुसार हादसों में होने वाली 80 प्रतिशत मौतों का मुख्य कारण सिर में लगने वाली गंभीर चोट होती है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि नियमों की अनदेखी जारी रही, तो आने वाले दिनों में यह अभियान और अधिक कड़ाई से जारी रखा जाएगा। पुलिस प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि दोपहिया वाहन चलाते समय स्वयं और पीछे बैठी सवारी (पिलियन राइडर) के लिए गुणवत्तापूर्ण (आईएसआई (कक) मार्का हेलमेट का प्रयोग अनिवार्य रूप से करें। यातायात नियमों का पालन कर चालान की कार्रवाई से बचने के साथ-साथ अपने बहुमूल्य जीवन की रक्षा सुनिश्चित करें।

विवादित बयानों के आरोप से लोनी का सियासती पारा बढ़ा, विधायक को मिला 5 दिन का अल्टीमेटम

प्रात : किरण संवाददाता

लोनी। गाजियाबाद की लोनी विधानसभा सीट पर इन दिनों राजनीतिक पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। भाजपा के वर्तमान विधायक नंदकिशोर गुर्जर एक बार फिर अपने तीखे बयानों को लेकर विपक्ष के निशाने पर हैं। हाल ही में समाजवादी पार्टी (सपा) की सांसद इकरा हसन को लेकर विधायक द्वारा की गई एक टिप्पणी ने क्षेत्र में एक नए सियासी महासंग्राम को जन्म दे दिया है। इसके विरोध में विपक्षी दलों ने विधायक के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए आंदोलन की चेतावनी दी है।

विपक्षी नेताओं ने विधायक नंद किशोर गुर्जर के ह्वसियासत बोलह्व पर कड़ा ऐतराज जताया है। समाजवादी पार्टी के स्थानीय नेताओं ने एक कड़ा भाजपा विधायक को 5 दिन का अल्टीमेटम जारी किया है। सपा नेताओं का साफ कहना है कि यदि विधायक ने सांसद इकरा हसन पर दिए गए अपने बयान पर सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगी, तो पार्टी सड़कों पर उतरकर उग्र प्रदर्शन और चक्का जाम करेगी। विकास के दावों के बीच ध्रुवीकरण का आरोप लोनी की सियासत में ह्वविकास बनाम विवादह्व की बहस भी तेज हो गई है। जहां एक तरफ लोनी विधायक का दावा है कि उन्होंने अपने कार्यकाल में लोनी क्षेत्र में शिक्षा, चिकित्सा और बुनियादी ढांचे के लिए 2 हजार करोड़ से अधिक के विकास कार्य कराए हैं, वहीं विपक्ष इन दावों को पूरी तरह खारिज कर रहा है। सपा और अन्य विपक्षी नेताओं का आरोप है कि विधायक बुनियादी समस्याओं को सुलझाने के बजाय केवल हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण के जरिए अपनी सियासत चमकाने का प्रयास कर रहे हैं। हाजी सलमान विवाद और अंदरूनी कलह लोनी में तनाव की एक बड़ी वजह सोशल मीडिया प्रभावी हाजी सलमान और विधायक के बीच का विवाद भी है। हाजी सलमान द्वारा विधायक के खिलाफ अभद्र वीडियो जारी करने के बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था, जिसके बाद क्षेत्र में महापंचायतों का दौर शुरू हो गया। सूत्रों के अनुसार, इस पूरे विवाद के चलते भाजपा के अंदरूनी गुटों में भी दरारें आ गई हैं और कुछ स्थानीय नेताओं पर अंदरखाने विपक्ष को हवा देने के आरोप लग रहे हैं।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि लोनी में बयानों की यह जंग आने वाले दिनों में और अधिक उग्र हो सकती है, जिससे क्षेत्र का सियासी समीकरण पूरी तरह बदलने की बात को नकारा नहीं जा सकता है।

भाजपा से महेश प्रधान की दावेदारी के बाद लोनी में चुनावी सरगर्मी तेज, बदला सियासी रंग

प्रात : किरण संवाददाता

लोनी। आगामी 2027 के चुनावों को लेकर लोनी विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक हलचल अब चरम पर है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और क्षेत्रीय पहचान रखने वाले महेश प्रधान द्वारा कथित तौर पर पार्टी शीर्ष नेतृत्व से अप्रत्यक्ष रूप से टिकट की अपील किए जाने के बाद क्षेत्र का सियासी रंग बदलता नजर आ रहा है। महेश प्रधान की इस दावेदारी ने न केवल भाजपा के भीतर टिकट के अन्य आकांक्षी नेताओं की धड़कनें बढ़ा दी होंगी, बल्कि विपक्षी दलों के खेमे में भी नई रणनीति को लेकर मंथन शुरू होना भी तय माना जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, महेश प्रधान के मैदान में उतरने की इच्छा जताते ही क्षेत्र में उनके समर्थकों ने लामबंदी शुरू कर दी है। क्षेत्र के विभिन्न गांवों और कॉलोनियों में उनके समर्थन में लगातार संपर्क साधना शुरू कर दिया है। समर्थकों का दावा है कि महेश प्रधान जमीन से जुड़े नेता हैं और लंबे समय से जनता के बीच सक्रिय रहे हैं, जिससे उनकी दावेदारी बेहद मजबूत है।\ समीकरणों में उलझे दिग्गज लोनी सीट हमेशा से ही गाजियाबाद की सबसे हॉट और संवेदनशील सीटों में से एक रही है। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य को देखें तो टिकट के लिए दावेदारों की लंबी सूची पार्टी के सामने चुनौती खड़ी करने वाली है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि पार्टी आलाकमान महेश प्रधान के नाम पर विचार करता है, तो लोनी का चुनावी मुकाबला एक नए और दिलचस्प मोड़ पर पहुंच जाएगा।फिलहाल, महेश प्रधान की इस अपील के बाद पार्टी हाई कमान की नजर शायद इस बात पर होगी कि लोनी में भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच अंदरूनी सरगर्मी किस रूख में तेज है। वहीं टिकट की दौड़ में शामिल अन्य गुट भी आलाकमान के समक्ष अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने के लिए सक्रिय हो गए हैं। अब देखना यह होगा कि शीर्ष नेतृत्व लोनी के इस बदलते सियासी मिजाज और महेश प्रधान की दावेदारी पर क्या अंतिम फैसला लेता है। जनता और कार्यकर्ताओं की नजरें अब पूरी तरह से पार्टी के निर्णय पर टिकी हैं जो आने वाली समय के गर्भ में है।

बाप-बेटी का शातिर चोर गिरोह बेनकाब, 30 हजार नगदी व बाइक बरामद

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। पुलिस अधीक्षक बिजनौर, कृष्ण कुमार बिश्नोई द्वारा पुलिस लाइन में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान जनपद की थाना चांदपुर पुलिस को मिली बड़ी सफलता का खुलासा किया गया। एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने दुकानदारों को बातों में उलझाकर चोरी करने वाले एक बेहद शातिर पिता-पुत्री गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस लाइन में हुआ सनसनीखेज खुलास पत्रकारों को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि बीते 25 सितंबर की रात चांदपुर के जलीलपुर ब्लॉक स्थित ह्वसहकारी क्रय-विक्रय समिति लिमिटेडह्व के उर्वरक बिक्री केंद्र की दुकान का गल्ला तोड़कर लगभग 1.5 लाख की चोरी की गई थी। इस घटना के अनावरण के लिए थाना चांदपुर पुलिस और सर्विलांस टीम को लगाया गया था। साक्ष्य संकलन और पतारसी-सुरागरसी के आधार पर पुलिस ने देवबंद (सहारनपुर) निवासी योगेन्द्र पुत्र सिपाल और उसकी पुत्री लक्ष्मी को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से चोरी के 30,200 नगद और घटना में प्रयुक्त बिना नंबर प्लेट की एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल बरामद हुई है।एसपी ने उजागर किया अपराध का अनोखा तरीका (टङ्कि४२ डस्त्री१ल्ल्री) पत्रकार वार्ता के दौरान एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने गिरोह के काम करने के तरीके के बारे में चौंकाने वाली जानकारी साझा की: * बेटी को बनाते थे सुरक्षा कवचः मुख्य अभियुक्त योगेन्द्र अपनी बेटी को साथ रखकर वारदात करता था, ताकि आम जनता या पुलिस को उन पर रत्ती भर भी शक न हो। * सीधे-सादे दुकानदारों पर नजरः यह बाप-बेटी घूम-घूमकर ऐसी दुकानों को चुनते थे जहाँ सीधे स्वभाव के लोग या छोटे बच्चे बैठे होते थे। * मासूमियत के जाल में उलझाकर चोरीः बातों-बातों में दुकानदार का ध्यान भटकाया जाता था और मौका मिलते ही गल्ला या कीमती सामान साफ कर दिया जाता था। * मास्क और हेलमेट का इस्तेमालः सीसीटीवी कैमरों में पहचान न आए, इसके लिए दोनों हेलमेट व मास्क पहनते थे तथा बिना नंबर प्लेट की बाइक से फरार हो जाते थे। पश्चिमी यूपी के कई जिलों में फैला था जाल एसपी ने बताया कि पकड़े गए पिता-पुत्री बेहद शातिर किस्म के पेशेवर अपराधी हैं। पूछताछ में इन्होंने बिजनौर के चांदपुर, धामपुर, नगीना, कोतवाली देहात के अलावा मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा और मुजफ्फरनगर के मीरपुर थाना क्षेत्रों में भी चोरी की घटनाओं को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। अभियुक्त योगेन्द्र पर पूर्व में चोरी के 7 और उसकी बेटी लक्ष्मी पर भी 7 संगीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। सराहनीय कार्य करने वाली पुलिस टीम सफलतापूर्वक गिरोह को बेनकाब करने वाली पुलिस टीम में उ0नि0 हिमांशू पंवार, हे0कां0 रवीन्द्र राणा, कां0 आशू, कां0 धर्मेन्द्र तथा महिला कां0 शिखा शामिल रहे। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने पूरी टीम के इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि दोनों अभियुक्तों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की सुसंगत धाराओं में वैधानिक कार्रवाई कर उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

सीडीओ के निर्देशों की अनदेखी कर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में डटे विवादित कर्मचारी, उठ रहे गंभीर प्रश्न

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में बाह्य स्रोत से की जा रही नियुक्तियों में कथित धांधली और प्रशासनिक मनमानी का प्रकरण गरमाता जा रहा है। नवीन घटनाक्रम में मुख्य विकास अधिकारी के मौखिक आदेशों के उपरांत भी विवादित कर्मचारी राकेश को जिला कार्यालय से न हटाए जाने पर प्रशासनिक कार्यप्रणाली प्रश्नों के घेरे में है। मुख्य विकास अधिकारी के निर्देश निष्प्रभावी, दो सप्ताह पश्चात भी कार्रवाई नहीं सूत्रों के अनुसार, कर्मचारी राकेश के विरुद्ध प्राप्त हो रही निरंतर शिकायतों और अनियमितताओं का संज्ञान लेते हुए मुख्य विकास अधिकारी रण विजय सिंह ने जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी सचिन कसाना को राकेश को तत्काल जिला कार्यालय से हटाकर किसी दूरस्थ विकासखंड में तैनात करने के मौखिक निर्देश दिए थे। तथापि, इस निर्देश के दो सप्ताह बीत जाने के पश्चात भी संबंधित कर्मचारी अपने स्थान पर बना हुआ है। इस संदर्भ में जब जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी सचिन कसाना से पक्ष लिया गया, तो उन्होंने बताया कि इस प्रकरण में राज्य निदेशालय स्तर से मार्गदर्शन व निर्देश मांगे जाएंगे, जिसके उपरांत ही स्थानांतरण पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। मूल पदस्थापना हल्दौर, फिर जिला मुख्यालय पर अधिकार क्यों? प्रकरण में सबसे बड़ा प्रश्न यह उठ रहा है कि कर्मचारी राकेश की मूल नियुक्ति विकासखंड हल्दौर में है। ऐसे में किस आधार पर और किस सक्षम अधिकारी के आदेश से उन्हें इतने दीर्घ समय से जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में संबद्ध किया गया है? स्थानीय स्तर पर यह मामला अब जांच का विषय बन चुका है। कूट रचित नियुक्ति और लंबित जांच की फाइलें चर्चा है कि कर्मचारी राकेश की स्वयं की नियुक्ति भी पूर्व में विवादों और कूट रचित साक्ष्यों के आरोपों से घिरी रही है, जिसकी जांच शासकीय पत्रावलियों में लंबित बताई जा रही है। इसके उपरांत भी कार्यालय में नीतिगत मामलों और नियुक्तियों में उनका हस्तक्षेप बना हुआ है प्रशिक्षण समन्वयक पद की नियुक्ति पर भी उठे थे प्रश्न हाल ही में जिला प्रशिक्षण समन्वयक के पद पर बाह्य स्रोत के माध्यम से हुई नियुक्ति को लेकर भी विवाद सामने आया था। आरोप थे कि शैक्षणिक प्रमाण पत्रों में त्रुटियों के उपरांत भी राजनीतिक रसूख और सांठगांठ के बल पर नियुक्ति को प्रक्रिया में बनाए रखा गया। कार्यालय के निर्गम पंजी (डिस्पैच रजिस्टर) की प्रविष्टियों और पत्रावलियों की आवाजाही को इस संपूर्ण घटनाक्रम में मुख्य साक्ष्य माना जा रहा है। प्रशासनिक अधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना और नियमों को ताक पर रखकर दी जा रही पदस्थापना से शिक्षा विभाग की कार्यशैली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं। अब देखना यह होगा कि शासन स्तर से इस प्रकरण में क्या कार्रवाई की जाती है।

कलयुगी पिता ने नाबालिग बेटी को बनाया हवस का शिकार, मुकदमा दर्ज

प्रात : किरण संवाददाता

लोनी। ट्रोनिका सिटी क्षेत्र में एक कलयुगी पिता द्वारा अपनी ही 13 वर्षीय नाबालिग बेटी के साथ लंबे समय तक दुष्कर्म, मारपीट और डरा-धमकाकर प्रताड़ित करने का बेहद शर्मनाक मामला प्रकाश में आया है। पुलिस पीड़िता की मां की शिकाय पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश में जुटी है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक पीड़ित परिवार मूल रूप से बिहार का रहने वाला है जो वर्तमान में ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में किराए के मकान में रह रहा है। क्षेत्र में ही मेहनत-मजदूरी करने वाले आरोपी की पत्नी (पीड़िता की मां) ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया है कि आरोपी पिछले एक साल से अपनी नाबालिग बेटी के साथ लगातार गलत हरकत (दुष्कर्म) कर रहा था। जो मासूम बेटी को किसी को बताने पर गंभीर परिणाम भुगतने और जान से मारने की धमकी देकर चुप करा देता था, जिसके कारण डरी-सहमी पीड़िता ने लंबे समय तक यह बात किसी से नहीं बताई। 4 अक्टूबर की रात खुला घिनौना राज घटना का खुलासा तब हुआ जब 4 अक्टूबर की रात करीब 8:30 बजे पीड़िता ने हिम्मत जुटाकर अपनी मां को पिता की इस घिनौनी करतूत के बारे में सब कुछ सच-सच बता दिया। बेटी की आपबीती सुनकर मां के पैरों तले जमीन खिसक गई, जिसके बाद उसने तुरंत पुलिस में जाने का फैसला किया। पीड़िता की मां द्वारा दी गई लिखित तहरीर के आधार पर ट्रोनिका सिटी थाना पुलिस ने आरोपी पिता के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत विभिन्न गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। थाना प्रभारी कुलदीप दीक्षित के मुताबिक, मामला दर्ज होने के बाद से ही आरोपी पिता घर से फरार है और पुलिस की टीमें उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं। वहीं, महिला सुरक्षा और संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए पुलिस पीड़िता की काउंसलिंग करा रही है और उसे मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है।

सिविल डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ की जनपदीय बैठक आयोजित, इं. अंकित कुमार का हुआ सम्मान

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। सिविल डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ, सिंचाई विभाग (उत्तर प्रदेश) की जनपदीय इकाई की बैठक मध्य गंगा फील्ड हॉस्टल बिजनौर में आयोजित की गई। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता जनपद अध्यक्ष इं. लक्खी सिंह ने की तथा संचालन जनपद सचिव इं. अंकित कुमार कपासिया द्वारा किया गया। बैठक में संघ का उप महासचिव निर्वाचित होने पर इं. अंकित कुमार कपासिया का जोरदार स्वागत किया गया। उपस्थित सदस्यों ने उन्हें अंगवस्त्र भेंटकर एवं पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया तथा बधाई दी। बैठक के दौरान इंजीनियर्स से जुड़े विभिन्न ज्वलंत मुद्दों एवं विभागीय समस्याओं पर गहन विचार-विमर्श किया गया। प्रमुख रूप से सदस्यों के स्थायीकरण, हितैषिता निधि, एसीपी (अउढ) से आच्छादित प्रकरणों का समय से निस्तारण, संघ एवं महासंघ की सदस्यता अभियान तथा कार्यकाल पूर्ण कर चुकी खण्डीय इकाइयों के पुनर्गठन जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा कर रणनीति तैयार की गई। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ के पूर्व जनपदीय पदाधिकारी इं. पीयूष कुमार बालियान, महासंघ के जनपद सचिव इं. आरिफ खान, सिंचाई खण्ड के सचिव अतुल शर्मा, म.गं.न.नि. खण्ड-5 के सचिव संदीप कुमार तथा म.गं.न.नि. खण्ड-7 के सचिव राजेश कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक में मोनू कुमार, अरविन्द कुमार, राजकुमार सैनी, आनन्द कुमार, विवेक कुमार, राहुल कुमार, देवेन्द्र कुमार, सचिन कुमार गोयल, मोहित कुमार, अक्षय सुमन झा, हरेन्द्र सिंह, अंकित कुमार, मुकुल तोमर एवं मयंक कुमार सहित बड़ी संख्या में संघ के सदस्य व इंजीनियर मौजूद रहे

5 दिन का अल्टीमेटम देने वाले सपा नेता पर विधायक का पलटवार, कहा: अपने बयान पर पूरी तरह अडिग

प्रात : किरण संवाददाता

लोनी। समाजवादी पार्टी (सपा) नेताओं द्वारा दिए गए 5 दिन के अल्टीमेटम पर लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने मंगलवार सुबह जोरदार पलटवार किया है। उन्होंने साफ कर दिया है कि वे अपने बयान पर पूरी तरह कायम हैं और उन्होंने कुछ भी गलत नहीं कहा है। विधायक ने सपा नेता की चेतावनी पर तीखा तंज कसते हुए कहा, ह्वअपने नौकर से धमकी दिलवाना इस बात को साबित करता है कि वह समाज का केवल इस्तेमाल करना चाहती हैं उन्होंने अपनी सफाई में स्पष्ट करते हुए कहा कि हमने मा. सांसद इकरा हसन को धर्म परिवर्तन के लिए नहीं कहा है। यह हमारे समाज का आंतरिक मामला है।सहारनपुर में गुर्जर समाज की बैठक के दौरान मैंने पूरे समाज को एकजुट करने और जोड़ने का एक संदेश दिया था, जिसे अब गलत तरीके से पेश कर राजनीतिक रंग दिया जा रहा है। दरअसल गुर्जर समाज पूरी तरह एकजुट है. समाज को आपस में तोड़ने की राजनीतिक साजिशें रची जा रही हैं, जिन्हें कामयाब नहीं होने दिया जाएगा। क्या था विधायक का मूल बयान! उल्लेखनीय है कि विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने सहारनपुर के एक कार्यक्रम में कैराना से सपा सांसद इकरा हसन को लेकर कहा था कि वे अक्सर खुद को गुर्जर समाज का हिस्सा बताती हैं। उन्होंने कहा था, ह्वजब गुर्जरों ने उन्हें वोट दिया है और अपनी बेटी मान लिया है, तो हिंदू गुर्जर समाज में अच्छे डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस और पीसीएस अधिकारी लड़के हैं। अगर वह पहल करती हैं और किसी हिंदू गुर्जर युवक से शादी करती हैं, तो समाज उन्हें परिवार की बेटी के रूप में खुले दिल से स्वीकार करेगा और हम इस शादी में पूरा सहयोग करेंगे

फैजाने जहरा के निधन पर आई.एम. इंटर कॉलेज में की मगफिरत की दुआ

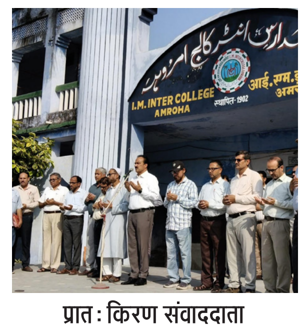

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। आई.एम. इंटर कॉलेज की प्रबंध समिति के सदस्य गुलाम सज्जाद की माता फैजाने जहरा के निधन पर कॉलेज परिसर में शोक सभा आयोजित की गई। इसमें प्रधानाचार्य, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राओं ने दिवंगत के लिए फातिहा पढ़कर दुआ-ए-मगफिरत की और शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। प्रधानाचार्य डॉ. जमशेद कमाल ने फैजाने जहरा के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि माता का साया उठ जाना परिवार के लिए अत्यंत पीड़ादायक क्षण होता है। इस कठिन समय में पूरा विद्यालय परिवार गुलाम सज्जाद और उनके परिवार के साथ खड़ा है। उन्होंने दिवंगत की मगफिरत तथा परिजनों को सब्र और हिम्मत प्रदान करने की दुआ की। उन्होंने कहा कि इंसान की जिंदगी में माता-पिता का स्थान सबसे महत्वपूर्ण होता है। उनका बिछड़ना ऐसी कमी है, जिसे कभी पूरा नहीं किया जा सकता। ऐसे दुखद समय में दिवंगत के लिए दुआ करने के साथ शोकाकुल परिवार को हिम्मत और हौसला देना हम सभी की जिम्मेदारी है। शोक सभा में शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने भी दिवंगत फैजाने जहरा के लिए दुआ-ए-मगफिरत की। अंत में सामूहिक दुआ कर अल्लाह तआला से मरहूमा की मगफिरत, दर्जात की बुलंदी तथा गुलाम सज्जाद एवं उनके परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की गई।

एसपी बिजनौर का बड़ा बयान: क्लोरोफॉर्म खरीदकर बैंक डकैती की तैयारी में थे बदमाश

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। शहर कोतवाली पुलिस द्वारा बैंक लूट की अंतरराष्ट्रीय/अंतरराज्यीय साजिश के खुलासे पर पुलिस अधीक्षक (एसपी) के. के. बिश्नोई ने प्रेसवार्ता कर घटना का विस्तृत विवरण दिया। एसपी ने बताया कि गंज इलाके में पीड़ित कय्यूम से बदमाशों ने गनपॉइंट पर बाइक, नकदी और मोबाइल की लूट को अंजाम दिया था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आसपास के सीसीटीवी (उउळश) फुटेज छाने और सर्विलांस टीम की मदद ली। जांच में चौंकाने वाली बात सामने आई कि आरोपी वारदात के समय बिजनौर में क्लोरोफॉर्म खरीदने की कोशिश कर रहे थे, ताकि किसी बड़ी डकैती के दौरान लोगों को बेहोश किया जा सके। एसपी के. के. बिश्नोई के अनुसार, ह्वपकड़े गए आरोपियों में तीन बिजनौर के हीमपुर थाना क्षेत्र के निवासी हैं, जबकि उनके अन्य साथी लक्सर (हरिद्वार, उत्तराखंड) के रहने वाले हैं। इन बदमाशों ने कय्यूम से लूटी गई बाइक का इस्तेमाल उत्तराखंड में एक बड़े बैंक में डकैती डालने के लिए तय किया था। लेकिन शहर कोतवाली पुलिस की मुस्तैद टीम ने अपनी कड़ी मेहनत और सटीक रणनीति के बल पर महज 48 घंटे (दो दिन) के भीतर इस पूरी अंतरराज्यीय डकैती की योजना को नाकाम कर दिया

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, बुधवार, 07 अक्टूबर, 2026

काली खेतीः पहली बार परदे पर डराएंगे जैकी श्रॉफ

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता जैकी श्रॉफ और शरद केलकर जल्द ही रूरल हॉरर फिल्म 'काली खेती' में नजर आने वाले हैं। मेकर्स ने इस फिल्म की रिलीज डेट का एलान कर दिया है। मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्टर भी जारी किया है। इस प्रोजेक्ट में अभिनेत्री नेहा सरगम अहम भूमिका में होंगी।

कब रिलीज होगी फिल्म

मेकर्स ने अपकमिंग फिल्म का नया पोस्टर जारी किया है। इसमें एक राक्षस ने अपने हाथ में लालटेन पकड़ी है। पोस्टर काफी डार्क और डरावना लग रहा है। पोस्ट के बैकग्राउंड में जो म्यूजिक है वह भी काफी रोमांचक लग रहा है। पोस्टर के ऊपर लिखा है 'सिनेमाघरों में 23 अक्टूबर को रिलीज होगी।' पोस्टर को शेयर करते हुए जैकी श्रॉफ ने कैप्शन में लिखा, 'रोशनी बुझने न देना, खेती जागने वाली है।'

कौन हैं फिल्म के निर्देशक

फिल्म के निर्देशक और लेखक हारिस इम्तियाज खान हैं। इसे ब्लैक कैनवस स्टूडियो के बैनर तले बनाया जा रहा है। सना खान इसकी निर्माता हैं। इसमें वीरेंद्र सक्सेना और शाजी चौधरी भी अहम भूमिकाओं में होंगे।

इस फिल्म से हो सकता है क्लैश

अक्तूबर में कई बड़ी फिल्में रिलीज हो रही हैं। इनमें अजय देवगन की 'दृश्यम 3', आयुष्मान खुराना की 'उड़ता तीर', रश्मिका-विजय की 'रणबाली', यामी गौतम की 'नई नवेली' और 'पहला प्यार दूसरी बार' शामिल हैं। 'काली खेती' का टकराव 'पहला प्यार दूसरी बार' से होने वाला है। यह फिल्म भी 23 अक्तूबर को रिलीज हो रही है।

फिल्म को लेकर बोले निर्देशक

फिल्म को लेकर निर्देशक खान ने कहा, 'मेरे लिए 'काली खेती' का मतलब है हॉरर के नजरिए से खेती को देखना। ऐसी चीज जो मैंने पहले कभी नहीं देखी थी। कुछ ऐसा जो नया, रोमांचक और साथ ही बहुत परेशान करने वाला भी लगा। यह फिल्म समाज का आईना है, बस इसकी परछाई एक डरावनी और काल्पनिक दुनिया में दिखती है। कभी-कभी यह दुनिया समझ में नहीं आती लेकिन हमेशा अजीब तरह से जानी-पहचानी लगती है। शायद यही असली हॉरर है।'

विद्या बालन, आर. बाल्की के साथ फिर कर रही हैं वापसी

नई तमिल फिल्म की शूटिंग शुरू

विद्या बालन एक बार फिर फिल्ममेकर आर. बाल्की के साथ काम करने जा रही हैं। दोनों एक नई तमिल फिल्म के लिए साथ आए हैं और फिल्म पर काम शुरू हो चुका है। गौरतलब है कि वर्ष 2009 में रिलीज हुई फिल्म पा के बाद यह विद्या बालन और आर. बाल्की की पहली तमिल फिल्म होगी। अपने सोशल मीडिया के जरिये अपने दर्शकों से इसकी जानकारी साझा करने के उद्देश्य से विद्या बालन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वह हाथ में स्क्रिप्ट लिए कुर्सी पर बैठी नजर आ रही हैं। चश्मा लगाए और लंबी चोटी में उनका लुक काफी सिंपल दिखाई दे रहा है। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा है, आर. बाल्की के साथ नई तमिल फिल्म, नई शुरुआत। इसके साथ दिल का इमोजी लगाकर उन्होंने अपनी बात खत्म की है लेकिन उनकी इस पोस्ट से साफ है कि उन्होंने अपनी नई तमिल फिल्म पर काम शुरू कर दिया है। हालांकि विद्या ने अभी फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी शेयर नहीं की है, लेकिन इतना तय है कि आर. बाल्की के साथ उनका दोबारा काम करना जरूर खास है। इससे पहले दोनों ने पा में साथ काम किया था, जो 2009 में रिलीज हुई थी।

वर्कफ्रंट की बात करें तो विद्या बालन इसी महीने 15 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही रजनीकांत स्टारर जेलर 2 में नजर आनेवाली हैं। फिल्म में वह कांता का किरदार निभा रही हैं। नेल्सन दिलीप कुमार के निर्देशन में बनी यह फिल्म सन पिक्चर्स की प्रस्तुति है। इसके अलावा विद्या बालन एक बार फिर अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगी। अनीस बज्मी के निर्देशन में बन रही इस अनटाइटल्ड कॉमेडी फिल्म में राशी खन्ना भी हैं। फिल्म 4 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका केरल शेड्यूल पूरा हो चुका है। फिलहाल नई तमिल फिल्म के साथ विद्या बालन के पास इस समय अलग-अलग भाषाओं और जॉनर की कई फिल्में हैं। ऐसे में आर. बाल्की के साथ उनकी दोबारा जोड़ी को लेकर अब फैंस की निगाहें इस नए प्रोजेक्ट पर जम गई हैं।

क्या ओटीटी पर डेब्यू करेंगे साउथ के मेगास्टार चिरंजीवी

इस शो में आ सकते हैं नजर

कई बड़े कलाकार इन दिनों बड़े पर्दे से ओटीटी का रुख कर रहे हैं। इसमें नया नाम चिरंजीवी का जुड़ने वाला है। खबर है कि मेगास्टार ओटीटी पर डेब्यू करने को तैयार हैं। बताया जाता है कि चिरंजीवी नेटफ्लिक्स के लिए एक सेलिब्रिटी टॉक शो के साथ अपना डिजिटल डेब्यू करने जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता और प्लेटफॉर्म के बीच बातचीत आगे बढ़ चुकी है। डील लगभग फाइनल हो गई है।

शो में दिखेगा चिरंजीवी का सफर

हालांकि इस मामले को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। अगर ये डील फाइनल होती है तो दर्शकों को भारतीय सिनेमा में चिरंजीवी के दशकों लंबे सफर की झलक मिल सकती है। इस प्रोजेक्ट में उनके जीवन और करियर के उन पहलुओं को भी दिखाए जाने की उम्मीद है, जिनके बारे में उन्होंने सार्वजनिक रूप से बहुत कम बात की है।

किस तरह का शो होस्ट करेंगे चिरंजीवी?

गल्ट के मुताबिक ऐसी चर्चा है कि नेटफ्लिक्स सेलिब्रिटीज पर आधारित एक टॉक शो बना रहा है, जिसमें चिरंजीवी मुख्य भूमिका में होंगे। इस प्रोजेक्ट को मल्टी-एपिसोड पॉडकास्ट-स्टाइल सीरीज के तौर पर प्रमोट किया जा रहा है। इसमें अभिनेता अपनी निजी जिंदगी, फिल्मी करियर और इंडस्ट्री में अपने लंबे सफर के अनुभवों के बारे में बात कर सकते हैं। बताया जाता है कि 150 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुके चिरंजीवी को अपनी जिंदगी पर पारंपरिक डॉक्यूमेंट्री के बजाय बातचीत वाले पॉडकास्ट का आइडिया ज्यादा पसंद आया है। इससे उन्हें दर्शकों से सीधे जुड़ने और उन विषयों पर चर्चा करने का मौका मिलेगा जो ज्यादातर लोगों की नजर में नहीं आए हैं।

शो में क्या होगा खास?

यह सीरीज चिरंजीवी के करियर के कई पड़ावों को कवर कर सकती है। सिनेमा में उनके शुरुआती दिनों से लेकर तेलुगु सिनेमा के सबसे बड़े स्टार बनने तक को कवर किया जा सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभिनेता अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्मों, इंडस्ट्री की चुनौतियों, बॉक्स-ऑफिस के उतार-चढ़ाव, साथी कलाकारों के साथ अपने रिश्तों और राजनीति में अपनी एंट्री के बारे में बात कर सकते हैं। बातचीत में उनके दशकों लंबे करियर की निजी कहानियों और अनुभवों के भी शामिल होने की उम्मीद है।

बेटी तैयार कर रही टॉक शो

खबर है कि इस शो को तेलुगु भाषी क्षेत्रों से बाहर के दर्शकों के लिए भी तैयार किया जा रहा है। काफी चर्चा है कि चिरंजीवी की बेटी सुष्मिता कोनिडेला अपने बैनर 'गोल्ड बॉक्स एंटरटेनमेंट्स' के तहत इस टॉक शो को तैयार कर रही हैं। उन्होंने पहले फिल्म और वेब-सीरीज प्रोजेक्ट्स पर काम किया है। हालांकि प्लेटफॉर्म और अभिनेता ने अभी तक शो के टाइटल, फॉर्मेट, बजट या रिलीज की तारीख के बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

एआई के दुरुपयोग पर भड़के जूनियर एनटीआर

तेलुगु स्टार जूनियर एनटीआर ने राज्य सरकारों और भारत सरकार से एआई के गलत इस्तेमाल के खिलाफ कड़े कदम उठाने और सख्त नियम लागू करने की अपील की। उन्होंने कहा कि वह उन लोगों के खिलाफ हरसंभव कानूनी कार्रवाई करेंगे, जिन्होंने उनकी फिल्म 'देवरा' के गाने 'चुट्टमल्ले' का मॉर्फ्ड वीडियो बनाया है और फैला रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे मॉर्फ्ड वीडियो पर एक्टर ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शरारती तत्वों को लताड़ते हुए लिखा कि घिनौना, बीमार और बेशर्म। उन्होंने कहा कि एक ऐसे देश में जहां महिलाओं को मां और देवी के रूप में पूजा जाता है, जहां 'मातृदेवो भव' सिर्फ एक कहावत नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति का हिस्सा है, वहां कुछ लोग इतने नीचे गिर गए हैं कि वे एआई का इस्तेमाल करके किसी महिला का अनादर कर रहे हैं। एआई का इस्तेमाल करके ऐसी घिनौनी चीज बनाना शब्दों से परे शर्मनाक है।

उन्होंने लिखा, 'इस मॉर्फ्ड 'चुट्टमल्ले' वीडियो के पीछे के घटिया लोगों, मैं तुममें से किसी को नहीं बख्शूंगा। मैं इसे बनाने वालों और इसे फैलाने वालों के खिलाफ हरसंभव कानूनी कार्रवाई करूंगा। जूनियर एनटीआर ने अन्य नेटिजन्स से भी पुरजोर अपील की कि वे ऐसे कंटेंट को न देखें, न शेयर करें और न ही उस पर कोई प्रतिक्रिया दें। उन्होंने लिखा कि कृपया ऐसे कंटेंट को न देखें, न शेयर करें और न ही उस पर कोई प्रतिक्रिया दें।

'हनुमान अंश' जैसी छोटे बजट की फिल्मों पर बोलीं तमन्ना भाटिया

एक तरफ 'हनुमान अंश' जैसी फिल्म दर्शकों को अपनी ओर खींच रही है, तो दूसरी तरफ छोटे बजट में बनी 'ऑब्सेशन' भी अपनी जगह बनाई। सिनेमा में आ रहे इस बदलाव को तमन्ना भाटिया भी महसूस करती हैं। अभिनेत्री के मुताबिक, अब दर्शकों की पसंद को किसी एक जॉनर या फॉर्मूले में बांधकर नहीं देखा जा सकता।

फिल्में सिर्फ क्राफ्ट से नहीं चलतीं

कम बजट की फिल्मों पर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने कहा, 'मुझे लगता है कि हम एक ऐसे दौर से गुजर रहे हैं, जहां जॉनर मायने नहीं करता। दुनियाभर में एक तरफ 'हनुमान अंश' भी काम कर रही है और दूसरी तरफ 'ऑब्सेशन' भी। ये फिल्में बहुत छोटे बजट में बनी हैं। मुझे लगता है कि पिछले कुछ समय में फिल्मों के क्राफ्ट पर बहुत ज्यादा जोर दिया गया है। लेकिन सिनेमा के असली काम पर उतना ध्यान नहीं दिया गया। असली काम यह है कि आप दर्शक को एक दुनिया में लेकर जाएं और उसे कुछ खास महसूस कराएं।'

इमोशंस फिल्मों में वापस आ रहे हैं

वह आगे कहती हैं, 'हम भावनात्मक पहलू को नजरअंदाज नहीं कर सकते। इंसानी भावनाएं बहुत सामान्य होती हैं, जो हम सबमें एक जैसी हैं। मुझे लगता है कि वही इमोशंस फिल्मों में वापस आ रही हैं और वे फिल्में चल रही हैं। हमें यह देखना होगा कि अगर ये फिल्में चल रही हैं तो क्यों चल रही हैं। यह हमारे लिए सीखने का मौका भी होगा। 'वन' में भी जो भक्ति का भाव है, उसे पूरी ईमानदारी से तलाशा गया है।'

खुद को खूबसूरत नहीं मानती थीं हरलीन सेठी : बोलीं- 'ब्रोकन' ने बदली जिंदगी

रिलेटेबल चेहरा, दमदार अदाकारी और लगातार मेहनत के दम पर हरलीन सेठी ने अपने हर किरदार से अलग पहचान बनाई है। 'ब्रोकन बट ब्यूटीफुल', 'कोहरा', 'बैड कॉप' और 'डॉक्टर्स' जैसे प्रोजेक्ट्स के बाद अब वह 'शक' में नजर आ रही हैं। अपने किरदारों से हरलीन ने साबित किया है कि वह खुद को सिर्फ पारंपरिक छवि तक सीमित नहीं रखना चाहतीं। खास बातचीत में हरलीन ने अपने बचपन, अभिनय की शुरुआत, 'ब्रोकन बट ब्यूटीफुल' की सफलता और रिजेक्शन के अनुभवों पर बात की।

बचपन में कैसी थीं, अभिनय का ख्याल कब आया

मैं बचपन से ही बहुत मस्तमौला थी। खेल-कूद और दूसरी गतिविधियों में काफी रुचि थी। हालांकि, अभिनय करने का कोई प्लान नहीं था। मुझे सिर्फ इतना पता था कि परफॉर्मिंग आर्ट्स में कुछ करना है। मुझे संगीत में भी बहुत रुचि थी। याद है, बचपन में 'कल हो न हो' की कैसेट आई थी। मैंने उसे पूरे दिन बजाया था।

'ब्रोकन बट ब्यूटीफुल' आपके लिए कितना बड़ा मोड़ था?

जवाब: यह मेरे लिए बहुत बड़ा मोड़ था। लोगों ने समीरा के किरदार से बहुत जुड़ाव महसूस किया। पहली बार मैंने लोगों को अपनी खूबसूरती और आवाज की तारीफ करते सुना। मैंने कभी खुद को उस नजर से नहीं देखा था। मुझे लगता था कि मैं खूबसूरत नहीं हूं, क्योंकि मेरी मां बहुत खूबसूरत हैं और मेरा भाई भी उन पर गया है। 'ब्रोकन' के बाद पहली बार मुझे लगा कि शायद मैं भी खूबसूरत हूं।

क्या आपको लगा था कि 'ब्रोकन बट ब्यूटीफुल' इतना बड़ा बनेगा?

जवाब: बिल्कुल नहीं। हमने बहुत सच्चाई और प्यार से इसे बनाया था, लेकिन यह कल्ट बन जाएगा, इसकी कल्पना नहीं की थी। आज भी रोमांटिक सीरीज की बात होती है तो 'ब्रोकन बट ब्यूटीफुल' का जिक्र होता है। शो दोबारा ट्रेंड हुआ, लोगों ने इसके किरदारों और संगीत को फिर से पसंद किया। मुझे उन लड़कियों की तस्वीरें मिलीं, जिन्होंने समीरा वाला टैटू तक बनवाया था।

'ब्रोकन' के बाद आपने 'कोहरा' में मुख्य भूमिका के बजाय महत्वपूर्ण किरदार क्यों चुना?

मेरे लिए अच्छी कहानी और अच्छे फिल्ममेकर्स के साथ काम करना ज्यादा जरूरी था। 'कोहरा' के ऑडिशन के लिए जो सीन मुझे मिले, उन्हें पढ़कर ही लगा कि यह बहुत अच्छा प्रोजेक्ट है। सुदीप शर्मा सर के साथ काम करने का मौका भी मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण था। उन्होंने मुझसे कहा था, 'हरलीन, बस मुझ पर भरोसा रखो और इसे करो।' मैंने उन पर भरोसा किया और 'कोहरा' मेरे लिए एक बड़ा मोड़ बन गया।

'शक' के लिए हां कहने की सबसे बड़ी वजह क्या थी?

रेंसिल डिसिल्वा सर का फोन आया था। उन्होंने श्रेया के किरदार के बारे में बताया। मैं उस समय जुहू सर्कल के सिग्नल पर कार में थी। जैसे ही उन्होंने किरदार के बारे में बताया, मुझे लगा कि इसमें बहुत सारी परतें हैं। वह बचपन से नायिका की सबसे अच्छी दोस्त है, उसका नायिका के पति से रिश्ता है, बच्ची के गायब होने में भी उसका हाथ है और वह अपने पति से भी सच छिपा रही है। इतना जटिल किरदार सुनते ही मैंने कहा- सर, मैं यह करना चाहती हूं।

'शक' के लिए मिला सबसे अच्छा कॉम्प्लिमेंट क्या रहा?

लोगों ने मेरी परफॉर्मेंस की तारीफ तो की ही, लेकिन मेरे लिए यह भी खास था कि लोगों ने कहा कि मैं स्क्रीन पर बहुत खूबसूरत लग रही हूं। मैंने आपको बताया कि मैंने कभी खुद को उस तरह नहीं देखा था, इसलिए यह बात मेरे लिए मायने रखती है। इसके अलावा मेरा और सुमित व्यास का जेल वाला एक सीन है, जिसे बहुत प्यार मिल रहा है। मेरे डीएम उस सीन की तारीफ से भरे हुए हैं।

किस तरह के किरदार करना चाहती हैं

मेरी कोशिश रहती है कि ऐसे किरदार करूं, जिन्हें लोग अक्सर समझ नहीं पाते। मैं उन्हें सहानुभूति के साथ निभाना चाहती हूं। चाहे समीरा हो, 'कोहरा' की निमरत हो या 'शक' की श्रेया- इन सभी किरदारों में एक बारीक रेखा है। मुझे ऐसे किरदारों को समझना और निभाना पसंद है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com
@Pratahkiran
epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran

हिमालया बेबीकेयर ने 'गोल्डन गिफ्ट पैक कॉन्टेस्ट' के विजेताओं की घोषणा

गोल्डन गिफ्ट पैक कॉन्टेस्ट में चार जोन के 12 विजेताओं को मिले पुरस्कार, तनिष्क या कल्याण कॉइन्स के रूप में प्राप्त किए जा सकते हैं

इंदौर, एजेंसी। डॉक्टरों द्वारा अनुशंसित नंबर 1 ब्रांड, हिमालया बेबीकेयर ने अपने गोल्डन गिफ्ट पैक कॉन्टेस्ट के विजेताओं के नामों की घोषणा की है। इस पहल के तहत माता-पिता को अपने नन्हें-मुन्नों के साथ बिताए अनमोल पलों का जश्न मनाने और साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया था। कॉन्टेस्ट में उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम भारत से कुल 12 विजेताओं को चुना गया। इनमें चार विजेताओं को 1-1 लाख रुपए मूल्य का सोना और आठ विजेताओं को 10-10 हजार रुपये के सिल्वर वाउचर प्रदान किए गए, जिन्हें तनिष्क या कल्याण

कॉइन्स के रूप में प्राप्त किया जा सकता है। हिमालया बेबी गोल्डन गिफ्ट पैक को शुभ शुरुआत के लिए एक खास गोल्ड-एडिशन गिफ्ट पैक के तौर पर पेश किया गया था। इसके जरिए ग्राहकों को हिमालया गोल्डन मोमेंट्स प्रोग्राम में हिस्सा लेने का अवसर मिला। इसमें हिस्सा लेने के लिए ग्राहकों को पैक के अंदर मौजूद लीफलेट को स्क्रैच करके एक यूनिक कोड प्राप्त करना था, क्यूआर कोड स्कैन करना था और अपने बच्चे के साथ बिताई किसी अनमोल याद को अपलोड करना था। इस पहल के तहत प्रत्येक प्रतिभागी के लिए सुनिश्चित पुरस्कार भी रखा गया था। सभी प्रतिभागियों को 500 रुपए मूल्य की माई बेबी एंड मी ई-बुक निःशुल्क दी गई। इस कॉन्टेस्ट के जरिए माता-पिता और परिवारों को डिजिटल माध्यम से अपने बच्चों के साथ बिताए खास पलों का जश्न मनाने का अवसर मिला। विजेताओं में चार गोल्ड पुरस्कार विजेता और आठ सिल्वर पुरस्कार विजेता शामिल हैं, जो उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस घोषणा में जिन पांच विजेताओं को प्रमुखता से शामिल किया गया है, वे हैं विनोथिनी लियो, सुश्री संगीता बेड़ा, जयंती देवी, डेविड राज डेवेराकोंडा और सरफराज अहमद। इस अवसर पर चक्रवर्ती एन. वी., डायरेक्टर ‑ बेबीकेयर, हिमालया वेलनेस, ने कहा, गोल्डन गिफ्ट पैक कॉन्टेस्ट हमारे लिए माता-पिता होने के रोजमर्रा के उन पलों का जश्न मनाने का अवसर था, जो इस सफर को खास बनाते हैं। इस पहल के जरिए परिवारों से जुड़ने और अपने नन्हों के साथ बिताए अनमोल पलों की झलक साझा करने वाले विजेताओं को सम्मानित करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। हिमालया बेबीकेयर में हम इन सार्थक जुड़ावों को महत्व देते हैं और आगे भी ऐसे अनुभव तैयार करते रहेंगे, जो हमें परिवारों के और करीब लाएं। गोल्डन गिफ्ट पैक कॉन्टेस्ट हमारे लिए एक शानदार अनुभव रहा। हम माता-पिता होने के रोज़मर्रा के पलों का जश्न मनाने का ऐसा खास अवसर देने के लिए हिमालया बेबीकेयर की सराहना करते हैं। गोल्डन गिफ्ट पैक कॉन्टेस्ट हिमालया बेबीकेयर की उन पहलों को दर्शाता है, जिनके जरिए माता-पिता के रोजमर्रा के पलों का जश्न मनाने और परिवारों के साथ सार्थक जुड़ाव बनाने वाले अनुभव तैयार किए जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका के सैन होजे के लोगों के पास है सबसे ज्यादा पैसा

नई दिल्ली, एजेंसी। क्या आप जानते हैं कि दुनिया के किस शहर के लोगों के पास सबसे ज्यादा पैसा है इसका जवाब है अमेरिका का सैन

होजे। इस शहर की जीडीपी पर पर्सन 238,700 डॉलर है। भारतीय रुपये में देखें तो यह रकम 2,29,98,458 रुपये बैठती है। जीडीपी पर पर्सन के मामले में दुनिया के टॉप 40 में 27 शहर अमेरिका के हैं। इस लिस्ट में स्विट्जरलैंड के 5 शहर शामिल हैं। लेकिन भारत, चीन और जापान के किसी भी शहर को जगह नहीं मिली है। सैन जोस शहर अमेरिकी प्रांत कैलिफोर्निया का तीसरा सबसे अधिक आबादी वाला शहर है। यह सिलिकॉन वैली का सांस्कृतिक और आर्थिक केंद्र है। दिग्गज टेक कंपनियों का मुख्यालय है। इस लिस्ट में अमेरिका का ही सैन फ्रांसिस्को दूसरे नंबर पर है। मुताबिक इस शहर की जीडीपी पर पर्सन 181,900 डॉलर है। आयरलैंड की राजधानी डबलिन इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर है। इस शहर की जीडीपी पर पर्सन 159,700 डॉलर है। उसके बाद स्विस शहर बेसल 156,300 डॉलर के साथ चौथे नंबर पर है। अमेरिका का सिएटल (152,000 डॉलर) पांचवें, लक्जमबर्ग सिटी (147,400 डॉलर) छठे, जेनेवा (144,400 डॉलर) सातवें, बोस्टन (135,300 डॉलर) आठवें, ज्यूरिख (131,500 डॉलर) नौवें और न्यूयॉर्क (129,300 डॉलर) दसवें नंबर पर है। टॉप 40 की लिस्ट में अमेरिका का साल्ट लेक सिटी, डरहम, वॉशिंगटन, ब्रिजपोर्ट, हार्टफर्ड, डेनवर, लॉस एंजिलिस, ऑस्टिन, नेशविले, सैन डिएगो, शिकागो, बाल्टीमोर, ह्यूस्टन, और अटलांटा जैसे शहर शामिल हैं।

पड़ोसी देश में दूसरे पावर प्रोजेक्ट के लिए अडानी ग्रुप ने किए साइन, 5,000 मेगावाट है टारगेट

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप को भूटान में एक और प्रोजेक्ट मिला है। अडानी पावर ने भूटान में 770 मेगावाट के हाइड्रोलिक प्रोजेक्ट के लिए वहां की सरकारी कंपनी के साथ एक एग्रीमेंट किया है। इसमें अडानी पावर की 49 फीसदी हिस्सेदारी होगी जबकि 51 फीसदी हिस्सेदारी स्थानीय कंपनी के पास होगी। अडानी ग्रुप और भूटान सरकार ने 5,000 मेगावाट हाइड्रोपावर के विकास के लिए स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप की है। यह प्रोजेक्ट इसी पार्टनरशिप का हिस्सा है। दोनों पार्टनर्स के बीच दूसरा बड़ा हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट है। इससे पहले सितंबर 2025 में 570 मेगावाट के वांगचू हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के लिए दोनों कंपनियों के बीच समझौता हुआ था। अडानी ग्रुप और मई 2025 में 5,000 मेगावाट हाइड्रोपावर डेवलपमेंट के पर साइन किए थे। प्रोजेक्ट मध्य भूटान के जेमगांग जिले में चामकरचू नदी पर स्थित है। यह नदी भूटान की एक प्रमुख और महत्वपूर्ण नदी है। यह मुख्य रूप से भूटान के मध्य-उत्तरी भाग में स्थित बुमथांग घाटी से होकर बहती है। इस प्रोजेक्ट को बिल्ड, ओन, ऑपरेट एंड ट्रांसफर' मॉडल पर लागू किया जाएगा। इसका निर्माण कार्य 2027 की पहली छमाही में शुरू होने और ग्राउंडब्रेकिंग के छह साल बाद कमीशनिंग का लक्ष्य है। साइनिंग सेरेमनी में भूटान के प्रधानमंत्री भी शामिल हुए। इस मौके पर अडानी पावर लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर अनिल सरदाना ने कहा, 'साउथ एशिया में एनर्जी ट्रांजिशन को तेजी देने में हाइड्रोपावर अहम भूमिका निभाएगा। यह प्रोजेक्ट एनर्जी सिक्योरिटी बढ़ाने, कार्बन उत्सर्जन कम करने और सस्टेनेबिलिटी के साझा लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में बड़ा योगदान देगा।' उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट से सर्दियों में भूटान की बिजली की पीक डिमांड को पूरा करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

मेलोनी ले रही हैं आवाज का ट्रेडमार्क

नई दिल्ली, एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री हैं जॉर्जिया मेलोनी। उनकी उम्र करीब 49 साल की है। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस मतलब कि एआई की सहायता से बनाए गए डीपफेक को खतरे को भांप लिया है। तभी तो उन्होंने यूरोपीय यूनियन इंटेलेक्चुअल प्रोप्टी ऑफिस में अपने आवाज का ट्रेडमार्क कराने के लिए आवेदन दिया है। आपको पता है कि इस ऑफिस में यदि उनकी आवाज का ट्रेडमार्क मिल जाता है तो उन्हें क्या फायदा होगा आपको हम बता रहे हैं इसके फायदे।

आवेदन कर दिया गया है

न्यूज एजेंसी रायटर ने सोमवार को यह खबर दी कि 5 अक्टूबर 2026 को उन्होंने में यह आवेदन दिया है। इस आवेदन के साथ ही मेलोनी ने अपना चार सेकेंड की ऑडियो क्लिपिंग भी दी है। इसमें बोलती हैं इसे वह रिकॉर्डिंग में दो बार दोहराती हैं ताकि बेहतर तरीके से उनकी आवाज का नमूना कैप्चर हो सके। उनके आवेदन पर अभी ने कोई फैसला नहीं किया है।

क्या होगा फायदा

यहां ट्रेडमार्क रजिस्ट्रेशन के कई फायदे हैं। इसकी वेबसाइट पर बताया गया है कि पहला फायदा है कि एक बार इस कार्यालय में रजिस्ट्रेशन हो जाने से पूरे यूरोप में रजिस्टर्ड ब्रांड या आवाज को प्रोटेक्शन मिल जाता है। हालांकि यह प्रोटेक्शन सिर्फ 10 साल की अवधि के लिए मिलता है। यह अवधि बीत जाने के बाद इसे फिर से रिन्यू कराने की आवश्यकता पड़ती है। इसके साथ ही जिसके लिए ट्रेडमार्क लिया गया है, उस पर रजिस्ट्रेशन कराने वाले का अधिकार सुरक्षित हो जाता है। उदाहरण के लिए यदि मेलोनी ने अपनी आवाज का ट्रेडमार्क ले लिया तो फिर उस पर उनका एक्सक्लूसिव राइट हो जाएगा। उसका उपयोग कोई दूसरा नहीं कर पाएगा। इससे भी संरक्षण मिलेगा। उन्होंने अक्टूबर 2022 में इटली की प्रधानमंत्री का पद संभाला था।

डीपफेक की हो चुकी हैं शिकार

हाल के वर्षों के दौरान जॉर्जिया मेलोनी कई बार डीपफेक की शिकार हो चुकी हैं। उनके फोटो में छेड़छाड़ कर प्रसारित किया गया था। एक फोटो में तो उन्हें एक बेड पर अंडरवियर में बैठे हुए दिखाया गया था। इस पर बड़ा विवाद हुआ था। उल्लेखनीय है कि साल 2021 में इतावली भाषा में उनकी आत्मकथा आई थी। उसका टाइटल था। इसलिए अब ने अपनी आवाज पर ट्रेडमार्क लेने का फैसला किया है। ताकि से होने वाली क्लोनिंग से उनकी आवाज की सुरक्षा हो सके।

एआई से डीपफेक बनाना आसान

अब जबकि एआई की पहुंच आम हो गई है, इससे डीपफेक बनाना आसान हो गया है। बताया जाता है कि किसी भी व्यक्ति की तीन सेकंड की असली आवाज से करीब 30 यूरो खर्च कर ऐसा बन जाता है जिसे 70 प्रतिशत मामलों में लोग असली समझ बैठते हैं। इस बात को इट ने भी स्वीकार किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार बीते साल भर में ही आवाज की क्लोनिंग के अपराध तेजी से बढ़े हैं। भारत में देखें तो साल 2024 के लोकसभा चुनावों में व्यापक रूप से फैले थे। तब स्थिति इतनी जटिल हो गई थी कि चुनाव आयोग को अप्रैल 2024 में खिलाफ एडवायजरी जारी करनी पड़ी थी। जॉर्जिया मेलोनी इस समय इटली की प्रधानमंत्री हैं।

हरे निशान पर शेयर बाजार बंद, सेंसेक्स 685 अंक उछला, निफ्टी 220 अंक मजबूत

मुंबई, एजेंसी। मंगलवार को सेंसेक्स-निफ्टी हरे निशान पर बंद हुए। सेंसेक्स 685.34 अंक चढ़कर 73,067.81 अंक पर जबकि एनएसई निफ्टी 220.35 अंक की बढ़त के साथ 22,776.10 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से ट्रेंट का शेयर 11 प्रतिशत से अधिक चढ़ा। कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, रिलायंस इंडस्ट्रीज और इंटरग्लोब एविएशन के शेयर भी बढ़त में रहे। वहीं टेक महिंद्रा, आईटीसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और इन्फोसिस के शेयर में गिरावट रही। एशियाई बाजारों में जापान का निक्की 225 और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त में कारोबार कर रहे हैं। अमेरिकी बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट कच्चा तेल का भाव वायदा कारोबार में 0.16 प्रतिशत बढ़कर 100.5 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

एक्सिस, आईसीआईसीआई बैंक दे रहा सबसे सस्ता होम लोन

नई दिल्ली, एजेंसी। हर कोई चाहता है कि उसका अपना मकान हो और वह अपनों के साथ उस घर में रहे। जो लोग किराया देकर किसी फ्लैट में रह रहे हैं, वे भी चाहते हैं कि उनका खुद का फ्लैट हो। इसके लिए लोग काफी पहले से प्लानिंग करते हैं और पैसों की

बचत शुरू कर देते हैं। लेकिन, समय के साथ बढ़ती प्रॉपर्टी की कीमत कई लोगों को आर्थिक रूप से चुनौती देती है। इसको ध्यान में रखते हुए मकान खरीदारों को देश के कई बैंक होम लोन की सुविधा प्रदान करते हैं। इस बीच हम यहां दो बैंकों की बात कर रहे हैं, जो अपने ग्राहकों को 50 लाख रुपये (उदाहरण के लिए) का होम लोन दे रहे हैं। हम कैलकुलेटर से हिसाब करके जानेंगे कि इन दोनों बैंकों में से सबसे सस्ता 50 लाख रुपये का होम लोन कौन दे रहा है। शुरुआत हम इनकी ब्याज दरों से करेंगे।

एक्सिस बैंक होम लोन ब्याज दर कितनी है

एक्सिस बैंक की बात करें तो यह अपने पात्र ग्राहकों को होम लोन की सुविधा देता है। अगर आप नौकरीपेशा वाले हैं तो यह बैंक आपको 8.00 फीसदी की शुरुआती ब्याज दर से होम लोन की सुविधा देता है। एक्सिस बैंक होम लोन की ब्याज दर सालाना 8.00 प्रतिशत से 9.10 प्रतिशत के बीच होती है। यह आपके क्रेडिट स्कोर और पात्रता पर निर्भर करता है कि आपको कितना सस्ता या कितना महंगा होम लोन मिलता है। यह ब्याज दर 5.25 प्रतिशत की रेपो रेट पर आधारित है।

आईसीआईसीआई बैंक होम लोन ब्याज दर कितनी है

अब बात आईसीआईसीआई बैंक के होम लोन और इसकी सालाना ब्याज दर की। यह बैंक नौकरीपेशा वाले लोगों को 8.50 फीसदी की शुरुआती ब्याज दर से होम लोन को ऑफर करता है। वहीं, इस बैंक के होम लोन की ब्याज दर सालाना 8.50 प्रतिशत से 9.65 प्रतिशत के बीच है। यह ब्याज दर 5.25 प्रतिशत की रेपो रेट पर आधारित है। एक्सिस बैंक नौकरीपेशा वाले लोगों को कम से कम कितना से होम लोन ब्याज दर शुरू करता है एक्सिस बैंक नौकरीपेशा वाले लोगों को कम से कम 8 प्रतिशत सालाना ब्याज दर से होम लोन शुरू करता है। बैंक होम लोन की ब्याज दर कितनी है बैंक होम लोन की ब्याज दर 8.50 प्रतिशत से 9.65 प्रतिशत सालाना है। होम लोन लेने के लिए कम से कम कितना क्रेडिट स्कोर अच्छा माना जाता है होम लोन लेने के लिए कम से कम 750 का क्रेडिट स्कोर अच्छा माना जाता है।

एयरलाइंस इंडस्ट्री में अब डर भीतर से! एयरपोर्ट के अंदरूनी खतरों से निपटने के लिए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की जरूरत

नईदिल्ली, एजेंसी। हवाई जहाज से सफर करने वाले हर यात्री को सुरक्षा जांच के लिए मेटल डिटेक्टर से होकर गुजरना पड़ता है। लेकिन, एयरपोर्ट के सुरक्षित हिस्से में काम करने वाले हजारों कर्मचारियों की जांच उतनी आसान नहीं होती। इनमें बैगेज हैंडलर, केटरर, इंजीनियर, सफाईकर्मी, स्क्रीनर, कस्टम अधिकारी और पायलट तक शामिल हैं। इनमें ज्यादातर ईमानदार होते हैं। फिर भी पिछले दशक में एविएशन की कई गंभीर घटनाओं में अंदर के कर्मचारियों की भूमिका सामने आई है।

2015 में शर्म अल-शेख एयरपोर्ट पर अंदरूनी मदद से विमान में बम पहुंचाया गया, जिससे सभी 224 लोगों की मौत हो गई। उसी साल एयरबस जर्मनविंग्स 9525 के को-पायलट ने अपनी मानसिक बीमारी छिपाकर विमान को आल्प्स पर्वत में गिरा दिया, जिसमें 150 लोग मारे गए। 2016 में मोगादिशू में एक सुरक्षा अधिकारी ने ही एक यात्री को लैपटॉप बम पहुंचाया। जनवरी 2024 से मई 2025 के बीच कई देशों में ड्रग्स, सोने की तस्करी, रिश्वत और एयरपोर्ट कर्मचारियों के संदिग्ध आतंकी संबंधों के मामले दर्ज किए गए।

2019 में इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गनाइजेशन ने नियमों में बदलाव कर एयरपोर्ट के सुरक्षित हिस्सों में जाने वाले हर स्टाफ की स्क्रीनिंग और बैकग्राउंड चेक अनिवार्य किया। मकसद है नियमित जांच के जरिये अंदरूनी खतरों को रोकना। इसके लिए ने 'इनसाइडर थ्रेट टूलकिट' भी जारी किया, जिसमें कर्मचारियों की जांच, संदिग्ध

व्यवहार पहचानने, रिपोर्टिंग और सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया गया। लेकिन, समस्या है कि इन सुरक्षा गाइडलाइंस को लागू न करने पर ऑडिट में देशों को कोई अंक नहीं खोना पड़ता। सितंबर 2025 तक केवल 46 प्रतिशत सदस्य देश ही मानकों को 75 प्रतिशत तक प्रभावी ढंग से लागू कर पाए थे, जबकि आइसीएओ का 2027 तक लक्ष्य 65 प्रतिशत है। यह नई बात नहीं है। 2013 में सेफ्टी मैनेजमेंट सिस्टम लागू किए गए और 2019 तक इन्हें पूरी तरह अपनाने का लक्ष्य रखा गया। इसके बावजूद आज भी ग्लोबल सेफ्टी-ओवरसाइट का स्तर करीब 69 प्रतिशत है। जनवरी 2025 तक ने सिर्फ छह देशों के सरकारी सुरक्षा कार्यक्रमों का स्वतंत्र मूल्यांकन किया था। कर्मचारी बिना झिझक खतरे की रिपोर्ट करें और मैनेजर जरूरत पड़ने पर रकम खर्च कर कार्रवाई करें, यह असली चुनौती है। दूसरी तरफ, इस साल एविएशन सेक्टर 5.1 अरब से ज्यादा यात्रियों को सफर कराएगा, लेकिन इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट असोसिएशन के मुताबिक इंडस्ट्री का नेट मार्जिन घटकर 2 प्रतिशत रह सकता है। ऐसे में वेतन, स्टाफ, ट्रेनिंग और निगरानी पर कटौती का खतरा बढ़ता है। शेड्यूल्ड कमर्शल उड़ानों के हादसे 2023 के 66 से बढ़कर 2024 में 95 हो गए। मौतों की संख्या भी 72 से बढ़कर 296 पहुंच गई। एक साल के आंकड़ों से कोई रुझान तय नहीं होता, लेकिन रेकॉर्ड ट्रैफिक वाले साल में इन आंकड़ों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यूरोप ने बेहतर बैकग्राउंड चेक अनिवार्य किए हैं, जिन्हें कम से कम हर 12 महीने में दोहराना होता है।

बाजार खुलते ही 12 प्रतिशत उछल गया टाटा की ट्रेंट कंपनी का शेयर, हर शेयर पर निवेशकों को 326 का फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप में मचे घमासान के बीच उसकी रिटेल कंपनी ट्रेंट के शेयरों में आज जबरदस्त तेजी आई। बाजार खुलते ही कंपनी का शेयर करीब 12 फीसदी उछल गया। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि 30 सितंबर, 2026 को खत्म हुई तिमाही में उसका ऑपरेशंस से स्टैंडअलोन रेवेन्यू पिछले साल के मुकाबले 23 प्रतिशत बढ़कर 5,788 करोड़ हो गया। एक साल पहले यह 4,724 करोड़ था।

ट्रेंट का शेयर बीएसई पर पिछले सत्र में 2,575 रुपये पर बंद हुआ था और आज यह 2,800 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में कंपनी का शेयर 2,901.20 रुपये तक उछला। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 3,399.75 रुपये है। डेटा के अनुसार, ट्रेंट के शेयरों में इस साल अब तक 9.95 प्रतिशत की गिरावट आई है और पिछले एक साल में ये 19.64 प्रतिशत

गिरे हैं।

टाटा ग्रुप की इस कंपनी का पहली छमाही (H1) में रेवेन्यू 21 प्रतिशत बढ़कर 11,454 करोड़ हो गया, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 9,505 करोड़ था। अन्य ऑपरेटिंग इनकम को छोड़कर, मर्चेंडाइज बिक्री से रेवेन्यू भी में 23 प्रतिशत और 21 प्रतिशत बढ़ा। इस तिमाही के दौरान अपना 1,000वां स्टोर खोला। 30 सितंबर तक, कंपनी के पास अन्य लाइफस्टाइल ब्रांड्स के तहत कुल 1,342 स्टोर थे।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स: पिछले हफ्ते ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म ने और 3,075 प्रति शेयर के प्राइस टारगेट के साथ कवरेज शुरू किया। एनालिस्ट्स ने कहा कि कंपनी ने कपड़े, फ़ैशन, ब्यूटी, फ़ूड और ग्रॉसरी, और उभरते हुए कंज्यूमर लाइफ़स्टाइल कॉन्सेप्ट्स में एक अलग तरह का रिटेल प्लेटफ़ॉर्म बनाया है।

सिक्योरिटीज ने कहा कि ट्रेंट भारत के बड़े और अभी भी असंगठित फैशन मार्केट में तेजी से बढ़ने वाला रिटेलर बना हुआ है। ब्रोकरेज ने बताया कि कंपनी का भारत के फैशन रिटेल मार्केट में सिर्फ 2 प्रतिशत हिस्सा है, जिससे मार्केट शेयर बढ़ाने और कैटेगरी को व्यवस्थित करने की गुंजाइश है।

हरमनप्रीत ने दिया झटका छोड़ी तीनों फॉर्मेट की कप्तानी

आगे खेलने के सवाल पर क्यों कहा- खून-पसीना सब दिया...?

मुंबई, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विश्व कप विजेता कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने मंगलवार को भारतीय टीम की तीनों फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ने का एलान किया। हरमनप्रीत ने सोशल मीडिया पर भावुक संदेश साझा करते हुए कहा कि यह फैसला उनके लिए आसान नहीं था, लेकिन अब वह बतौर खिलाड़ी आगे बढ़ना चाहती हैं। हरमनप्रीत ने अपने संदेश में लिखा, 'आज मैं भारतीय महिला क्रिकेट टीम के सभी फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ रही हूं। यह आसान फैसला नहीं है। इसमें वर्षों की यादें, भावनाएं, त्याग और ऐसे पल जुड़े हैं, जो जिंदगी भर मेरे साथ रहेंगे।' 37 वर्षीय हरमनप्रीत ने पांच टेस्ट, 51 वनडे और 155 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में भारत की कप्तानी की है। कप्तान के रूप में उनका आखिरी काम पिछले महीने निशिन में भारतीय टीम को लगातार दूसरी बार एशियन गेम्स का स्वर्ण पदक दिलाना रहा।

फैसले से एक दिन पहले हुई अहम बैठक

हरमनप्रीत के कप्तानी छोड़ने का फैसला उस बैठक के एक दिन बाद आया है, जिसमें उन्होंने भारतीय टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना और मुख्य कोच अमोल मजूमदार के साथ बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया से मुलाकात की थी। गुवाहाटी में हुई इस बैठक में भारतीय महिला टीम के आगे के रोडमैप को लेकर चर्चा हुई थी।

टीम के लिए खुद की महत्वाकांक्षाएं पीछे रखीं

हरमनप्रीत ने कहा कि उन्होंने भारतीय महिला क्रिकेट और टीम के लिए अपना सब कुछ दिया। कई मौकों पर उन्होंने अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन, विकास और निजी महत्वाकांक्षाओं को भी टीम के हित में पीछे रखा। उन्होंने लिखा, 'मैंने इस टीम और भारतीय महिला क्रिकेट को अपना खून, पसीना और समय दिया है। कई बार अपने खेल और निजी महत्वाकांक्षाओं का एक हिस्सा भी पीछे रखा, क्योंकि मेरा मानना था कि टीम सबसे पहले है।' कप्तान के तौर पर लिए गए फैसलों को लेकर होने वाली आलोचनाओं का भी उन्होंने जिक्र किया। हरमनप्रीत ने कहा कि कई फैसले मुश्किल थे और हमेशा समझे नहीं गए, लेकिन उनका एक ही उद्देश्य था- टीम को बेहतर बनाना और दूसरी खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मौका देना।

हरमनप्रीत ने भारतीय टीम के साथ अपने सफर के उतार-चढ़ाव को याद किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने निराशा, दिल टूटने, आलोचना और मुश्किल दौर देखे, लेकिन इसके साथ जीत, जश्न और देश का प्रतिनिधित्व करने का गर्व भी महसूस किया।

कप्तानी खत्म... सफर जारी

हरमनप्रीत ने साफ किया कि कप्तानी छोड़ने का मतलब क्रिकेट से दूरी बनाना नहीं है। उन्होंने कहा कि अब वह खेल को एक अलग नजरिए से जीना चाहती हैं। उनका संदेश था, 'कप्तानी आज खत्म हो रही है, लेकिन भारतीय क्रिकेट के लिए मेरा प्यार कभी खत्म नहीं होगा। अब मैं फिर से खेल के प्यार के लिए खेलने को तैयार हूं।' उन्होंने अपने साथियों, कोचिंग स्टाफ, प्रबंधन, बीसीसीआई, परिवार और प्रशंसकों का भी धन्यवाद किया। अपने संदेश का अंत उन्होंने इन शब्दों से किया- 'खून। पसीना। त्याग। गर्व। मैंने अपना सब कुछ दे दिया। अब सफर जारी है।'

'मैंने अपनी ड्यूटी पूरी कर दी'

हरमनप्रीत ने कहा कि वह कप्तानी छोड़ते समय भावुक हैं, लेकिन उनके मन में शांति है। उन्हें भरोसा है कि भारतीय टीम के पास प्रतिभा, चरित्र और भविष्य के लिए मजबूत आधार मौजूद है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मैंने अपनी ड्यूटी पूरी कर दी है। मैंने इस टीम को अपना सब कुछ दिया। मैंने इस जिम्मेदारी को गर्व के साथ निभाया और भारतीय महिला क्रिकेट की अगुआई करने के विशेषाधिकार के लिए हमेशा आभारी रहूंगी।'

आयुष म्हात्रे को उपकप्तानी

सूर्यकुमार यादव मुंबई रणजी टीम से बाहर

मुंबई, एजेंसी। भारतीय टीम के तीनों प्रारूपों में जगह नहीं बना पाने के बाद सूर्यकुमार यादव को अब मुंबई की रणजी ट्रॉफी टीम से भी बाहर कर दिया गया है। मुंबई 11 अक्तूबर से चंडीगढ़ के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। सूर्यकुमार ने चयन के लिए खुद को उपलब्ध कराया था, लेकिन चयनकर्ताओं ने उन्हें टीम में शामिल नहीं किया। रिपोर्ट के मुताबिक, सूर्यकुमार ने मुंबई की चयन समिति को संदेश भेजकर अपनी उपलब्धता की जानकारी भी दी थी। हालांकि, चयनकर्ता उनकी रेड बॉल फॉर्म को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं थे।मुंबई ने इस मुकाबले के लिए 16 सदस्यीय टीम चुनी है और युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे को उपकप्तान बनाया है। रिपोर्ट के मुताबिक, चयनकर्ता उन्हें भविष्य के कप्तान के तौर पर तैयार करना चाहते हैं। म्हात्रे ने भारत को अंडर-19 विश्व कप खिताब दिलाने वाली टीम की अगुआई की थी। हालांकि, प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनका अनुभव अभी सीमित है। उन्होंने दो साल में सिर्फ 13 प्रथम श्रेणी मुकाबले खेले हैं। इसके बावजूद चयनकर्ताओं ने अनुभवी सरफराज खान की जगह म्हात्रे पर नेतृत्व के लिए भरोसा जताया है।

पवार ने बताया सूर्य को क्यों नहीं मिली जगह

मुंबई के मुख्य चयनकर्ता रमेश पवार ने सूर्यकुमार की गैरमौजूदगी की वजह बताई। उन्होंने कहा, 'वह निश्चित रूप से बड़े मैच के खिलाड़ी और मुंबई के लिए साबित प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी हैं। हम चाहते हैं कि कुछ रेड बॉल के मैच खेलकर वह लय हासिल करें। सूर्यकुमार ने पिछले 18 महीनों से कोई लाल गेंद का मैच नहीं खेला है, इसलिए हम चाहते हैं कि वह कुछ मैच खेलें और उसके बाद टीम में जगह बना सकें।'भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने शुरुआती मुकाबले के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है और उन्हें 16 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ नवंबर में होने वाली टेस्ट सीरीज से पहले रणजी मुकाबला उनके लिए अहम मैच अभ्यास का मौका होगा।

आईपीएल 2027

दिल्ली कैपिटल्स ने सौरव को बनाया मुख्य कोच

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2027 के लिए सौरव गांगुली को टीम का मुख्य कोच नियुक्त कर दिया है। पूर्व भारतीय कप्तान अब टीम के डगआउट में नई भूमिका में नजर आएंगे। गांगुली इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स के साथ क्रिकेट निदेशक के तौर पर काम कर चुके हैं। गांगुली की नियुक्ति ऐसे समय हुई है जब फ्रेंचाइजी ने आईपीएल 2027 से पहले अपने पिछले कोचिंग स्टाफ से अलग होने का फैसला किया है। हेमंग बदानी की अगुआई वाला पिछला कोचिंग समूह 2025 और 2026 सत्र में टीम के साथ था। अब आईपीएल 2027 से टीम का नया कोचिंग सेटअप काम करेगा।

दिल्ली के साथ पहले भी काम कर चुके हैं

गांगुली का दिल्ली कैपिटल्स के साथ यह पहला कार्यकाल नहीं है। वह 2019 में टीम के सलाहकार के रूप में भी काम कर चुके हैं। इसके बाद जनवरी 2023 में उन्होंने फ्रेंचाइजी में क्रिकेट निदेशक की जिम्मेदारी संभाली थी। इस साल उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की टी20 लीग में प्रिटोरिया कैपिटल्स के मुख्य कोच की भूमिका भी निभाई थी। अब आईपीएल में भी उन्हें मुख्य कोच की जिम्मेदारी मिल गई है।

युवराज, वास और मिश्रा को लेकर अपडेट

दिल्ली कैपिटल्स के नए सपोर्ट स्टाफ को लेकर अभी सभी नियुक्तियों का आधिकारिक एलान नहीं हुआ है। हालांकि, रिपोर्ट्स में पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह, श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज चमिंडा वास और पूर्व भारतीय लेग स्पिनर अमित मिश्रा के नाम सामने आए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, युवराज को बल्लेबाजी से जुड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है, जबकि चमिंडा वास को गेंदबाजी कोच और अमित मिश्रा को सपोर्ट स्टाफ में शामिल किए जाने की चर्चा है। हालांकि, इन भूमिकाओं पर आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

2026 की निराशा के बाद बड़ा बदलाव

फ्रेंचाइजी ने अपने कोचिंग ढांचे में बड़ा फेरबदल करने का फैसला लगभग ले लिया था। गांगुली के अलावा युवराज, वास और मिश्रा जैसे अनुभवी क्रिकेटरों की मौजूदगी टीम को अलग-अलग क्षेत्रों में विशेषज्ञता दे सकती है। हालांकि इन नियुक्ति पर अभी दिल्ली कैपिटल्स की आधिकारिक मुहर लगना बाकी है, लेकिन अगर यह पूरा सेटअप आकार लेता है, तो दिल्ली की कोचिंग टीम आईपीएल की सबसे चर्चित और अनुभवी इकाइयों में से एक बन सकती है।

चार दिग्गज, चार अलग-अलग ताकत

नाम	भूमिका	खास अनुभव
सौरव गांगुली	मुख्य कोच	पूर्व भारतीय कप्तान
युवराज सिंह	सहायक कोच	दो विश्व कप विजेता
चामिंडा वास	तेज गेंदबाजी कोच	755 विकेट
अमित मिश्रा	स्पिन गेंदबाजी कोच	सफल स्पिनर

ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या सीरीज से हुए बाहर

पुदुचेरी। भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच दो अनौपचारिक टेस्ट मैचों की सीरीज के बाद अब तीन मैचों की 50 ओवर की सीरीज खेली जाएगी। तीनों अनौपचारिक वनडे मुकाबले पुदुचेरी में खेले जाएंगे। सीरीज का पहला मुकाबला अक्तूबर, दूसरा नौ अक्तूबर और तीसरा मैच 11 अक्तूबर को होगा। तीनों मुकाबले सुबह 9:30 बजे से शुरू होंगे। इस सीरीज के लिए दोनों टीमों के स्क्वाड में कुछ बदलाव भी किए गए हैं।

हार्दिक पांड्या सीरीज से बाहर

भारत ए के लिए बड़ा बदलाव ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या का सीरीज से बाहर होना है। पांड्या को टीम में शामिल किया गया था, लेकिन पिंडली की चोट दोबारा उभरने के कारण वह अब सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे। उनकी जगह सूर्यांश शेडगे को टीम में शामिल किया गया है। चार दिवसीय मुकाबलों में भारत ए की कप्तानी करने वाले देवदत्त पडिक्कल अब ऋतुराज गायकवाड़ के डिप्टी होंगे। वहीं, वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुने गए नमन धीर की जगह अनुकूल रॉय को टीम में शामिल किया गया है।

ऑस्ट्रेलिया ए टीम में भी बदलाव

ऑस्ट्रेलिया ए ने भी अपनी टीम में दो बदलाव किए हैं। जैक एडवर्ड्स और आरोन हार्डी की जगह रिले मेरेडिथ और विल सदरलैंड को स्क्वाड में शामिल किया गया है। आरोन हार्डी घुटने की समस्या के कारण सीरीज से बाहर हैं, जबकि जैक एडवर्ड्स को दक्षिण अफ्रीका दौरे पर ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम में बुलाया गया है।

इन मुकाबलों के लिए दोनों टीमें

- भारत एः प्रियांश आर्या, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल (उपकप्तान), ऋतुराज गायकवाड़ (कप्तान), रजत पाटीदार, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), निशांत सिंधु, विप्रज निगम, अर्शिन कुलकर्णी, अर्शद खान, अनुकूल रॉय, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), गुरजपनीत सिंह और यश ठाकुर।
- ऑस्ट्रेलिया एः माहली बियर्डमैन, निखिल चौधरी, बेन ड्वारशुइस, स्पेंसर जॉनसन, सैम कोंस्टास, नाथन मैकस्वीनी, रिले मेरेडिथ, टॉड मर्फी, मिच ओवेन, जोश फिलिप (विकेटकीपर), तनवीर सांघा, लियाम स्कॉट, लैकलन शॉ और विल सदरलैंड।

हांगकांग सिक्स

भुवनेश्वर को मिली कमान

हांगकांग । हांगकांग सिक्स 2026 के लिए भारतीय टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के स्टार खिलाड़ियों के साथ उतरेगी। इसमें सात प्रमुख भारतीय क्रिकेटर 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक खेले जाने वाले तेजतर्रार 'सिक्स-ए-साइड' (छह खिलाड़ियों वाले) फॉर्मेट में हिस्सा लेंगे। टिन क्वांग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड पर खेले जाने वाली इस लीग में भारतीय टीम की कमान अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार संभालेंगे। उनके साथ आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी क्रुणाल पांड्या, शशांक सिंह, राहुल तेवतिया, नितिश राणा, राहुल त्रिपाठी और टी. नटराजन भी होंगे। भुवनेश्वर के पास अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल का कई वर्षों का अनुभव है और वे नई गेंद से असरदार प्रदर्शन करने की क्षमता रखते हैं, जबकि क्रुणाल एक बेहतरीन ऑलराउंडर के तौर पर टीम को विविधता देते हैं। नितिश आक्रामक बल्लेबाजी और टॉप ऑर्डर में खेलने का अनुभव लाते हैं। वहीं, शशांक और तेवतिया मैच फिनिश करने की अपनी काबिलियत दिखाते हैं। त्रिपाठी आक्रामक इरादे के साथ खेलते हैं और नटराजन बाएं हाथ के तेज गेंदबाज के तौर पर एक खास विकल्प देते हैं ।टीम इंडिया हांगकांग सिक्स में फिर से वापसी करेगी और टूर्नामेंट में आगे तक जाने की कोशिश करेगी। 2025 में उन्होंने पाकिस्तान के विरुद्ध डकवर्थ-लुईस नियम से दो रन की जीत के साथ शुरुआत की थी, लेकिन बाद के मैचों में हार के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। इस बार चुनौती कड़ी होगी। पाकिस्तान 2026 के टूर्नामेंट में मौजूदा चैंपियन के तौर पर उतरेगा। उन्होंने पिछले साल के फाइनल में कुवैत को शिकस्त देकर रिकॉर्ड छठी बार हांगकांग सिक्स का खिताब अपने नाम किया था।

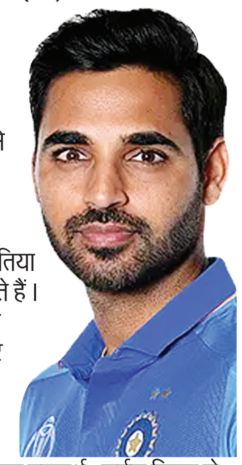

चाइना ओपनः चीनी खिलाड़ी सन जिनरान को हराया

अंतिम 16 में पहुंचीं कोको गॉफ

बीजिंग । अमेरिकी खिलाड़ी कोको गॉफ ने 16 वर्षीय चीनी खिलाड़ी सन जिनरान को 7-5, 6-1 से शिकस्त देकर चाइना ओपन डब्ल्यूटीए टूर इवेंट में लगातार चौथे साल 'राउंड ऑफ 16' में जगह बनाई। दो बार की ग्रैंड स्लैम विजेता ने शानदार खेल दिखाते हुए आखिरी 10 में से 9 गेम अपने नाम किए। गॉफ ने डब्ल्यूटीए टूर लेवल पर अपने से कम उम्र की खिलाड़ियों के खिलाफ खेले गए 28 मुकाबलों में से 24 जीते हैं।

इस दौरान किसी टीनएजर के खिलाफ उन्हें एकमात्र हार 2025 में मॉन्ट्रियल में विक्टोरिया मबोको से मिली थी, जो बाद में चैंपियन बनीं। मुकाबले के बाद गॉफ ने युवा चीनी खिलाड़ी को सराहा। मैच के बाद इंटरव्यू में गॉफ ने कहा, 'मुझे लगता है कि 16 साल की उम्र में मैं जितनी परिपक्व थी, वह उससे कहीं ज्यादा परिपक्व हैं। मुझे लगता है कि मैं उससे थोड़ी ज्यादा परेशान हो गई थी, लेकिन वह एक शानदार खिलाड़ी है। मुझे पता था कि यह मैच मुश्किल होने वाला है। उनका जूनियर करियर बहुत शानदार रहा है। जाहिर है कि वह इस स्तर पर भी बहुत अच्छा करेगी।' वहीं, सोमवार को चीन की स्टार झेंग किनवेन ने चेक गणराज्य की 18वीं सीड मैरी बाउजकोवा को 7-6 (3), 4-6, 7-5 से हराकर महिला सिंगल्स के 'राउंड ऑफ 16' में जगह बनाई। झेंग ने मैच का पहला ब्रेक हासिल किया, लेकिन बाउजकोवा ने छठे गेम में ब्रेक प्वाइंट्स जीतकर वापसी की। सेट टाई-ब्रेक तक गया, जहां झेंग ने 7-3 से जीत हासिल की।

बाउजकोवा ने दूसरे सेट में मजबूत शुरुआत की और 3-0 की बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने झेंग की वापसी की कोशिशों को नाकाम किया और मैच को निर्णायक सेट तक पहुंचाया। आखिरी सेट में ज्यादातर समय दोनों खिलाड़ियों ने अपनी-अपनी सर्विस बचाए रखीं, लेकिन आखिर में झेंग ने अपना दूसरा मैच प्वाइंट जीतकर जीत पक्की कर ली।

टीपीएल सीजन 8: बुरुचागा, रिंकी और टेरेंस भी शामिल

बोपन्ना लाइन-अप में शामिल

मुंबई । टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और इंटरनेशनल स्टार रोमन बुरुचागा, रिंकी हिजिकाता और टेरेंस एटमाने टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) के आठवें सीजन के मार्की प्लेयर लाइन-अप में शामिल होंगे। नीलामी 12 अक्टूबर को मुंबई में होगी। आठ फ्रेंचाइजी नीलामी में अपने-अपने मार्की प्लेयर्स के आस-पास अपनी टीम बनाएंगी। बोपन्ना, जो गुड़गांव ग्रैंड स्लैमर्स का प्रतिनिधित्व करेंगे, मार्की लाइन-अप को लीड करेंगे। 46 साल के पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 पुरुष डबल्स में दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन हैं। बोपन्ना ने 2017 फ्रेंच ओपन मिक्स्ड डबल्स टाइटल और 2024 ऑस्ट्रेलियन ओपन पुरुष डबल्स का खिताब जीता है।

पद्मश्री और अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित बोपन्ना ने कहा, 'मैं टीपीएल में वापस आने का सच में इंतजार कर रहा हूं। हर साल, लीग और मजबूत होती जा रही है, और मुझे टीम का माहौल और इस फॉर्मेट से मिलने वाली ऊर्जा बहुत पसंद है। उन्होंने कहा, 'इस साल, कॉम्पिटिशन बहुत कड़ा होगा, जिसमें अनुभवी खिलाड़ियों और युवा भारतीय टैलेंट का शानदार मिश्रण होगा। हैदराबाद का टेनिस के साथ हमेशा से एक मजबूत कनेक्शन रहा है, इसलिए मुझे यकीन है कि माहौल इसे और भी खास बना देगा। मैं कॉम्पिटिशन करने, अनुभव का आनंद लेने और कोर्ट पर वापस आने के लिए उत्साहित हूं।'

अर्जेंटीना के रोमन बुरुचागा, जो कोलकाता थंडर ब्लेड्स के लिए खेलेंगे, इंटरनेशनल मार्की टीम के एकल खिलाड़ियों में सबसे ऊंची रैंक वाले खिलाड़ी हैं। 24 साल के इस खिलाड़ी की अभी वर्ल्ड रैंकिंग में 60वीं रैंक है। वह इस साल की शुरुआत में अपने करियर की सबसे ऊंची रैंकिंग 56वें स्थान पर पहुंचे थे।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
नई दिल्ली, बुधवार, 07 अक्टूबर, 2026

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com
@Pratahkiran
epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran

संक्षिप्त समाचार

लखनऊ में बाढ़ के पानी में पैदल चल रहे 6 युवक सैलाब में डूबे, पांच को बचाया गया

लखनऊ, एजेंसी। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले लासा गांव में मंगलवार की सुबह एक

बड़ा हादसा हो गया। सुबह के समय नाव की सुविधा न होने के ण करीब 6 युवक पैदल ही रास्ता पार कर रहे थे। इसी दौरान वे गहरे पानी की चपेट में आकर सैलाब में डूबने लगे। पानी में बहते लोगों ने हिम्मत दिखाते हुए एक–दूसरे का हाथ पकड़कर 5 को तो सुरक्षित बचा लिया, लेकिन 18 वर्षीय विमल तेज बहाव में बह गया और अभी तक लापता है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई और पीड़ित परिवारों में चीख–पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और एनडीआरएफ की टीम बोट की मदद से जलभराव वाले इलाके में लापता युवक की तलाश में जुटी हुई है।
3 अक्टूबर को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही ग्रामीण इलाकों में आचार संहिता लागू हो चुकी है। इसके साथ ही तबादलों पर रोक लग गई है। मंत्री सरकारी गाड़ी से अपने क्षेत्रों में नहीं जा सकेंगे और सरकारी गेस्ट हाउस या डाक बंगले में भी नहीं ठहर सकेंगे।

राजस्थान पंचायत चुनाव की तारीखें बदलीं, धनतेरस पर नहीं होगी वोटिंग

जयपुर, एजेंसी। तीसरे चरण में जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के लिए 3 नवंबर को मतदान होगा। इसके दो दिन बाद यानी 5 नवंबर को पंच और सरपंच के लिए वोटिंग होगी। पहले इस चरण की वोटिंग 4 और 6 नवंबर को प्रस्तावित थी। 6 नवंबर को धनतेरस होने के कारण आयोग ने कार्यक्रम में बदलाव किया है। पहले चरण का चुनाव भी अब निर्धारित तारीख से एक दिन पहले होगा। जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्य के लिए 22 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे, जबकि पंच और सरपंच के लिए 24 अक्टूबर को मतदान होगा। इसी तरह दूसरे चरण में 28 अक्टूबर को जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्य तथा 30 अक्टूबर को पंच और सरपंच के लिए वोटिंग होगी। यानी पहले तीनों चरणों में जिला परिषद–पंचायत समिति और पंच–सरपंच के चुनाव के बीच दो दिन का अंतर रहेगा।

सरपंच का रिजल्ट उसी दिन देर रात– पंचायत चुनाव में सरपंच पद के लिए वोटिंग के बाद मतदाताओं को नतीजों के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। सरपंच चुनाव का परिणाम मतदान वाले दिन ही देर रात तक घोषित किया जाएगा। वहीं जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव के परिणाम बाद में घोषित किए जाएंगे।

जिला परिषद और पंचायत समिति के लिए ये तारीखें– जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव चार चरणों में होंगे। पहले चरण में 23 अक्टूबर, दूसरे चरण में 29 अक्टूबर, तीसरे चरण में 4 नवंबर और चौथे चरण में 14 नवंबर को मतदान होगा। इनके परिणाम 20 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।पंचायतीराज चुनाव प्रक्रिया नवंबर के अंत तक चलेगी। 25 नवंबर को जिला प्रमुख और 27 नवंबर को प्रधान का चुनाव होगा। वहीं 26 नवंबर को उपजिला प्रमुख और 28 नवंबर को उपप्रधान का चुनाव कराया जाएगा।हालांकि कोटा, श्रीगंगानगर, बारां और करौली में जिला प्रमुख और प्रधान का चुनाव बाद में होगा। इन जिलों में मौजूदा जिला प्रमुख और प्रधान का कार्यकाल दिसंबर 2026 में पूरा होगा। इन जिलों में जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव अन्य जिलों के साथ ही होंगे।राजस्थान के 37 जिलों में पंचायतीराज चुनाव की प्रक्रिया करीब 50 दिन तक चलेगी। अलग–अलग चुनाव कार्यक्रम 8 अक्टूबर से 28 नवंबर तक चलेंगे। जयपुर में सबसे ज्यादा चार चरणों में चुनाव होंगे। जैसलमेर, फलोदी और सलूंबर में एक चरण में मतदान होगा। झुंझुनूं, करौली, सीकर, बांसवाड़ा, बीकानेर, जालोर और उदयपुर में तीन चरण तथा 30 जिलों में दो चरणों में चुनाव होंगे। इन पंचायत चुनावों में करीब 1.69 लाख पंचायतीराज जनप्रतिनिधियों का चुनाव होगा।

एनजीटी में सरकार का बड़ा तर्क; 2025 की बाढ़ का दिया हवाला

पंजाब में डी-सिल्टिंग रोकी तो आएगी तबाही

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब सरकार ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) में कहा है कि बाढ़ प्रबंधन, नदियों और ड्रेनों की जलप्रवाह क्षमता बहाल करने तथा भविष्य की आपदाओं से बचाव के लिए की जाने वाली वास्तविक डी-सिल्टिंग (गाद निकालने) और ड्रेजिंग को केवल इसलिए व्यावसायिक खनन नहीं माना जा सकता। दरअसल निकाली गई सामग्री का आर्थिक मूल्य हो सकता है। राज्य सरकार ने यह पक्ष पंजाब में डी सिल्टिंग पर पूरी तरह रोक लगाने की मांग से संबंधित आवेदन की सुनवाई के दौरान रखा। सरकार ने कहा कि डी-सिल्टिंग पर ब्लैंकेट रोक लगाने से उसके कई जरूरी वैधानिक कार्य प्रभावित होंगे। इनमें बाढ़ प्रबंधन, नदियों और ड्रेनों की क्षमता बहाल करना, तटबंधों की सुरक्षा तथा भविष्य में बाढ़ से होने वाली आपदाओं की रोकथाम शामिल है। पंजाब ने एनजीटी के समक्ष स्पष्ट किया कि रखरखाव, पुनर्बहाली और आपदा प्रबंधन के लिए की जाने वाली डी-सिल्टिंग और ड्रेजिंग को खनिजों के व्यावसायिक दोहन और बिक्री के लिए किए जाने वाले खनन से अलग रखा जाना चाहिए। हालांकि, राज्य सरकार ने यह भी स्वीकार किया कि पर्यावरणीय

प्रभाव आकलन (ईआईए) अधिसूचना, 2006 के परिशिष्ट-ढ्ढ्ढ के आइटम-7 में मुख्य प्रबंधन के लिए ड्रेजिंग और डी-सिल्टिंग को दी गई छूट का इस्तेमाल व्यावसायिक खनन को छिपाने के लिए नहीं किया जा सकता। सरकार ने कहा कि उसका इरादा ऐसी किसी गतिविधि को अनुमति देने का नहीं है, जो वास्तविकता और प्रभाव में व्यावसायिक खनन हो, लेकिन उसे डी-सिल्टिंग के नाम पर कराया जाए।

पंजाब सरकार ने अपने पक्ष में वर्ष 2025 में आई अभूतपूर्व बाढ़ का हवाला दिया। सरकार के अनुसार, 2025 के मानसून में पंजाब में 622.1 मिलीमीटर बारिश हुई, जो सामान्य से 41 प्रतिशत अधिक थी। इस दौरान सतलुज, ब्यास, रावी और घग्गर नदी तंत्र में भी असाधारण रूप से अधिक पानी आया। बाढ़ के कारण नदी चैनलों, ड्रेनों, तटबंधों और बाढ़ प्रबंधन से जुड़े अन्य ढांचों को नुकसान पहुंचा। राज्य ने यह भी बताया कि 16 सितंबर 2025 के केंद्रीय गृह मंत्रालय के पत्र में केंद्रीय अंतर-मंत्रालयी टीम द्वारा स्थिति का आकलन किए जाने का उल्लेख था। टीम ने व्यावहारिक तौर पर स्थिति को 'गंभीर प्रकृति की आपदा' माना था। इसके बाद जल संसाधन विभाग ने नदियों, ड्रेनों और अन्य जलमार्गों की जलप्रवाह क्षमता को बहाल करने और बनाए रखने के लिए निवारक तथा सुधारात्मक कार्य शुरू किए। साथ ही बाढ़ प्रबंधन से जुड़े ढांचों को मजबूत करने के काम भी किए गए। रा

ज्य ने कहा कि ये कार्य उसकी वैधानिक जिम्मेदारियों का हिस्सा हैं और पंजाब कैनाल एंड ड्रेनेज एक्ट, 2023 की धारा 38 के तहत भी ऐसे कार्य किए जाते हैं। पंजाब ने एनजीटी के अंतरिम निर्देश का भी उल्लेख किया, जिसमें सरकारी एजेंसियों या अन्य माध्यमों से मेंटेनेंस, अपकीप और डिजास्टर मैनेजमेंट के लिए डी-सिल्टिंग की अनुमति दी गई है।

इसकी शर्त यह है कि इसका इस्तेमाल व्यावसायिक रेत खनन के लिए नहीं होना चाहिए।

पति को छोड़ने के बदले किया यौन शोषण, दोषी की पत्नी के आरोप के बाद जेल डीआईजी गिरफ्तार

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के कारागार और सुधार सेवा विभाग के डीआईजी सोमशेखर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सोमशेखर पर आरोप है कि बेंगलुरु सेंट्रल जेल के चीफ सुपरिंटेंडेंट रहते हुए एक कैदी को रिहा कराने के बदले उसकी पत्नी का यौन शोषण किया था। यह पूरा मामला साल 2018 का है, जब चिकपेट थाने से जुड़े एक मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे कैदी शंकर ए. को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर बेंगलुरु सेंट्रल जेल से रिहा कर दिया गया था। बाद में जांच में खुलासा हुआ कि वह आदेश पूरी तरह फर्जी था। जांच के दौरान बात सामने आई कि जेल के एक कर्मचारी श्रीकांत एस. ने सुप्रीम कोर्ट का फर्जी आदेश तैयार किया था।

कैदी की पत्नी ने लगाया यौन शोषण का आरोप

फर्जी रिहाई की जांच के दौरान पुलिस ने जब कैदी शंकर की पत्नी से पूछताछ की, तो उसने खुलासा किया कि तत्कालीन चीफ सुपरिंटेंडेंट सोमशेखर ने उसके पति को जेल से छुड़ाने के नाम पर उसका यौन शोषण किया था। इसके बाद मामले में भ्रष्टाचार के साथ-साथ गंभीर आपराधिक आरोप भी जुड़ गए।

परप्पना अग्रहारा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सोमशेखर को हिरासत में ले लिया। पुलिस के अनुसार, वह जांच में सहयोग नहीं कर रहे थे और जरूरी जानकारियां छुपा रहे थे। कोर्ट में पेशी के बाद अदालत ने उन्हें आगे की पूछताछ के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया है। कैदी शंकर को साल 2004 में फास्ट ट्रैक कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई थी, जिसे बाद में उच्च अदालतों ने भी बरकरार रखा था। पुलिस अब इस बात की विस्तृत जांच कर रही है कि फर्जी आदेश बनाने में और कौन-कौन शामिल था तथा अधिकारी की इसमें कितनी भूमिका रही है।

नए सचिवालय प्रस्ताव को चुनौती देने वाली पीआईएल खारिज, मद्रास हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता को लगाई फटकार

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु में नया सचिवालय भवन बनाने के प्रस्ताव के खिलाफ दायर जनहित याचिका को मद्रास हाई कोर्ट ने सोमवार को खारिज कर दिया। याचिका में तमिलनाडु सरकार को फोरशोर एस्टेट में नया सचिवालय बनाने का प्रस्ताव छोड़ने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

मुख्य न्यायाधीश एस.ए. धर्माधिकारी और जस्टिस जी. अरुल मुरुगन की पीठ के समक्ष अधिवक्ता आरएस. तमिलवेंदन की याचिका पर सुनवाई हुई। याचिका में दावा किया गया था कि करीब 1,200 करोड़ रुपये की लागत से सचिवालय बनाने से सरकारी धन की बर्बादी होगी और क्षेत्र के मछुआरों के हित प्रभावित होंगे।

इस पर पीठ ने फटकार लगाते हुए कहा, आपको पता होना चाहिए कि जनहित याचिका का क्या अर्थ है। कम से कम आपको कुछ होमवर्क और रिसर्च तो करना चाहिए। अदालत के पास ऐसा कौन-सा अधिकार है, जिसके तहत वह सरकार को किसी खास जगह पर भवन बनाने से रोक सकती है?

अदालत द्वारा भारी जुर्माना लगाने की बात कहे जाने पर याचिकाकर्ता ने याचिका वापस लेने का अनुरोध किया, जिसके बाद इसे वापस लिया हुआ मानकर खारिज कर दिया गया।

फॉर्म 7 की आपत्तियों पर अभी तक किसी का नाम नहीं हटाया गया, कर्नाटक के मुख्य चुनाव अधिकारी ने दी जानकारी

फॉर्म 7 के जरिए नहीं हटा कोई नाम

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक में स्पेशल इंटेंसिव रिव्यू के दौरान भारतीय जनता पार्टी और जनता दल (सेक्युलर) के कार्यकर्ताओं पर आरोप लगा कि उन्होंने बड़े पैमाने पर वोटर लिस्ट से हजारों नाम हटवाने की कोशिश की है।

बीजेपी और कार्यकर्ताओं पर लगे इन आरोपों के बीच राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी वी. अंबुकुमार ने सोमवार को कहा कि फॉर्म 7 के जरिए एक भी नाम नहीं हटाया गया है।

फॉर्म 7 का इस्तेमाल तब होता है, जब वोटर लिस्ट में किसी नाम को शामिल करने के प्रस्ताव पर आपत्ति जताई जाती है या उसे हटाने की मांग की जाती है।

कर्नाटक में 16 जून से 4 अक्टूबर के बीच ऐसी 91,278 अर्जियां मिलीं। 23 सितंबर तक, जब दावे और आपत्तियों का चरण खत्म हुआ था, तब तक यह संख्या 58,220 थी। इनमें से कोई भी नाम शामिल करने के प्रस्ताव पर आपत्ति नहीं थी।

मुख्य चुनाव अधिकारी वी. अंबुकुमार ने कहा कि इन पर 22 अक्टूबर से पहले कार्रवाई की जाएगी और आखिरी सुनवाई 12 अक्टूबर को होगी। अंबुकुमार ने करीब छह घंटे की बातचीत के बाद कहा कि उन्होंने बड़ी संख्या में आई अर्जियों का लिखित रूप में संज्ञान लिया है और गलत बयानों की जांच के आदेश दिए हैं। कर्नाटक के मुख्य चुनाव अधिकारी ने कहा कि उन्हें 7-10 दिन पहले ही बड़ी संख्या में अर्जियां दाखिल होने के बारे में पता चला था। इस पर उन्होंने अधिकारियों को कार्रवाई करने के लिए कहा था।

चुनाव पंजीकरण अधिकारी की ओर से कोई FIR दर्ज नहीं कराई गई है। उन्होंने कहा, 'सात दिन का नोटिस पीरियड अभी बाकी है।' अब तक जो FIR दर्ज की गई हैं, वे निजी व्यक्तियों द्वारा ब्र्ह्नस् के तहत दर्ज कराई गई हैं और मामला अदालत में विचाराधीन है। मुख्य चुनाव अधिकारी कुमार ने कहा कि चल रही SIR प्रक्रिया के दौरान सुनवाई के लिए मतदाताओं को इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर के पास जाने की जरूरत नहीं है, जब तक कि ऑफ़िसर को उनकी मौजूदगी जरूरी न लगे।

फ्लाईदुबई हमले के पीछे किसका हाथः डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर जताया शक

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार फ्लाईदुबई घटना को लेकर एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि 30 सितंबर की 30 सितंबर की फ्लाईदुबई घटना के लिए ईरान जिम्मेदार था। बता दें कि जिसमें भारतीय पायलट स्मित मच्छार को ओमान के को–पायलट हमम अल–हम्ममी ने चाकू मार दिया था। ट्रंप की ये टिप्पणियां तब आईं जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने सोमवार को अलास्का जाते समय पत्रकारों से कहा कि इस घटना को ईरान से जोड़ने वाली कोई पक्की बात नहीं है। घटना की जांच कर रहे यूएई के अधिकारियों ने अभी तक हमले के पीछे कौन था। इस पर कोई पक्का नतीजा नहीं बताया है क्योंकि जांच अभी जारी है। सऊदी अरब के अधिकारियों द्वारा शुरुआती पूछताछ के बाद अल–हम्ममी को यूएई को सौंप दिया गया है। सोमवार दोपहर जब ट्रंप 'एयर फोर्स वन' में सवार हो रहे थे, तो एक रिपोर्टर ने उनसे फ्लाईदुबई की घटना में ईरान की भूमिका के बारे में पूछा। ट्रंप ने कहा, मुझे ऐसा लगता है। मुझे व्यक्तिगत रूप से ऐसा लगता है।' हालांकि, जब सोमवार को अलास्का के लिए रवाना होते समय पत्रकारों ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और सेकंड लेडी उषा वेंस से इस बारे में पूछा, तो ओहायो के रिपब्लिकन नेता ने बहुत सावधानी बरती। सीधे टिप्पणी करने के बजाय, उन्होंने कहा कि वह इस मामले को सीआईए डायरेक्टर पर छोड़ देंगे, क्योंकि वे इस पर टिप्पणी करने के लिए बेहतर स्थिति में हैं। जेडी वेंस ने कहा, 'यह मामला मैं जॉन रैटक्लिफ और कुछ इंटेलिजेंस अधिकारियों पर छोड़ता हूं। मैं किसी भी घोषणा से पहले कुछ नहीं कहना चाहता, लेकिन निश्चित रूप से हम इस पर गौर कर रहे हैं।

अमेरिका में 40 लोगों की छिनेगी नागरिकता, एक भारतीय पर भी गिरेगी गाज

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिका ने आधुनिक इतिहास में नागरिकता रद्द करने की सबसे बड़ी प्रक्रिया शुरू की है, जिसके तहत उसने भारतीय मूल के एक व्यक्ति समेत 40 लोगों की अमेरिकी नागरिकता रद्द करने के लिए विभिन्न अदालतों में कार्रवाई शुरू की है। न्याय विभाग ने यह जानकारी दी। इन 40 लोगों के खिलाफ अमेरिका की कई अदालतों में नागरिकता रद्द करने की कार्रवाई की जा रही है। उन पर विदेशी सरकार के एजेंट के रूप में काम करने, गैर इरादतन हत्या और एक दिव्यांग व्यक्ति के साथ गंभीर यौन अपराध समेत कई गंभीर अपराधों के आरोप हैं। कैलिफोर्निया के बलविंदर सिंह के खिलाफ राज्य की ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में नागरिकता रद्द करने की कार्रवाई की जा रही है। उस पर फर्जी पहचान का इस्तेमाल कर अमेरिका में प्रवेश पाने और अमेरिकी नागरिकता हासिल करने का आरोप है। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लांश ने सोमवार को कहा, ÷आज की घोषणा आधुनिक इतिहास में नागरिकता रद्द करने की सबसे बड़ी प्रक्रिया की शुरुआत है। आव्रजन और राष्ट्रीयता अधिनियम के तहत अगर किसी व्यक्ति ने प्राकृतिक रूप से मिली अमेरिकी नागरिकता गैरकानूनी तरीके से हासिल की हो या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाकर अथवा जानबूझकर गलत जानकारी देकर हासिल की हो, तो उसकी नागरिकता रद्द की जा सकती है। न्याय विभाग के सिविल डिवीजन के सहायक अटॉर्नी जनरल ब्रेट ए. शूमेट ने कहा, इन सभी लोगों ने अमेरिकी नागरिकता हासिल करने के लिए झूठ का सहारा लिया। शूमेट ने कहा, यह प्रशासन विभाग के इतिहास में नागरिकता रद्द करने की सबसे बड़ी प्रक्रिया को आगे भी जारी रखेगा, ताकि अमेरिकी नागरिकता में विश्वास और उसकी विश्वसनीयता बहाल की जा सके। हमारा संदेश स्पष्ट है - अमेरिका नागरिकता हासिल करने की प्रक्रिया में धोखाधड़ी बर्दाश्त नहीं करेगा। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, सिंह ने 1992 में बलविंदर सिंह के नाम और पहचान से आव्रजन के लिए आवेदन दिया था। वर्ष 2003 में उसने दूसरी पहचान के तहत स्थायी निवासी का दर्जा हासिल करने के लिए आवेदन किया और उसे यह दर्जा मिल गया। न्याय विभाग ने कहा, उंगलियों के निशान से यह साबित होता है कि सिंह ने दोनों आवेदन जमा किए थे। वर्ष 2009 में सिंह ने अपनी दूसरी पहचान के तहत अमेरिकी नागरिकता हासिल की। शिकायत में उसके द्वारा गलत जानकारी देने और गैरकानूनी गतिविधियों से जुड़े सात आरोप लगाए गए हैं। विभाग ने बताया कि वह चीन में जन्मे अमेरिकी नौसेना के पूर्व नाविक जिंचाओ वेई की नागरिकता रद्द करने की भी मांग कर रहा है। वेई को जासूसी से जुड़े अपराधों में दोषी ठहराया जा चुका है। अमेरिकी नौसेना में भर्ती हुआ था और फरवरी 2022 तक उसने चीन को सैन्य गोपनीय जानकारी बेचने की साजिश शुरू कर दी थी। उसने मई 2022 में अमेरिकी नागरिकता हासिल की थी। वेई को अगस्त 2025 में जासूसी करने की साजिश, जासूसी और रक्षा सामग्री से संबंधित तकनीकी आंकड़ों के अवैध निर्यात के अपराधों में दोषी ठहराया गया था। उसे 200 महीने की जेल की सजा सुनाई गई और नौसेना से बर्खास्त कर दिया गया। जिन लोगों के खिलाफ नागरिकता रद्द करने की कार्रवाई शुरू की गई है, उनमें पाकिस्तान, मेक्सिको, कंबोडिया, नेपाल और अफगानिस्तान के लोग भी शामिल हैं।

चांद पर परमाणु शक्ति पहुंचाने की कोशिश में 'दुश्मन देश'

वाशिंगटन, एजेंसी। 'परमाणु शक्ति'। यह एक ऐसा शब्द है, जिसका जिक्र होते ही दुनिया में असीमित ताकत रखने वाले वाले देशों की चर्चा होना लाजमी है। हालांकि, अब यह असीमित ताकत सिर्फ पृथ्वी तक ही सीमित नहीं रहने वाली है। भविष्य के लिए जो योजनाएं तैयार की जा रही हैं, उसके तहत अब परमाणु शक्ति पैदा करने वाले न्यूक्लियर रिएक्टर्स को अंतरिक्ष से आगे चांद तक ले जाने की कवायद शुरू हो गई। जिन दो दुश्मन धड़ों के बीच यह मुकाबला होना तय है, उनमें एक तरफ है अमेरिका और दूसरी तरफ हैं उसका पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी रूस। इतना ही नहीं मुकाबले में रूस के साथ है उसका पारंपरिक सहयोगी और पड़ोसी चीन। यानी पृथ्वी पर दो पक्षों के बीच जारी परमाणु शक्ति का मुकाबला अब चांद तक पहुंचने वाला है। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर चांद पर परमाणु शक्ति पहुंचाने का मतलब क्या है? अमेरिका और रूस-चीन इस रेस में क्यों जुट गए हैं? चांद पर परमाणु संयंत्र पहुंचाने और लगाने की जो रेस शुरू हुई है, उसका सीधा मतलब यह है कि अब यह देश चांद पर अपने स्थायी ठिकाने (लूनर बेस) बनाने की तैयारियों में जुट गए हैं, जिन्हें चलाने के लिए जरूरी ऊर्जा लगातार सिर्फ परमाणु संयंत्र से ही आ सकती है। इन स्थायी ठिकानों से ही चांद पर आगे यह देश स्थायी बस्तियों को बसाने की कोशिशें शुरू कर सकेंगे।

चांद पर फिलहाल लगातार ऊर्जा हासिल करने का कोई स्रोत नहीं मिल सका है। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि चांद का माहौल पृथ्वी की तरह नहीं है। यहां मशीनों को ऊर्जा देने के लिए सूरज की रोशनी से पैदा होने वाली सौर ऊर्जा सबसे बड़ा स्रोत है। ऐसे में अलग-अलग देश अपने चांद के मिशन्स में लैंडर और रोवर में सौर ऊर्जा से चलने वाले सोलर सेल वाले पैनल लगाकर भेजते हैं। यही सोलर सेल सूरज की रोशनी में कार्य करते हैं और साथ ही इतनी ऊर्जा इकट्ठा कर लेते है कि सूर्य की रोशनी की गैरमौजूदगी में भी मशीनें चांद पर काम कर सकें। हालांकि, इन सोलर सेल्स की क्षमता छोटी मशीनों को चलाने लायक ही होती है। ऐसे में बड़ी मशीनों और आने वाले समय में इंसानों के बेस को ऊर्जा देने के लिए परमाणु संयंत्र लगाने की जरूरत महसूस की जा रही है। परमाणु ऊर्जा से चलने वाले यह संयंत्र चांद पर निर्बाध बिजली मुहैया करा सकते हैं।

मौजूदा समय में अमेरिका और रूस-चीन दोनों पक्षों का मुख्य लक्ष्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर मौजूद जम चुकी बर्फ पर रिसर्च कर पानी जैसे कीमती संसाधनों पर नियंत्रण हासिल करना है। इसके अलावा, चंद्रमा को सौर मंडल में गहराई तक, जैसे- मंगल ग्रह जाने वाले भविष्य के अभियानों के लिए एक लॉन्चपैड की तरह इस्तेमाल करने की योजना भी तैयार की जा रही है, जिसके लिए चांद पर इंसानों का एक ठिकाना बनाना भी जरूरी होगा। ऐसे में अमेरिका की

अंतरिक्ष एजेंसी- नासा और रूस की रोसातोम ने परमाणु संयंत्रों को चांद पर पहुंचाने तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। रूस और चीन की तरफ से फिलहाल इससे जुड़ी टाइमलाइन 2036 तक की रखी गई है। हालांकि, इस चुनौती के मद्देनजर अमेरिका ने भी परमाणु संयंत्र को चांद पर पहुंचाने का प्रोजेक्ट 2030 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है। इसके पीछे एक डर यह है कि रूस और चीन अगर चंद्रमा पर अपना रिएक्टर पहले स्थापित कर लेते हैं तो वे इसके एक क्षेत्र को डी फैक्टो नो-गो जोन (एक्सक्लूसिव) यानी अपना इलाका बनाकर उसमें एंट्री बंद न कर दें। 1950 के दौर की तरह ही अंतरिक्ष में सर्वोच्चता हासिल करना अमेरिका के लिए नाक का सवाल बन गया है, जबकि चीन-रूस के लिए यह अमेरिका को पछाड़ने और राष्ट्रीय गौरव से जुड़ा मामला बन गया है। चंद्रमा पर परमाणु रिएक्टर स्थापित करने की होड़ में दोनों प्रमुख धड़े- अमेरिका बनाम रूस-चीन गठबंधन की तैयारियां, समयसीमा और प्रगति तेज हो गई है। - नासा दिसंबर 2028 तक परमाणु ऊर्जा के जरिए अंतरिक्ष यान को मंगल ग्रह की ओर भेजने की योजना भी बना रहा है। नासा ने अपने कॉन्ट्रैक्टर्स से एक ऐसे परमाणु रिएक्टर का निर्माण करने को कहा है जो अंतरिक्ष यात्रा की परिस्थितियों को झेल सके और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर बिना किसी इंसानी रख-रखाव के चल सके। नासा ने इस 'लूनर रिएक्टर-1' को दिसंबर 2030 तक लॉन्च करने का लक्ष्य रखा है। अमेरिका का यह रिएक्टर लगभग 20 किलोवाट बिजली पैदा करने और पांच वर्षों तक बिना इंसानी दखल के चलने के लिए डिजाइन किया जा रहा है। इसके अलावा, अमेरिकी रक्षा मंत्रालय- पेंटागन भी अंतरिक्ष रिएक्टरों के लिए 'एंटारेस' जैसी निजी कंपनियों को योजना में शामिल कर रहा है। अमेरिका में सुरक्षित परमाणु ईंधन हाई-एसे लो-एनरिच्ड यूरेनियम की भारी कमी है, क्योंकि यूक्रेन युद्ध के चलते 2024 में उसने रूसी यूरेनियम का आयात रोक दिया था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,